RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 274
नई दिल्ली, सोमवार, 10 अगस्त, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

पृथक-वास एक तरह से आशीर्वाद के जैसा

विदेश-11

www.dailypioneer.com

101 रक्षा उपकरणों के आयात पर लगेगी रोक

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया ऐलान, प्रतिबंध से भारतीय रक्षा उद्योग को मिलेंगे बड़े अवसर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मिशन आत्मनिर्भर भारत

● योजना 2020 से 2024 के बीच चरणबद्ध तरीके से की जाएगी लागू

घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने अहम कदम उठाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को 101 हथियारों और सैन्य उपकरणों के आयात पर 2024 तक के लिए रोक लगाने का ऐलान किया। इन उपकरणों में हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर, मालवाहक विमान, पारंपरिक पनडुब्बियां और क्रूज मिसाइल शामिल हैं।

देश के आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ने के लिए सरकार के इस फैसले से आने वाले समय में स्थानीय हथियार निर्माता तोपों से लेकर मिसाइलों और असॉल्ट राइफलों से लेकर दूसरे हथियार बनाते दिखाई देंगे। यही नहीं, देश में निर्मित और विकसित विश्वस्तरीय हथियार प्रणालियों की खरीद के लिए इन निर्माताओं को सेना, नेवी और वायुसेना से अगले सात-आठ वर्षों में चार लाख करोड़ के ऑर्डर मिलने की संभावना है। राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्रालय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत आह्वान को आगे बढ़ाते हुए घरेलू रक्षा विनिर्माण को तेज करने के लिए अब बड़े कदम उठाने को तैयार है। अधिकारियों के अनुसार, 101 वस्तुओं की सूची में टोएड आर्टिलरी बंदूकें, कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, क्रूज मिसाइलें, अपतटीय गश्ती जहाज, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, अगली पीढ़ी के मिसाइल पोत, फ्लोटिंग डॉक, पनडुब्बी रोधी रॉकेट लांचर और कम दूरी के समुद्री टोही विमान शामिल हैं। सूची में बुनियादी प्रशिक्षण विमान, हल्के रॉकेट लांचर, मल्टी बैरल रॉकेट लांचर, मिसाइल डेस्ट्रॉयर, जहाजों के लिए सोनार प्रणाली, रॉकेट, दृश्यता की सीमा से परे हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें अस्त्र-एमके-1, हल्के मशीन गन व आर्टिलरी गोला बारूद (155 एमएम) और जहाजों पर लगने वाली मध्यम श्रेणी की बंदूकें भी शामिल हैं। रक्षामंत्री सिंह की घोषणा रक्षा मंत्रालय की रक्षा खरीद नीति के मसौदे के एक सप्ताह बाद सामने आई है। मसौदे में रक्षा मंत्रालय ने 2025 तक रक्षा विनिर्माण में 1.75 लाख करोड़ रुपए (25 अरब डॉलर) के कारोबार का अनुमान लगाया है। भारत शीर्ष

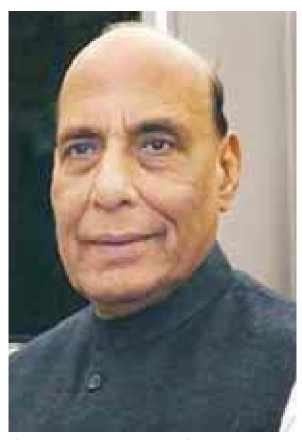

वैश्विक रक्षा कंपनियों के लिए सबसे आकर्षक बाजारों में से एक है। भारत पिछले आठ वर्षों से सैन्य हार्डवेयर के शीर्ष तीन आयातकों में शामिल है। अनुमान के मुताबिक, भारतीय सशस्त्र बल अगले पांच वर्षों में 130 अरब डॉलर की खरीद करने वाले हैं। सिंह ने कहा कि यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह भारतीय रक्षा उद्योग को इस सूची में शामिल वस्तुओं का अपने स्वयं के डिजाइन व विकास क्षमताओं का उपयोग करके या डीआरडीओ द्वारा विकसित व डिजाइन की गई प्रौद्योगिकियों को अपनाकर मौके का फायदा उठाने का अवसर देता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि एक अन्य महत्वपूर्ण कदम के तहत रक्षा मंत्रालय ने 2020-21 के पूंजीगत खरीद बजट को घरेलू व विदेशी पूंजीगत खरीद में बांटा है। चालू वित्त वर्ष में घरेलू खरीद के लिए करीब 52 हजार करोड़ रुपए का अलग बजट बनाया गया है।

सिंह के अनुसार इस सूची में शामिल किए गए उपकरणों का घरेलू विनिर्माण तय समयसीमा के भीतर सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इन उपायों में रक्षा सेवाओं के द्वारा उद्योग जगत को ऊपर उठाने का एक समन्वित तंत्र भी शामिल होगा। उन्होंने कहा कि आयात पर इस रोक को 2020 और 2024 के बीच चरणबद्ध तरीके से अमल में लाने की योजना है। सूची की घोषणा के पीछे का उद्देश्य सशस्त्र बलों की प्रत्याशित आवश्यकताओं के बारे में भारतीय रक्षा उद्योग को अवगत कराना है, ताकि वे स्वदेशीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकें। रक्षा मंत्री ने कहा कि मंत्रालय ने तीनों सेनाओं, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों, आयुध कारखाना बोर्ड और निजी उद्योगों सहित सभी संबंधित पक्षों के साथ कई दौर की बातचीत के बाद यह सूची तैयार की है। तीनों सैन्य सेवाओं ने अप्रैल 2015 से अगस्त 2020 के बीच 3.5 लाख करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर ऐसी वस्तुओं की लगभग 260 योजनाओं का अनुबंध किया है। इन 101 वस्तुओं के आयात पर लगी नई रोक से यह अनुमान है कि अगले पांच से सात वर्षों में घरेलू उद्योग को लगभग चार लाख करोड़ रुपए के अनुबंध मिलेंगे। उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान यानी अगले पांच से सात सालों में से थल सेना और वायु सेना दोनों के लिए लगभग 1,30,000 करोड़ रुपए की वस्तुओं तथा नौसेना के लिए 1,40,000 करोड़ रुपए की वस्तुओं की खरीद का अनुमान लगाया गया है। सिंह ने कहा कि सूची में पहिए वाले बख्तरबंद लड़ाकू वाहन (एएफवी) भी शामिल हैं, जिनके लिए अमल की सांकेतिक तिथि दिसंबर 2021 है। थल सेना द्वारा पांच हजार करोड़ (शेष पेज 9)

कैसे लागू होगा प्रतिबंध

एक सरकारी दस्तावेज के अनुसार, 69 वस्तुओं पर आयात प्रतिबंध दिसंबर 2020 से लागू होगा, जबकि अन्य 11 वस्तुओं पर प्रतिबंध दिसंबर 2021 से लागू होगा। दिसंबर 2022 से आयात प्रतिबंधों के लिए चार वस्तुओं की अलग सूची की पहचान की गई है, जबकि आठ वस्तुओं के दो अलग-अलग खंडों पर प्रतिबंध दिसंबर 2023 और दिसंबर 2024 से लागू होगा। लंबी दूरी के लैंड अटैक क्रूज मिसाइलों पर आयात प्रतिबंध दिसंबर 2025 से लागू होगा।

प्रतिबंध की घोषणा शब्दजाल: कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने रक्षा उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की घोषणा को तवज्जो नहीं देते हुए रविवार को कहा कि यह सिर्फ शब्दजाल है और आत्मनिर्भर भारत महज एक नारा है। कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक सिंघवी ने आत्मनिर्भर भारत बनने की दिशा में (सैन्य उपकरणों के) आयात पर प्रतिबंधों को महत्वपूर्ण कदम बताने को लेकर भी सिंह की आलोचना करते हुए कहा कि दावों और हकीकत में बड़ा अंतर है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृहमंत्री पी. चिदंबरम ने कहा कि रक्षा उपकरणों का एक मात्र आयातक रक्षा मंत्रालय है। आयात पर कोई भी प्रतिबंध असल में उसी पर प्रतिबंध होगा।

देश में एक दिन में 64,399 नए मामले, 861 की मौत

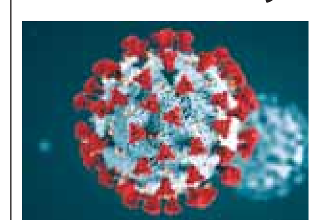

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत में कोविड-19 के एक दिन में रिकॉर्ड 64,399 नए मामले आने के साथ ही रविवार को संक्रमण के कुल मामले 21 लाख का आंकड़ा पार कर गए, जबकि 861 और लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 43,379 हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 53,879 और लोगों के इस वैश्विक महामारी से उबरने के बाद स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 14,80,884 हो गई है। इसके साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों की दर 68.78 फीसदी हो गई है।

मृतकों की दर गिरकर 2.01 प्रतिशत रह गई है। इसने बताया कि देश में इस समय 6,28,747 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। देश में कोरोना वायरस के कुल मामले बढ़कर 21,53,010 हो गए हैं जिनमें से 43,379 मरीजों की मौत हो चुकी है। यह लगातार तीसरा दिन है जब कोविड-19 के एक दिन में 60,000 से अधिक मामले आए हैं। भारत में शुक्रवार को संक्रमण के मामले 20 लाख से अधिक हो गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान (शेष पेज 9)

आंध्र के कोविड केयर सेंटर में आग से 11 की गई जान

विजयवाड़ा (पीएनएस)। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में कोरोना वायरस उपचार केंद्र में बदले गए एक होटल में रविवार को आग लगने से 11 मरीजों की मौत हो गई। आग संभवत: शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। दमकल सुरक्षा निदेशक जयराम नाइक ने बताया कि एक निजी अस्पताल ने कोरोना वायरस के मरीजों का इलाज करने के लिए इस होटल को किराए पर लिया था। यहां सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया गया। उन्होंने बताया कि जांच शुरू हो गई है और कार्वाई की जाएगी। आंध्र प्रदेश सरकार ने हादसे में मारे गए लोगों के परिजन को 50-50 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। पीएम नरेंद्र मोदी ने फोन पर सीएम वाई एस जगनमोहन रेड्डी से बात की और घटना की जानकारी ली। सीएमओ से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार रेड्डी ने मोदी को बताया कि एक निजी अस्पताल ने कोविड-19 के मरीजों के इलाज के लिए स्टार होटल को किराए पर लिया था। पीएम ने पीड़ितों के परिवारों को हरसंभव मदद मुहैया कराने का आश्वासन दिया है।

ईडी रिया व उनके पिता से आज फिर करेगी पूछताछ

सुशांत सुसाइड मिस्ट्री

● अभिनेत्री के जवाबों से संतुष्ट नहीं जांच एजेंसी

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले में मनी लांड्रिंग को लेकर घिरीं उनकी दोस्त रिया चक्रवर्ती के जवाबों से ईडी संतुष्ट नहीं हुई है। जांच एजेंसी ने बॉलीवुड अभिनेत्री रिया को एक बार फिर समन जारी किया है। रिया के साथ ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती को भी दूसरी बार जांच के घेरे में लिया है। दोनों को सोमवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

इससे पहले शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय ने रिया करीब 8 घंटे और षनिवार को उनके भाई शौविक से 18 घंटे पूछताछ की थी और वह रविवार सुबह को ईडी दफ्तर से बाहर आए। शौविक से मनी लांड्रिंग और उनके निजी बिजनेस, आमदनी तथा दिवंगत अभिनेता सुशांत व रिया के साथ निवेश और वित्तीय सौदों को लेकर पूछताछ हुई। सुशांत को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में भी शौविक आरोपी है। यह मामला जांच के लिए अब सीबीआई के पास चला गया है। शुक्रवार को शौविक और इंद्रजीत के साथ रिया के सीए रितेश शाह और बिजनेस मैनेजर श्रुति मोदी से भी पूछताछ की। मोदी राजपूत के लिए भी काम करती थीं। माना जा रहा है कि ईडी इस बार रिया से उनकी प्रॉपर्टी, आमदनी, निवेश और भाई व पिता के साथ वित्तीय सौदों को लेकर सवाल कर सकती है।

रिया के पिता और भाई ईडी की जांच के दायरे में आई दो कंपनियों में निदेशक हैं। शुक्रवार को अभिनेत्री ने ईडी को दिए बयान में सुशांत सिंह राजपूत के पैसों के इस्तेमाल को लेकर साफ इनकार किया था और साथ ही मुंबई के खार (ईस्ट) इलाके में खरीदे गए फ्लैट को लेकर कहा था कि यह फ्लैट उन्होंने अपनी कमाई से खरीदा है। चक्रवर्ती के इनकम टैक्स रिटर्न से पता चलता है कि उनकी वार्शिक आय 14 लाख है जबकि उनके निवेश (शेष पेज 9)

मोदी ने 8.50 करोड़ किसानों के खाते में पहुंचाए 17,000 करोड़

● साथ ही एक लाख करोड़ रुपये की वित्तपोषण सुविधा का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) की छठी किस्त के तहत 8.5 करोड़ से भी अधिक किसानों को 17,100 करोड़ रुपए की राशि जारी की।

इसके तहत किसानों को हर साल दो-दो हजार रुपए की तीन किस्तों में कुल छह हजार रुपए की सहायता दी जाती है। मोदी ने इसी के साथ कृषि अवसंरचना कोष के तहत एक लाख करोड़ रुपए की वित्तपोषण सुविधा का उद्घाटन किया। यह कोष फसलों की कटाई के बाद फसल प्रबंधन अवसंरचना और सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों के सृजन को बढावा देने के लिए शुरू किया जा रहा है। मोदी

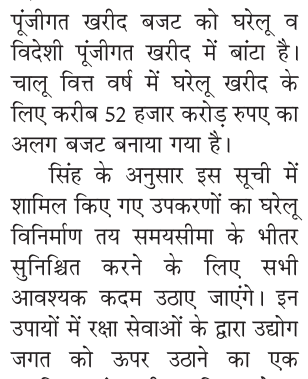

ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किसानों को संबोधित किया। इसमें देशभर के किसान, सहकारी समितियां और नागरिक जुड़े। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी इस कार्यक्रम में शामिल थे।

मंत्रिमंडल ने एक लाख करोड़ रुपए के कृषि अवसंरचना कोष के तहत वित्तपोषण सुविधा के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना को मंजूरी दे दी है। यह कोष कटाई बाद फसल प्रबंधन अवसंरचना और सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों जैसे कि कोल्ड स्टोरेज, संग्रह केंद्रों, प्रसंस्करण इकाइयों, इत्यादि के सृजन को उत्प्रेरित करेगा। सरकार का मानना है कि ए परिसंपत्तियां किसानों को अपनी उपज का अधिक मूल्य प्राप्त करने में सक्षम करेंगी। दरअसल, इन परिसंपत्तियों की बदौलत किसान अपनी उपज का भंडारण करने एवं ऊंचे मूल्यों पर बिक्री करने, बर्बादी को कम करने, और प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन में वृद्धि करने में समर्थ हो सकेंगे।

कई ऋणदाता संस्थानों के साथ साझेदारी में वित्तपोषण सुविधा के तहत एक लाख करोड़ रुपए मंजूर किए जाएंगेअ सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों में से 11 बैंकों ने पहले ही कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग के साथ सहमति पत्रों (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इन परियोजनाओं की व्यवहार्यता या लाभप्रदता बढ़ाने के लिए लाभार्थियों को तीन प्रतिशत ब्याज सब्सिडी और दो करोड़ रुपए तक की ऋण गारंटी दी जाएगी। योजना के लाभार्थियों में किसान, पीएसीएस, विपणन सहकारी समितियां, एफपीओ, एसएचजी, संयुक्त देयता (शेष पेज 9)

हिंदी को भारतीयता से जोड़ने पर द्रमुक सांसद नाराज, दागे सवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/चेन्नई

● सीआईएसएफ अधिकारी ने हिंदी न जानने पर कनिमोई से पूछा था-क्या वे भारतीय हैं, बल ने मांगी माफी

द्रमुक सांसद कनिमोई ने हिंदी जानने और भारतीय होने के बीच संबंध को लेकर तीखा सवाल उठाया है। कनिमोई ने रविवार को कहा कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की एक अधिकारी से जब उन्होंने आग्रह किया कि उनसे अंग्रेजी या तमिल में बात करें क्योंकि उन्हें हिंदी नहीं जानतीं तब वह पूछ बैठी कि क्या वे भारतीय हैं?

द्रमुक सांसद व महिला शाखा की सचिव ने ट्वीट कर रविवार को हवाई अड्डे पर अपने साथ घटे इस वाकये की जानकारी दी। फिर सवाल खड़ा किया कि वे यह जानना चाहेंगी कि कब से भारतीय होना हिंदी जानने के बराबर हो गया है यानी कि क्या भारतीय होने के लिए हिंदी जानना जरूरी है? हैशटैगहिंदी थोपना। कनिमोई के इस ट्वीट को सोशल मीडिया पर कई लोगों का समर्थन मिला। एक ने लिखा है कि मैं भारतीय हूं और हिन्दी का उससे कोई लेना-देना नहीं है। बाद में इस मुद्दे को टीवी चैनल पर उठाते हुए द्रमुक सांसद ने कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि किसी को भी उनकी भारतीयता पर सवाल खड़े करने का कोई अधिकार नहीं है।

वे उतनी ही भारतीय हैं जितना कि कोई और। भाजपा इसे राष्ट्रीय रंग देना चाहती हैं। ये लोग (भाजपा) हिंदी को थोपने का एजेंडा चला रहे हैं, इसी के तहत इसे नई शिक्षा नीति में भी जोड़ा गया है। कनिमोई की नाराजगी सामने आने के बाद सीआईएसएफ ने सांसद से माफी मांगी है और मामले में कार्रवाई के आदेश भी जारी कर दिए हैं। बल ने ट्वीट किया कि सीआईएसएफ की ऐसी कोई नीति नहीं है जिसमें किसी को भी किसी भाषा विशेष को बोलने पर बाध्य किया जाए।

बड़गाम में कार्यकर्ता की हत्या के बाद चार नेताओं ने छोड़ी भाजपा

मोहित कंधारी। जम्मू

आतंकियों की हिट लिस्ट में शामिल भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं को सुरक्षा कवच नहीं मिलने से घबराए पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता छुपने या अपनी राजनीतिक गतिविधियां कम करने को मजबूर हो रहे हैं। अपनी जान बचाने के लिए लगभग एक दर्जन भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। बड़गाम में भाजपा कार्यकर्ता पर हाल ही में किए गए हमले के बाद इलाके के चार पार्टी कार्यकर्ताओं ने रविवार को पार्टी छोड़ दी। पता चला है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने इस्तीफे बड़गाम के एसएसपी और पार्टी जिला अध्यक्ष को भेज दिए हैं। बड़गाम जिला भाजपा अध्यक्ष आगा मोहसिन ने संवाददाताओं से कहा कि चार कार्यकर्ताओं के इस्तीफे के पत्र व्हाट्सएप पर सर्कुलेट हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह उनके इस्तीफे के बारे में उनसे बात करेंगे। एक पुलिस प्रवक्ता के अनुसार बड़गाम के रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता को आतंकवादियों (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	38,040	
निफ्टी	11,214	
सोना	57,008	/10g
चांदी	77,840	/kg

क्विक न्यूज

घुसपैठ की कोशिश नाकाम एक आतंकवादी मारा गया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में रविवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए सेना ने एक आतंकवादी को मार गिराया और दो अन्य आतंकी गंभीर रूप से घायल हो गए। जनसंपर्क अधिकारी (रक्षा) लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र आनंद ने कहा कि सेना ने कार्रवाई तब की जब सतर्क सैनिकों ने एलओसी के पार से आतंकियों के एक समूह को कृष्णाघाटी सेक्टर में घुसते हुए देखा। सेना और आतंकियों की मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया और दो अन्य आतंकी गंभीर रूप से घायल हो गए। तलाश करने पर पता चला कि मारे गए आतंकी का शव घटनास्थल से घसीटकर ले जाया गया था और सेना ने वहां से एक एके-47 राइफल, एके-47 राइफल की दो मैग्जीन और खाद्य पदार्थ बरामद किए।

राजस्थान में पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी परिवार के 11 सदस्य मृत मिले

पायनियर समाचार सेवा। जोधपुर

राजस्थान के जोधपुर जिले में पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी परिवार के 11 सदस्य रविवार सुबह एक खेत में मृत पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने कहा कि परिवार का एक सदस्य देचु इलाके के लोडता गांव में उस झोपड़ी के बाहर जिंदा मिला जहां यह लोग रहते थे। यह इलाका जोधपुर शहर से करीब 100 किलोमीटर दूर है।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राहुल बरहाट ने कहा, लेकिन उसने घटना की कोई जानकारी न होने का दावा किया। ऐसा माना जा रहा है कि यह घटना रात की है। बरहाट ने कहा, हमें मौत की वजह और तरीके का अभी पता नहीं चला है लेकिन ऐसा लग रहा है कि परिवार के सभी सदस्यों ने रात में कोई रसायन खाकर आत्महत्या की है। उन्होंने बताया कि झोंपड़ी के आसपास किसी रसायन की बदबू आ रही थी जिससे लगता है कि उन्होंने कुछ खाया है। परिवार के सभी सदस्य भील समुदाय के पाकिस्तान के हिंदू शरणार्थी थे और गांव में खेत में रह रहे थे जिसे उन्होंने खेतीबाड़ी के लिए बटाई पर लिया था। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के रहने वाले ये लोग दीर्घकालिक वीजा पर 2015 में यहां आए थे और बीते छह साल से यहां रह रहे थे।

पुलिस अधीक्षक ने कहा, किसी के भी शरीर पर चोट का कोई निशान नहीं हैं और न ही किसी तरह की साजिश के सबूत हैं लेकिन हमने फॉरेंसिक टीम और श्वान दल बुलाया है। प्रारंभिक सूचना से पता चला है कि किसी मुद्दे को लेकर परिवार में विवाद था। उन्होंने कहा, जीवित बचे व्यक्ति से पूछताछ करने के बाद ही हम इस घटना के बारे में कुछ कहने की स्थिति (शेष पेज 9)

कृष्णानंद राय हत्याकांड का आरोपी राकेश पांडेय मुठभेड़ में ढेर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाजपा विधायक कृष्णानंद राय हत्याकांड में आरोपी व पचास हजार के इनामी बदमाश राकेश पांडेय उर्फ हनुमान को रविवार सुबह लखनऊ में यूपी पुलिस ने एक एनकाउंटर में मार गिराया। एसटीएफ के मुताबिक सरोजनी नगर में राकेश पांडेय के साथ मुठभेड़ में घायल हो गया जिसे सरोजनी नगर सीएचसी भेजा गया जहां इलाज के दौरान राकेश की मृत्यु हो गई। राकेश पांडेय मुख्तार अंसारी और मुन्ना बजरंगी का करीबी था।

मुन्ना बजरंगी की हत्या के बाद राकेश पांडेय मुख्तार अंसारी गैंग का बड़ा शूटर बन गया था। इधर हनुमान के पिता ने इस मुठभेड़ पर सवाल उठाए हैं। आर्मी से सेवानिवृत्त हनुमान के पिता बालदत्त पांडेय ने कहा कि उनके बेटे हनुमान को पुलिस लखनऊ स्थित आवास से शनिवार की रात तीन बजे उठाकर ले गई और एनकाउंटर कर दिया। उनका बेटा अपनी मां का लखनऊ में इलाज करा रहा था। इसी को लेकर आता जाता रहा। ज्यादातर केस से वह बरी हो गया था और बाहर था।

एसटीएफ के अनुसार बीजेपी विधायक कृष्णानंद राय हत्याकांड में मुख्तार अंसारी और मुन्ना बजरंगी का शार्प शूटर राकेश पांडेय भी शामिल था। मुन्ना बजरंगी की हत्या हो जाने के बाद राकेश का ओहदा बढ़ गया था। ठेकेदार अजय प्रकाश सिंह हत्याकांड में भी मुख्तार अंसारी के साथ सह आरोपी था। रायबरेली, मऊ, लखनऊ, गाजीपुर और प्रयागराज में कई मामलों राकेश पर दर्ज थे। पूर्व में राकेश सुलतानपुर से जेल में निरुद्ध था और वर्तमान में जमानत पर बाहर आया था। यह मुख्तार अंसारी के विश्वास पात्र लोगों में शामिल था। एसटीएफ के अनुसार राकेश मऊ के ठेके पट्टों के मैनेजमेन्ट के साथ साथ अपराधों को भी मैनेज करता था। इस बारे में एसटीएफ की टीम को अभिसूचना संकलन के

लखनऊ में अपराधी राकेश पांडेय (इनसेट) से हुई मुठभेड़ स्थल के पास मौजूद पुलिस

दौरान पता चला कि राकेश पांडेय किसी घटना को अंजाम देने के लिए हथियार एकत्रित कर रहा है। यह भी पता चला कि राकेश पांडे अपने साथियों के साथ 8 व 9 की रात अपने साथियों के साथ गुडम्बा थाना क्षेत्र में देखा गया है।

इस सूचना पर एसटीएफ की वाराणसी की टीम उक्त स्थान पर पहुंची तो पता चला कि राकेश अपने साथियों के साथ कानपुर रोड की तरफ जा रहा है। इस पर एसटीएफ ने अपनी टीम के साथ मुखबिर द्वारा बताई गई गाड़ी को ट्रैक करना शुरू किया तो एयरपोर्ट के आगे कानपुर रोड पर प्रात: करीब 4:20 एक इनोवा गाड़ी दिखायी दी, जिसे रोकने का प्रयास किया गया तो ड्राइवर ने इनोवा को भगाने की कोशिश की और पुलिस पर फायर किया। हड़बड़ी में गाड़ी सड़क के किनारे लगे पेड़ से टकरा गई जिसमें से कुछ लोग इनोवा से बाहर निकलकर फायर करते हुए भागने लगे, जिस पर एसटीएफ ने भी फायर किए। कुछ समय बाद बदमाशों की तरफ से फ ायर आना बन्द होने पर पास जाकर देखा गया तो एक बदमाश घायल अवस्था में पड़ा हुआ था, जिसे तत्काल सीएचसी सरोजनीनगर भेजा गया जहाँ इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गयी।

मृतक की शिनाख्त राकेश पाण्डेय के रूप में हुई है। गाजीपुर में भाजपा विधायक कृष्णा नंद और मऊ में ठेकेदार मुन्ना सिंह की हत्या में हनुमान पांडेय सुर्खियों में आया। इसके ऊपर एक दर्जन अपराधिक मुकदमें दर्ज थे। हाल में ही कृष्णानंद हत्याकांड में मुख्तार समेत हनुमान व अन्य कई बरी हो गए थे। ठेकेदार का मुनीम राम सिंह मौर्य व सिपाही सतीश की हत्या का मामला मुख्तार व हनुमान के ऊपर अभी मामला चल रहा है।

1726 डिफॉल्टर अधिकारियों से वसूल किए जाएंगे 2.27 करोड़, केस दायर

डिफॉल्टरों में कई एचसीएस भी शामिल

राज्य सूचना आयोग द्वारा लगाए गए जुर्माने की राशि वर्षों से नहीं कराई जमा

पायनियर समाचारे सेवा। चंडीगढ़

वर्षों से 2.27 करोड़ रुपये जुर्माना राशि जमा न कराने वाले 1726 डिफॉल्टर जनसूचना अधिकारियों के खिलाफ शिकायत लोकायुक्त कोर्ट में पहुंच गई है। डिफॉल्टरों की सूची में एचसीएस अधिकारी व कई अन्य उच्चाधिकारी भी शामिल हैं।

लोकायुक्त को 24 जुलाई को शपथपत्र व आरटीआई दस्तावेजों सहित दी शिकायत में आरटीआई एक्टिविस्ट पीपी कपूर ने आरोप लगाया कि अधिकांश सूचना अधिकारी न तो सूचनाएं देते हैं न ही राज्य सूचना आयोग द्वारा लगाई गई जुर्माना राशि राजकोष में जमा कराते हैं। न ही सरकार इन डिफॉल्टरों के विरुद्ध कोई विभागीय कारवाई करती है। नतीजन पारदर्शिता व जवाबदेही क लिए बना आरटीआई एक्ट 2005 मजाक बनकर रह गया है।

राज्य सूचना आयोग ने वर्ष 2006 से दिसम्बर 2019 तक राज्य जनसूचना अधिकारियों पर कुल 3,50,54,740 रुपये जुर्माना लगाया था। लेकिन 1726 जनसूचना अधिकारियों ने वर्षों बीत जाने पर भी 2.27 करोड़ रुपये जुर्माना राशि जमा नहीं कराई। सरकार ने इस जुर्माना राशि की वसूली के लिए बार-बार सभी उच्चाधिकारियों को सर्कुलर भेजकर पल्ला झाड़ लिया। लेकिन इन आदेशों पर अमल नहीं हुआ।

अन्य प्रमुख डिफॉल्टर अधिकारी

वीएन भारती तत्कालीन ईओ नगर परिषद जींद (1,82,000 रुपये), अमन ढांडा तत्कालीन ईओ नगर परिषद् हांसी (1,50,000), अश्विनी मलिक तत्कालीन एस्टेट ऑफिसर हुडा जींद (15,000), सतेन्द्र सिवाच तत्कालीन बीडीपीओ यमुनानगर (5,000), हरदीप सिंह तत्कालीन नगरपरिषद भिवानी (50,000), वीएस मान तत्कालीन एसई यूएचबीवीएन पानीपत (12,500), डॉ. सुमन दलाल तत्कालीन चेयरपर्सन आईटीटीआर खानपुर कलां (60,000), अशोक छिक्कारा तत्कालीन बीडीपीओ करनाल (50,000), विकास सिंह तत्कालीन तहसीलदार सोनीपत (50,000), ईशम सिंह कश्यप नगर निगम गुरुग्राम (65,000), मनेन्द्र तत्कालीन ईओ नगर निगम पंचकूला (50,000), अनिल धानिया तत्कालीन डीएफएससी करनाल (25,000), हरिओम अत्री तत्कालीन डीआरओ गुरुग्राम (50,000), पूनम चंद्रा तत्कालीन बीडीपीओ गन्नौर (25,000), मिनी आहुजा तत्कालीन प्रिंसिपल डीआईईटी हिसार (25,000), हितेश शर्मा तत्कालीन डीटीपी टाउन कंट्री प्लानिंग विभाग चंडीगढ़ (40,000), दीपक सूरा तत्कालीन ईओ नगर निगम यमुनानगर (1,10,000), सतीश यादव तत्कालीन भूमि अधिग्रहण अधिकारी गुरूग्राम (75,000), नवीन अग्रवाल तत्कालीन अधीक्षक निदेशालय स्कूली शिक्षा विभाग हरियाणा (1,06,000/5), योगेन्द्र सिंह तत्कालीन डीएफएसओ पलवल (25,000), डॉ. एमआई खान तत्कालीन प्रिंसिपल यासीन मेव डिग्री कॉलेज मेवात (25,000), बलवार सिंह तत्कालीन डीआरओ रोहतक (25,000), अमरजीत सिंह तत्कालीन सचिव नगर निगम फरीदाबाद (25,000)शामिल हैं।

प्रमुख डिफॉल्टर एचसीएस अधिकारी

गायत्री अहलावत (5,000 रुपये), बिजेन्द्र हुड्डा (50,000), कुमारी शालिनी चेतल (25,000), प्रवीन कुमार (15,000), अरविंद मलहान (40,000), प्रशांत इस्कान (7500), मुकेश सोलंकी (1500), रीगन कुमार (10,000), संजय सिंगला (25,000), मनोज कुमार (5,000), राजेश कौथ (25,000), सतबीर झांगू (25,000), आरपी मक्कड़ (25,000)।

लोकायुक्त से मांग-

सभी 1726 डिफाल्टर जनसूचना अधिकारियों से 2.27 करोड़ रूपये जुर्माना राशि ब्याज सहित वसूल की जाए। ड्यूटी से लापरवाह इन जनसूचना अधिकारियों की एसीआर में विपरीत टिप्पणी दर्ज हो। जुर्माना राशि वसूली के लिए राज्य सूचना आयोग में विशेष प्रकोष्ठ गठित हो। जुर्माना वसूली ना करने वाले ड्राईंग एंड डिसर्बसमैंट ऑफिसरों को दंडित किया जाए।

राज्य मंत्री ने पीएम आवास योजना के 57 पात्रों को एक-एक लाख के सौंपे चेक

लाभार्थियों को मकान के कागजात सौंपतीं राज्य मंत्री कमलेश ढांडा।

कैथल। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि हर जरूरतमंद के सिर पर छत हो। इसी दिशा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में प्रदेश सरकार उसे साकार करते हुए संबंधित व्यक्तियों को घर बनाने के लिए धनराशि दे रही है।

राजौंद में महिला महाविद्यालय की सौगात मिलने से बेटियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के और अधिक अवसर प्राप्त होंगे। हलके के जितने भी विकासात्मक कार्य हैं, उन्हें प्राथमिकता से पूरा कराया जाएगा, ताकि सभी को उसका लाभ मिल सके। ढांडा राजौंद के वार्ड नंबर 1, 5 व 6 के सामुदायिक भवनों का शिलान्यास करने उपरांत प्रधानमंत्री आवास योजना के 57 लाभ पात्रों को पहली किस्त के रूप में एक-एक लाख रुपये के चेक सौंपने के दौरान संबोधित कर रही थीं।

राज्यमंत्री ने कहा कि इससे पहले भी राजौंद क्षेत्र के 225 लाभ पात्रों को 2 करोड़ 25 लाख के चेक सौंपे जा चुके हैं। जैसे ही इन सभी व्यक्तियों के तय मापदंडों के अनुसार मकान निर्माण के कार्य पूरे होंगे, उन्हें तुरंत दूसरी किस्त सौंप दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राजौंद के हर वार्ड में सामुदायिक भवनों का निर्माण किया जाएगा, उसी श्रृंखला में आज तीन वार्डों के सामुदायिक भवनों का शिलान्यास किया गया है।

व्रत कर धूमधाम से मनाएं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी : लक्ष्मी प्रसाद

शाहाबाद मारकंडा। श्री भगवान नृसिंह परमार्थ ट्रस्ट व वैदिक ज्योतिष अनुसंधान केंद्र के निदेशक आचार्य लक्ष्मी प्रसाद भारद्वाज ने बताया जन्माष्टमी भगवान श्री कृष्ण का जनमोत्सव है। गृहस्थ लोग 11 अगस्त को जन्माष्टमी का पर्व मनाएंगे, क्योंकि 11 की रात को अष्टमी है। गृहस्थ लोग रात में चंद्रमा को अर्घ्य दें, दान और जागरण कीर्तन करें।

12 अगस्त को व्रत करें और कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाएं। उन्होंने बताया कि वैष्णव लोग 12 अगस्त बुधवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाएं। भगवान कृष्ण का जन्म अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। कई बार ऐसा होता है ये दोनों संयोग एक साथ नहीं बन पाते। इस बार भी कृष्ण जन्म की तिथि और नक्षत्र एक साथ नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि 11 अगस्त को सुबह 9 बजकर 7 मिनट के बाद अष्टमी तिथि का आरंभ हो जाएगा, जो 12 अगस्त को प्रात: 11 बजकर 17 मिनट तक रहेगी। वहीं रोहिणी नक्षत्र का आरंभ 13 अगस्त को सुबह तीन बजकर 26 मिनट से 14 अगस्त प्रात: पांच बजकर 22 मिनट तक रहेगा। योगेश्वर श्रीकृष्ण के भगवगगीता के उपदेश अनादि काल से जनमानस के लिए जीवन दर्शन प्रस्तुत करते रहे हैं। जन्माष्टमी को भारत में हीं नहीं, बल्कि विदेशों में बसे भारतीय भी पूरी आस्था व उल्लास से मनाते हैं। श्रीकृष्ण ने अपना अवतार भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मध्यरात्रि को अत्याचारी कंस का विनाश करने के लिए मथुरा में जन्म लिया। इसलिए भगवान स्वयं इस दिन पृथ्वी पर अवतरित हुए थे। अत: इस दिन को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाते हैं। इसीलिए श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर मथुरा नगरी भक्ति के रंगों से सराबोर हो उठती है।

सरकार का लक्ष्य, हर गांव में हो मॉडर्न लाइब्रेरी

पंचायत एक कमरा दे सरकार उसमें बनाएगी आधुनिक लाइब्रेरी : दुष्यंत चौटाला

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

अब नौकरी की तैयारी करने वाले गांवों के विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए शहर नहीं जाना पड़ेगा क्योंकि प्रदेश सरकार उनके लिए गांव में ही ऐसी व्यवस्था स्थापित कर देगी कि वे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर सकेंगे। इसके लिए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने प्रदेशभर के हर गांवों में कोचिंग सेंटर के तर्ज पर मॉडर्न लाइब्रेरी स्थापित करने का लक्ष्य रखा है।

डिप्टी सीएम ने सभी ग्राम पंचायतों से आह्वान किया है कि वे अपने-अपने गांव में लाइब्रेरी बनाने के लिए कमरा देने का कार्य करें, राज्य सरकार वहां अपने खर्चे पर ग्रामीण आंचल के पढ़ने वाले बच्चों को मॉडर्न लाइब्रेरी बनाकर तोहफे के रूप में देने का काम करेगी।

डिप्टी सीएम ने बताया कि वे गांवों में बनने वाली आधुनिक लाइब्रेरी में बच्चों की ऑनलाइन शिक्षा के लिए कंप्यूटर, नौकरी की तैयारी के लिए संबंधित प्रतियोगी परीक्षा की सभी किताबें उपलब्ध करवाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी गांवों में सामूहिक जगह चौपाल या जहां भी ग्राम पंचायत लाइब्रेरी के लिए कमरा उपलब्ध करवाएगी वहां जितना भी खर्चा आएगा, उसे सरकार वहन करते हुए मॉर्डन लाइब्रेरी बनाएगी। उन्होंने कहा कि गांवों में इस व्यवस्था के स्थापित होने के बाद ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को किताबें तथा कोचिंग लेने के लिए शहर नहीं जाना पड़ेगा और वे अपने गांव में ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर सकेंगे।

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए यह लंबे समय से आवश्यकता थी और वे इसके लिए बतौर सांसद से लेकर अब उपमुख्यमंत्री के तौर पर निरंतर जोर दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि बतौर सांसद उन्होंने अपने क्षेत्र के प्राइमरी स्कूल में आधुनिक लाइब्रेरी बनाई थी और अब बतौर उपमुख्यमंत्री उन्होंने जींद व उचाना हलके के गांव करसिंधु में मॉर्डन लाइब्रेरी स्थापित करने का कार्य शुरू किया है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए आगामी समय में अन्य और भी कई अहम कदम उठाने जा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के आधारभूत ढांचे को बदलने के लिए हमें टेक्नोलॉजी की तरफ तेजी के साथ आगे बढ़ना होगा और इस पर सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केंद्र सरकार के मॉडल स्कूलों की तर्ज पर प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक में संस्कृति मॉडल स्कूल बनाने और प्राइमरी स्कूलों को बैग फ्री करते हुए उन्हें मॉडर्न स्कूल की ओर ले जाने जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाएगी।

छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

कैथल। ब्रह्म कल्याण समिति ने बोर्ड की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। समिति के सदस्य मा. नारायणदा शास्त्री के निवास पर हुई बैठक की अध्यक्षता समिति के प्रधान रतन लाल शर्मा ने की, संचालन महासचिव महीपाल कौशिक ने किया। समारोह में सर्व ब्राह्मण धर्मशाला के उपप्रधान अर्जुन शर्मा चंदलाना, जीवन रक्षक दल के प्रधान राजू डोहर ने शिरकत की।

छात्र छात्राओं को सम्मानित करते प्रधान रतन लाल शर्मा व समाज के अन्य वरिष्ठ लोग।

छात्रों को संबोधित करते हुए प्रधान रतन लाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज व देश तरक्की कर सकता है। ब्राह्मण समाज के इन बच्चों ने बोर्ड की परीक्षाओं में 97 प्रतिशत से भी अधिक अंक लेकर साबित कर दिया है कि हमारे बच्चे भी किसी से पीछे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एक ऐसी पूंजी है जिसे कोई चुरा नहीं सकता। उप चेयरमैन कृष्ण कौशिक और महीपाल कौशिक ने कहा कि आज बेटियां भी किसी क्षेत्र में किसी से पीछे नहीं हैं। बेटा अगर हीरा है तो बेटिया कोहिनूर हैं। सम्मानित छात्र-छात्राओं में दसवीं कक्षा की छात्रा दीपिका पुत्री संजीव कुमार (97.6 प्रतिशत अंक), रीमा शर्मा पुत्री कुलदीप शर्मा फ्रेंडस कॉलोनी ने (97.8 प्रतिशत अंक) माता पिता का नाम रोशन किया है। आशु पुत्र सतबीर थुआ बैंक कॉलोनी (92 प्रतिशत अंक), हिमांशु पुत्र शिव कुमार बैंक कॉलोनी (90 प्रतिशत अंक), अजय शर्मा पुत्र अनिल कुमार बलराज नगर (95 प्रतिशत अंक) शामिल रहे। मौके पर उनके साथ शमशेर छौत, सतबीर नारनौंद, रोशन लाल मुदगिल, पूर्व सरपंच सतीश शर्मा, संजय शर्मा, जयभगवान शर्मा, रणधीर सांघन आदि भी उपस्थित थे।

संस्था के स्थापना दिवस पर लगाया औषधीय पौधा

सोनीपत। जनहित सेवा केन्द्र का स्थापना दिवस मनाया। संस्था 2006 से सामाजिक कार्यों में लगातार सहयोग कर रही है। संस्था द्वारा महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं, पर्यावरण, स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोविड के दौरान खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी सोनीपत के तत्वावधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्था के अध्यक्ष सतपाल सिंह ने स्थापना दिवस के अवसर पर सदर थाना के साथ लगते पार्क में औषधीय पौधा लगाया। उन्होंने कहा कि हर घर में एक पेड़ जरूर होना चाहिए, ताकि शुद्ध हवा मिलती रहे। सोनीपत शहर के प्रमुख समाजसेवियों ने संस्था व अध्यक्ष के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। संजय सिंगला, जगत सिंह, हेमंत नांदल, संदीप बत्रा, दिलबाग सिंह आदि मौजूद रहे।

देश की युवा पीढ़ी पर कुसंस्कृति और पाश्चात्य संस्कृति हावी

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

रोटरी क्लब रादौर के प्रधान राजीव शर्मा।

युवा वर्ग नशे की ओर आकर्षित होता जा रहा है। नशा ही सभी बुराइयों की जड़ है। ऐसे में नशे जैसी बुराई का खात्मा करने के लिए देश के सभी लोगों को आगे आना चाहिए। समय रहते यदि जनता नशे के विरुद्ध आगे नहीं आई तो इसका भयंकर परिणाम सरकार को भुगतना पड़ेगा। नशे में इंसान भेड़िया बन जाता है। जो समाज के लिए घातक साबित होता है।

यह बात रोटरी कल्ब रादौर के प्रधान राजीव शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि आज हमारे देश की युवा पीढ़ी पर विदेशी कुसंस्कृति और पाश्चात्य संस्कृति हावी हो रही है। जिसके कारण युवा पीढ़ी नशे जैसी बुराइयों के अपनाने पर लगा हुआ है। नशा ही हर बुराई की जड़ है। जिस घर के अंदर कोई भी व्यक्ति नशा करता है तो उस घर में रहने वाले लोगों के सुख व शांति भंग होती है। इसी प्रकार समाज में नशा करने वाले लोगों से समाज को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। नशा मनुष्य के शरीर व दिमाग दोनों पर गहरा असर डालता है। जिससे मनुष्य भयंकर बीमारियों का शिकार हो जाता है। युवाओं को नशे का त्याग कर शिक्षा, खेलों व समाजिक कार्यों में ध्यान देना चाहिए। इससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास होता है।

विश्व में परमाणु हथियारों का खतरा अभी भी कायम

पंकज शर्मा। करनाल

जापान की प्रबुद्ध हस्तियों ने विश्व में शांति और विकास के लिए परमाणु हथियारों को पूर्णरूप समाप्त करने की आवश्यकता पर दिया बल

भारत ओर जापान की प्रबुद्ध हस्तियों ने रविवार को विश्व में शांति और विकास के लिए परमाणु हथियारों को पूर्णरूप से समाप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया।

नागासाकी में 75 वर्ष पूर्व गिराए गए परमाणु बंब की भयानकता को याद करते हुए सामाजिक संस्था नेशनल इंटेग्रेटेड फोरम आफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्टस (निफा) ने अंतरराष्ट्रीय डिजिटल सेमिनार का आयोजन किया। शांति व विकास के लिए परमाणु हथियार मुक्त विश्व की अवधारणा पर आयोजित सेमिनार में भारत की ओर से हरियाणा के मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव व युवा मामलों के प्रधान सचिव योगेन्द्र चौधरी, झारखंड सरकार के सचिव सुनील बरनवाल, आंध्र प्रदेश में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक व होम डिपार्टमेंट के प्रधान सचिव कुमार विश्वजीत, जापान इंटरनेशनल कोआपरेशन एजेन्सी अलुमनाई असोसीएशन के प्रधान डॉक्टर ओपी देवल ने अपने विचार रखे जबकि जापान की ओर से ताजिमा शिनजी व जापान इंटरनेशनल कोआपरेशन एजेन्सी के भारत में पूर्व उप प्रतिनिधि व भूटान के मुख्य प्रतिनिधि कोज़ी यामादा ने हिरोशिमा व नागासाकी पर हुए परमाणु विस्फोट का उल्लेख करते हुए विश्व शांति की राह में परमाणु हथियारों को खत्म करने की बात की। कार्यक्रम में मूल रूप से अमेरिका वासी व विगत लंबे समय से जापान में रहकर विभिन्न देशों में अपने संगीत के माध्यम से शांति व प्यार फैला रहे संगीतकार टिम होफमेन ने अपने मधुर संगीत की तीन प्रस्तुतियां देकर संगीत के माध्यम से शांति का संदेश दिया।

अमेरिकन संगीतकार टिम होफमेन ने जापानी वाद्य यंत्रों शाकुहाची भारतीय सितार व तबले के साथ भारतीय राग जय जय वंती, राग काफी, राग मिसरा पीलू व बनारस ठुमरी पर मधुर प्रस्तुतियां दी जिन्हें खूब पसंद किया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए हरियाणा के युवा कार्यक्रम विभाग के प्रधान सचिव योगेंदर चौधरी ने कहा कि पिछली सदी में हमने दो विश्व युद्धों का सामना किया, विश्व के अनेक देशों ने भूख से लड़ाई लड़ी ओर फिर बीमारियों से भी दो चार हुए। आज जब हम इन बड़ी मुसीबतों से जीत चुके हैं लेकिन परमाणु हथियारों का खतरा अभी कायम है। आज जब हम पूरे विश्व को ग्लोबल विलेज मान रहे हैं और करोना की बीमारी ने ये साबित भी कर दिया है कि इन सरहदों के कोई मायने नहीं हैं ऐसे में सभी को और विशेष रूप से युवाओं को आगे आकर विश्व शांति के लिए काम करना चाहिए।

कोजी यामादा ने कहा कि जापान में पुरानी पीढ़ी ये अपनी जिम्मेदारी समझती है कि वो हिरोशिमा नागासाकी में हुए विध्वंस की जानकारी नयी पीढ़ी को दें ताकि ये कभी दोबारा न हो। उन्होंने कहा कि लोगों को करोना पीरियड खतम होने के बाद हिरोशिमा पीस मेमोरीयल में विजिट करनी चाहिए ताकि विश्व शांति के लिए उनका इरादा ओर मजबूत हो सके। आंध्र प्रदेश सरकार के प्रधान सचिव होम कुमार विश्वजीत ने कहा कि भारत का वसुदेव कुटुम्बकम का सिद्धांत भारत ही नहीं पूरे विश्व के लिए महत्वपूर्ण है।

रेलवे को निजी हाथों में सौंपने के विरोध में किया प्रदर्शन

रेवाड़ी। रेलवे को निजी हाथों में सौंपने के विरोध में रविवार को ऑल इंडियन रेलवे मेंस फैडरेशन एंव नॉर्थ वेस्टर्न एंप्लाईज यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में कर्मचारियों ने अंग्रेजों भारत छोड़ो दिवस पर स्थानीय रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व यूनियन के सहायक मंडी मंत्री बीकानेर देवेंद्र यादव ने किया।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कामरेड देवेंद्र यादव ने कहा कि रेल बचाओ-देश बचाओ आंदोलन सिर्फ रेलकर्मियों की ही मांग नहीं है, बल्कि सच यह है कि रेल बचेगी, तभी देश भी बचेगा। युद्ध हो या युद्ध के हालात, सीमा पर तैनात सेना के लिए हथियार पहुंचाने का काम रेलकर्मी ही करते हैं। उन्होंने कहा कि रेलव निजीकरण देश की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। रेल में सरकारी नौकरी के अवसर खत्म हो जाएंगे और कर्मचारियों का शौषण होगा।

संक्षिप्त-समाचार

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने दी युवा कांग्रेस स्थापना दिवस पर बधाई

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने युवा कांग्रेस के स्थापना दिवस पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारतीय युवा कांग्रेस हमारे संगठन की वो नर्सरी है, जहां से निकलकर युवाओं ने देश का नेतृत्व किया और उन्होंने देश के विकास में अपना अहम योगदान भी दिया है। मैंने भी अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत युवा कांग्रेस से ही की थी, इसलिए कांग्रेस की इस युवा इकाई से मेरा हमेशा विशेष लगाव रहा है। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस का हर कार्यकर्ता युद्ध के मैदान में सबसे आगे तैनात सिपाही की तरह है, जो देशहित और संगठन के लिए हर समय अपना सब कुछ न्योछावर करने को तैयार रहता है। युवाओं और देश हित के मुद्दों को आवाज देने के लिए यह संगठन हमेशा तत्पर व संघर्षरत रहता है। आज एक बार फिर संगठन की तरफ से मुहिम चलाई गई है-रोजगार दो। इस तरह की मुहिम आज के दौर में बेहद जरूरी है। क्योंकि, आज हम ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जब हमें बढ़ती बेरोजगारी जैसी महामारी के खिलाफ लडऩा है। पूरा देश 45 साल की सबसे ज्यादा बेरोजगारी के दंश को झेल रहा है। भाजपा सरकार ने हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन उनके पहले 5 साल में साढ़े 5 करोड़ लोगों का रोजगार छिन गया और पिछले एक साल में तो बेरोजगारी बढ़ने की दर में ऐतिहासिक तेजी आई है। भारत का युवा 45 साल की सबसे ज्यादा बेरोजगारी का सामना कर रहा है।

विकास मंच ने महक स्वामी को किया सम्मानित

कुरुक्षेत्र। सामान्य वर्ग के निर्धन एवं मेधावी बच्चों को शिक्षा में आर्थिक सहायता करने वाली संस्था शाहाबाद विकास मंच ने कुरुक्षेत्र की बेटी महक स्वामी को उनके निवास स्थान पर जाकर सम्मानित किया। मंच के अध्यक्ष राजेश सिडाना ने बताया कि बेटी महक स्वामी ने यूपीएससी की परीक्षा में 393वां रैंक हासिल कर बेटियों के लिए प्रेरणा बनी है। इस बेटी ने जिला का नाम रोशन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। समाजसेवी मिहा सिंह रंगा ने कहा कि लक्ष्य चाहे छोटा हो या बड़ा हम उसे तभी पा सकते हैं, जब हमारे भीतर उसे हासिल करने का जनून हो। कठोर परिश्रम से हर राह आसान हो जाती है। इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबाई फूले ट्रस्ट की अध्यक्ष स्वीटी रंगा, विकास मंच परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे।

युवा जजपा जिलाध्यक्ष को पितृशोक

कुरुक्षेत्र। युवा जजपा जिलाध्यक्ष डॉ. जसविन्द्र खैहरा के 65 वर्षीय पिता रवैल सिंह का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनके अंतिम संस्कार में विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, स्वयंसेवी, राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित शाहबाद विधायक रामकरण, पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा, राज्य खेल मंत्री संदीप सिंह के भाई बिक्रमजीत सिंह, जजपा जिलाध्यक्ष कुलदीप मुलतानी, कांग्रेस नेता गगन सिंह संधु, कांग्रेस नेता गुरिन्दरजीत सिंह नत, जजपा नेता मायाराम, जजपा नेता इंद्रजीत सिंह गुराया, आप नेता सुमित हिंदुस्तानी, योगेश शर्मा, इनेलो नेता मनजीत सिंह ने शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। डॉ. जसविन्द्र खैहरा एवं ज्येष्ठ भाई बूटा सिंह लुखी ने दिवंगत को मुखाग्नि दी। परिवार से मिली जानकारी के अनुसार दिवंगत की अंतिम अरदास 14 अगस्त को गुरुद्वारा दशमेश प्रकाश साहिब और खैहरा फार्म गांव लुखी में होगी।

बेरोजगारी में टॉप पर है हरियाणा, 33.6 प्रतिशत लोग बेरोजगार

रेवाड़ी। कांग्रेस के प्रवक्ता ओमप्रकाश डाबला ने कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण आज हरियाणा बेरोजगारी के मामले में पूरे देश में टॉप पर है। सीएमआईई की रिपोर्ट के मुताबिक हरियाणा के 33.6 प्रतिशत लोग आज बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं। यह बेरोजगारी देश की औसत 11 प्रतिशत का तीन गुणा है। डाबला ने जारी एक बयान में कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार दिशाहीन है। कानून व्यवस्था हो या फिर कोरोना, स्थिति किसी भी तरह नियंत्रण में नहीं आ रही है। जनहित की योजनाएं तथा विकास कार्य ठप्प पड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री के आश्वासनों का अंबार लग गया है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी के मामले में राज्य बिहार, उत्तर प्रदेश व पश्चिमी बंगाल से भी आगे निकल गया है। आज राज्य बेरोजगारी के मामले में देश में टॉप पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का प्राइवेटे सेक्टर में 75 प्रतिशत आरक्षण देने का दावा भी एक जुमला है, जो वर्तमान के उद्योगों की बजाय नए लगाए जाने वाले उद्योगों पर लागू होगा और इसमें भी उद्योगों के लिए बचने का रास्ता छोड़ दिया है। डाबला ने बताया उद्योग पॉलिसी में कहा गया है कि यदि उद्योगों को हरियाणा से कोई श्रमिक नहीं मिले तो वे बाहर वालों को नौकरी दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसे जुमले गढ़ने की बजाय निवेश व रोजगार सृजन करने पर जोर देना चाहिए।

गोविंद पक्षी विहार व गोविंद औषध बगीचा तैयार किया जाएगा

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन द्वारा तैयार किए जा रहे सोनीपत के सबसे बड़े पक्षी विहार और औषध बगीचे के लिए रविवार को सदर थाना के साथ पुलिस क्वार्टर परिसर में विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सफाई अभियान चलाते हुए स्वयं कारसेवा कर सफाई की। फाउंडेशन के प्रधान संजय सिंगला व चेयरमैन वाईके त्यागी ने बताया कि एसपी व डीएसपी के मार्गदर्शन व अनुमति से इस खाली पड़े परिसर में सोनीपत का सबसे बड़ा गोविंद पक्षी विहार व गोविंद औषध बगीचा तैयार किया जाएगा। जिसमें पक्षियों के लिए हर समय दाने पानी की व्यवस्था रहेगी। यहां हर प्रकार की औषधियों के पौधे लगाए जाएंगे, चाहे वह कितनी भी दुर्लभ क्यों ना हो। ये पार्क इतना सुंदर बनाया जाएगा कि लोग दूर-दूर से इसे देखने आएंगे और इन जड़ी बूटियों का लाभ लेंगे। इस मौके पर जयबीर गहलावत, रविन्द्र सरोहा, लालसिंह, जगत सिंह, प्रवीण वर्मा, गौरव, संदीप बत्रा, दिलबाग मास्टर, आनन्द, शिवराज, हेमंत नांदल, पवन, मुकेश, बबीता, नवजीत खत्री, बाबूराम और बलबीर आदि मौजूद रहे।

पौधारोपण कर मनाया स्वर्गीय जिंदल का जन्मदिवस

कुरुक्षेत्र। स्टील जगत में क्रांति लाने वाले पूर्व उर्जा मंत्री स्वर्गीय ओमप्रकाश जिंदल के जन्म दिवस पर गांव अजराना खुर्द बस स्टैंड पर त्रिवेणी के पौधे रोपित किए गए। जिला परिषद की पूर्व उपाध्यक्ष सुनीता नेहरा ने ओमप्रकाश जिंदल को पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि ओमप्रकाश जिंदल ने जीवन में संघर्ष के बल पर पूरी दुनिया में देश का नाम रोशन किया। जिंदल को श्रद्धांजलि देते हुए सुनीता नेहरा ने कहा कि उन्होंने ने देश को औद्योगिक क्रांति का सूत्र दिया। उन्होंने राजनीति को जनसेवा का माध्यम बनाया। इस अवसर पर कांग्रेसी नेता सतनाम सिंह विर्क, पवन सैनी, मोहन कश्यप, ओंकार सिंह, सुखा सिंह, हरविंदर सिंह, दीपक, रामरतन, गोपाल राम, परमजीत सिंह, धर्मपाल, ताराचंद पहलवान और कार्तिक कक्कड़ सहित अन्य मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र के प्रशांत को मिला नाट्य निनाडा राष्ट्रीय सम्मान

कुरुक्षेत्र। नाट्य निनाडा राष्ट्रीय सम्मान हासिल करने वाले कुरुक्षेत्र निवासी प्रशांत कुमार का यहां पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। कुरुक्षेत्र निवासी प्रशांत कुमार ने नृत्य के क्षेत्र में अपनी एक नई पहचान बनाई है। बता दें कि प्रशांत कुमार ने अपनी स्कूली शिक्षा से सेठ टेक चंद मेमोरियल पब्लिक स्कूल से की है और वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय में अपने उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। हाल में ही प्रशांत कुमार का 23वां ऑल इंडिया क्लासिकल डांस फेस्टिवल में चयन हुआ था, जिसमें उन्होंने 26 जुलाई को फेसबुक लाइव के माध्यम से अपनी नृत्य प्रस्तुति दी थी और रविवार को उन्हें नाट्य निनाडा राष्ट्रीय सम्मान के साथ पुरस्कृत किया गया। प्रशांत कुमार ने बताया कि 26 जुलाई को क्लासिकल डांस फेस्टिवल में कत्थक नृत्य में गुरु वंदना प्रस्तुत की थी।

दिल्ली के पास भी होगा अपना शिक्षा बोर्ड

शिक्षा मंत्री सिसोदिया ने दिए संकेत, बोले-दूसरे राज्यों की तरह सरकारी स्कूलों पर नहीं थोपेंगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की सरकार अगले साल तक अपना खुद का शिक्षा बोर्ड शुरू कर सकती है। दूसरे राज्यों की तरह यह सरकारी स्कूलों पर थोपा नहीं जाएगा।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि अगले सत्र से दिल्ली का अपना शिक्षा बोर्ड काम करने लगेगा। जिसमें सिर्फ बोर्ड परीक्षा नहीं होगी बल्कि छात्रों के लगातार मूल्यांकन की व्यवस्था की जाएगी। इस तरीके से पता लगाया जा सकेगा कि बच्चे ने जो पढ़ा है वह उसे कितना समझ में आया है। वहीं राज्य शिक्षा बोर्ड गठित करने की योजना का विस्तार से जिक्र करते हुए शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को कहा कि यह बोर्ड नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में प्रस्तावित सुधारों के अनुरूप होगा और ध्यान लगातार आकलन पर होगा न कि वर्ष के अंत में होने वाली परीक्षाओं पर।

उन्होंने प्रस्तावित बोर्ड के साथ ही पाठ्यक्रम सुधारों पर काम करने के लिए हाल में दो समितियां गठित की हैं। आदर्श स्थिति में हम इसे अगले साल से क्रियाशील बना सकते हैं।

शुरुआत में, करीब 40 स्कूलों को बोर्ड से संबद्ध किया जाएगा जो या तो सरकारी होंगे या निजी स्कूल। उन्होंने कहा, अन्य राज्य बोर्डों में यह होता है कि निजी स्कूलों के पास सीबीएसई, आईसीएसई या राज्य बोर्ड में से किसी को चुनने का विकल्प होता है जबकि सरकारी स्कूलों में राज्य बोर्ड का पाठ्यक्रम लागू होता है। लेकिन यहां यह सरकारी और निजी दोनों ही तरह के स्कूलों के लिए वैकल्पिक होगा। वह बोर्ड को उपयोगी एवं समृद्ध बनाना चाहते हैं।

दिल्ली सरकार ने पिछले महीने राज्य शिक्षा बोर्ड के गठन और पाठ्यक्रम सुधारों के लिए योजना एवं रूपरेखा तैयार करने के लिए दो समितियों का गठन किया था। सिसोदिया ने कहा कि उनकी सरकार हाल में घोषित नई शिक्षा नीति का विस्तार से अध्ययन कर रही है। इसमें प्रस्तावित कुछ सुधारों पर पहले से काम कर रहे हैं। इसमें कुछ खामियां हैं लेकिन कुछ अच्छी चीजें भी हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

लाल किले में गार्ड ऑफ ऑनर से पहले आइसोलेशन में जवान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले में गार्ड ऑफ ऑनर में शामिल होने जा रहे दिल्ली पुलिस के जवानों को कोविड-19 महामारी के चलते एहतियातन आइसोलेशसन में रखा गया है। इसमें सिपाही से लेकर पुलिस उपायुक्त स्तर तक के इन सभी कर्मियों को दिल्ली छावनी में नवनिर्मित पुलिस कॉलोनी में पृथक-वास में रखा गया है।

इन सारी व्यवस्थाओं के प्रभारी विशेष पुलिस आयुक्त रॉबिन हिबू ने कहा कि सभी पुलिसकर्मी ठीक हैं और किसी में भी कोविड-19 के लक्षण नहीं हैं। एहतियातन उन्हें अलग रखा गया है ताकि उनकी और अन्य सभी की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। एक अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, एक सप्ताह से अधिक समय से यहां पुलिस कॉलोनी में आइसोलेशन में रह रहे सभी पुलिसकर्मियों को समस्त सुविधाएं प्रदान की गई हैं और वे पूरी सख्ती से सामाजिक दूरी के नियमों का पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, परेड के अभ्यास के तत्काल बाद वे खुद को संक्रमणमुक्त करते हैं।

सभी सावधानियां बरती जा रही हैं। पुलिस के अनुसार उसके 2,500 से अधिक कर्मी अब तक कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं।

बाहरी मरीजों के दिल्ली में जांच से बढ़े कोविड-19 मामले : जैन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी ने जुलाई के महीने में कोरोना वायरस की रफ्तार पर काबू पाना शुरू कर दिया था। मगर पिछले कुछ दिन से फिर नए मामलों की संख्या बढ़ रही है।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन का कहना है कि राजधानी में कोविड-19 मामलों का ट्रेंड कम हो रहा है। उन्होंने मामले बढ़ने के पीछे बाहरी लोगों को जिम्मेदार ठहराया। जैन ने कहा कि बाहरी लोग दिल्ली में जांच करा रहे हैं जिससे यहां के आंकड़े बढ़ रहे हैं। जैन के इस दावे को लेकर सोशल मीडिया पर उनकी ट्रोलिंग शुरू हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के मामलों में हालिया वृद्धि के लिए बाहर के मरीजों के यहां जांच कराने के लिए जिम्मेदार माना।

रविवार को दिल्ली में कोविड-19 के 1300 नए मामले सामने आए और 13 मरीजों की जान चली गई थी। इस तरह राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस के मामले 145427 हो चुके हैं। हालांकि कुछ समय के लिए इसमे गिरावट आई थी। दिल्ली सरकार के बुलेटिन के अनुसार दिल्ली में इलाज करा रहे मरीजों की संख्या रविवार पिछले दिन के 10,667 से बढ़कर 10729 हो गई।

अंबेडकर अस्पताल दो सौ बेड के साथ शुरू

- केजरीवाल ने किया उद्घाटन, डॉक्टरों और 'इंजीनियरों को दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कोविड-19 महामारी नियंत्रण में है। सभी मापदंड ठीक हैं। मरीजों के स्वस्थ होने की दर सुधर रही है।

संक्रमण का अनुपात और मृत्यु दर घटी है। अगर स्थिति फिर बिगड़ती है तो सरकार उसका सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने यह बात रविवार को अंबेडकर नगर में दो सौ बेड के अंबेडकर अस्पताल के उद्घाटन समारोह में कही। केजरीवाल ने कहा कि इस अस्पताल की कल्पना वर्ष 2013 में की गई थी। यह 600 बिस्तरों वाला अस्पताल है। शुरुआत में इसे 200 बेड्स के साथ कर रहे हैं। जिनका इस्तेमाल कोविड-19 मरीजों के इलाज के लिए किया जाएगा।

केजरीवाल ने कहा कि सभी बेड पर ऑँक्सीजन उपलब्ध है। अगले एक से डेढ़ महीने में 600 बेड के साथ अस्पताल शुरू हो जाएगा। यह दिल्ली की स्वास्थ्य सुविधाओं के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने करने में बड़ा कदम है। उन्होंने अस्पताल को समय से पहले शुरू करने पर इंजीनियर्स और डॉक्टर्स की सराहना की। इससे पहले सीएम ने फीता काट कर अस्पताल को आम लोगों को समर्पित किया।

केजरीवाल ने कहा कि अंबेडकर अस्पताल के शुरू होने से पूरे इलाके में और आसपास के कई विधानसभा क्षेत्रों में भी बड़ा अस्पताल नहीं था। इस अस्पताल पर वर्ष 2013 में काम शुरू किया गया था। उन्हें खुशी है कि कई सालों के बाद अब यह अस्पताल शुरू होने जा रहा है।

नई नीति से लिथियम बैटरी को बाहर रखने की अपील

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं ने दिल्ली सरकार की नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति की तारीफ की है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि वह प्रोत्साहन योजना से प्रति घंटे 25 किलोमीटर तक की गति वाले ई-स्कूटरों को बाहर रखने के निर्णय पर फिर से विचार करेगी।

नीति के अनुसार केवल प्रति घंटा 40 किलोमीटर की गति के साथ दुपहिया इलेक्ट्रिक वाहन ही प्रोत्साहन राशि के योग्य होंगे।सोसाइटी ऑफ मैनुफैक्चरर्स ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के महानिदेशक सोहिंदर गिल ने कहा कि दिल्ली सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन नीति में उन अहम बातों को शामिल किया गया है जिनकी इस उद्योग को सही दिशा में आगे बढ़ने में आवश्यकता है।

गिल के अनुसार नीति में एक छोटी-सी बात यह छोड़ी गई है कि यह लिथियम बैट्री वाले 25 किमी. प्रति घंटा की रफ्तार के ई-स्कूटरों का समर्थन नहीं करती जो दिल्ली वालों में आकर्षक दामों और अत्यधिक कम खर्च में परिचालन के कारण बेहद लोकप्रिय हैं। दिल्ली सरकार के सहयोग से ई-स्कूटरों की बिक्री कई गुना बढ़ी है। उम्मीद है कि सरकार इस पर विचार करेगी और भविष्य में कुछ बदलाव करेगी।

बिल्डरों पर लगा जुर्माना माफ करने की तैयारी

- प्राधिकरण की बोर्ड बैठक 18 अगस्त को, होंगे कई बड़े फैसले

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक 18 अगस्त को होगी। इसके लिए प्राधिकरण के सभी विभाग जोर.शोर से तैयारियों में जुटे हुए हैं। हालांकि, एजेंडा तैयार हो चुका है और बोर्ड के सदस्यों को भेजा भी जा चुका है। कुछ पूरक प्रस्ताव बोर्ड बैठक में रखे जा सकते हैं। इस बोर्ड बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले होने की संभावना है।

नोएडा विकास प्राधिकरण से मिली जानकारी के मुताबिक 18 अगस्त को होने वाली बोर्ड बैठक में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पेनल्टी और ब्याज दरें हटाने का प्रस्ताव रखा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2010 से लेकर अब तक बिल्डरों पर लगाए गए ब्याज और पेनल्टी को हटाने का आदेश सुनाया है।

हालांकि, इस फैसले को लेकर यह भी जानकारी मिल रही है कि प्राधिकरण का बोर्ड सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटिशन भी दाखिल करने का फैसला ले सकता है। शहर के औद्योगिक सेक्टरों में मल्टी लेवल इंडस्ट्री स्थापित करने और इसके लिए भूमि आवंटन करने के लिए प्रस्ताव रखा जाएगा। नोएडा शहर के पास अब ज्यादा जमीन नहीं बची है।

ऐसे में मल्टी लेवल इंडस्ट्री एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। इसमें एक भूखंड पर एफएआर बढ़ाकर कई मंजिला इमारतें बनेंगी। इमारत के अलग-अलग तल पर अलग-अलग कंपनी को आवंटन किया जाएगा।

नहर में डूबे दो युवकों के शव मिले, तीसरे की तलाश

गाजियाबाद। मसूरी गंगनहर में शुक्रवार की देर रात्रि में डूबे तीन युवकों में से दो युवकों के शव ढूंढने में कामयाबी हासिल कर ली।

इनके नाम आशीष ध्यानी व विनोद कुमार विन्नी है। नहर में डूबे तीसरे युवक संजीव कुमार उर्फ मोनू की अभी भी एनडीआरएफ टीम तलाश कर रही है।

पुलिस ने डीआरडीओ के ठेकेदार पंकज उर्फ परमवीर जो कि कार चला रहा था उसे तत्काल नहर से जीवित निकाल लिया था। एनडीआरएफ की टीम उनकी तलाश कर रही थी और आशीष ध्यानी व विनोद कुमार विन्नी के शव तलाशने में टीम को सफलता मिल गई।

गीले-सूखे कचरे के लिए सौ मीटर की दूरी पर लगे स्टील के कूड़ेदान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने स्त्रोत स्थान से ही गीले और सूखे कचरे को अलग अलग करने की पहल की है। उसने इलाके में आने वाले लोगों व पर्यटकों के लिए 50-100 मीटर की दूरी पर बाजारों, पार्कों समेत अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगभग चार हजार स्टेनलेस स्टील के कूड़े दान लगाए हैं।

एनडीएमसी ने सूखे कचरे के लिये नीला और गीले कूड़े के लिये हरा कूड़ेदान मुहैया कराए हैं। नई दिल्ली क्षेत्र में कचरे के बेहतर प्रबंधन के लिए, पालिका परिषद पहले से ही अपने क्षेत्र में सभी स्थानों से सूखे, गीले और घरेलू खतरनाक कचरे के साथ-साथ होम क्वारंटीन के कोविड-19 कचरे को भी स्त्रोत से ही डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रह अभियान के अंतर्गत एकत्र कर रही है। इन कूड़दानों को भरते ही से समय पर सफाई की जा रही है।

वसुंधरा से ट्रांसपोर्टर के दो ट्रक चोरी, घटना सीसीटीवी में कैद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

तड़के कार सवार चोरों ने गाजियाबाद की जिला पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी मावी के जेठ संजय मावी के दो ट्रकों पर हाथ साफ कर दिया।

पुलिस मामले की जांच में जुटी है। संजय मावी ने बताया कि उनका वसुंधरा सेक्टर-11 में प्लॉट है। उस पर निर्माण कार्य चल रहा है। शनिवार रात में प्लॉट पर उनके दो ट्रक खड़े थे। रविवार तड़के उनके दोनो ट्रक चोरी हो गए। वैगनआर कार से आए चोरों ने चोरी की है। रविवार सुबह चालक प्लॉट पर पहुंचा, तो दोनों ट्रक गायब थे। चालक ने इसकी संजय मावी व पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। पास में लगे सीसीटीवी में चोरों की फुटेज कैद मिली। उसमें दिखा कि रविवार तड़के करीब चार बजे वैगनआर से आए चोर ट्रक चुराकर ले गए हैं।

सूचना पर जिला पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी मावी के पति पवन मावी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस की कार्यशैली व सुरक्षा-व्यवस्था पर सवाल उठाए। कहा कि घटना स्थल के पास में इंदिरापुरम थाना और पुलिस चेक पोस्ट है।

बोर्ड परीक्षा के सफल छात्रों को किया सम्मानित

- लक्ष्य साधकर पढ़ाई करने पर सफल होना तय : आदेश गुप्ता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शाहदरा के स्वामी अमरदेव गौशाला में प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा ने प्रतिभा सम्मान समारोह में दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षा में सफल हुए छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया और भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि आज के दौर में समाज को शिक्षत और आर्थिक रूप से मजबूत होना जरूरी है। छात्र-छात्राओं को भविष्य में सफलता मिले, इसकी कामना करते हुए उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व विकास को कोई नहीं रोक सकता। बस लक्ष्य बनाकर पढ़ाई करने से सफलता जरूरी मिलेगी। आदेश गुप्ता ने कहा कि छात्र-छात्राओं की सफलता में माता-पिता और गुरु का बहुत बड़ा योगदान होता है। अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जीवन में कभी भी असफलता मिलने पर निराश नहीं होना चाहिए।

सभी के जीवन में एक समय ऐसा आता है जब सभी चीजें आपके विरोध में हो रहीं हों और हर तरफ से निराशा मिल रही हो। इतिहास में भी कई ऐसे व्यक्तियों के उदाहरण है जो जीवन में सफल होने से पहले कई बार विफल हुए पर उन्होंने अपने प्रयासों को जारी रखा। असल में असफलता ही इंसान को सफल होने का रास्ता दिखाता है।

अगर किसी काम में असफल हो भी गए हो तो क्या हुआ ये अंत तो नहीं है ना, फिर से कोशिश करो क्योंकि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। देश का हर नागरिक शिक्षित, सशक्त होगा तभी हम मजबूत देश बनेंगे और विश्व शक्ति के रूप में उभरेंगे। युवा देश के भविष्य हैं।

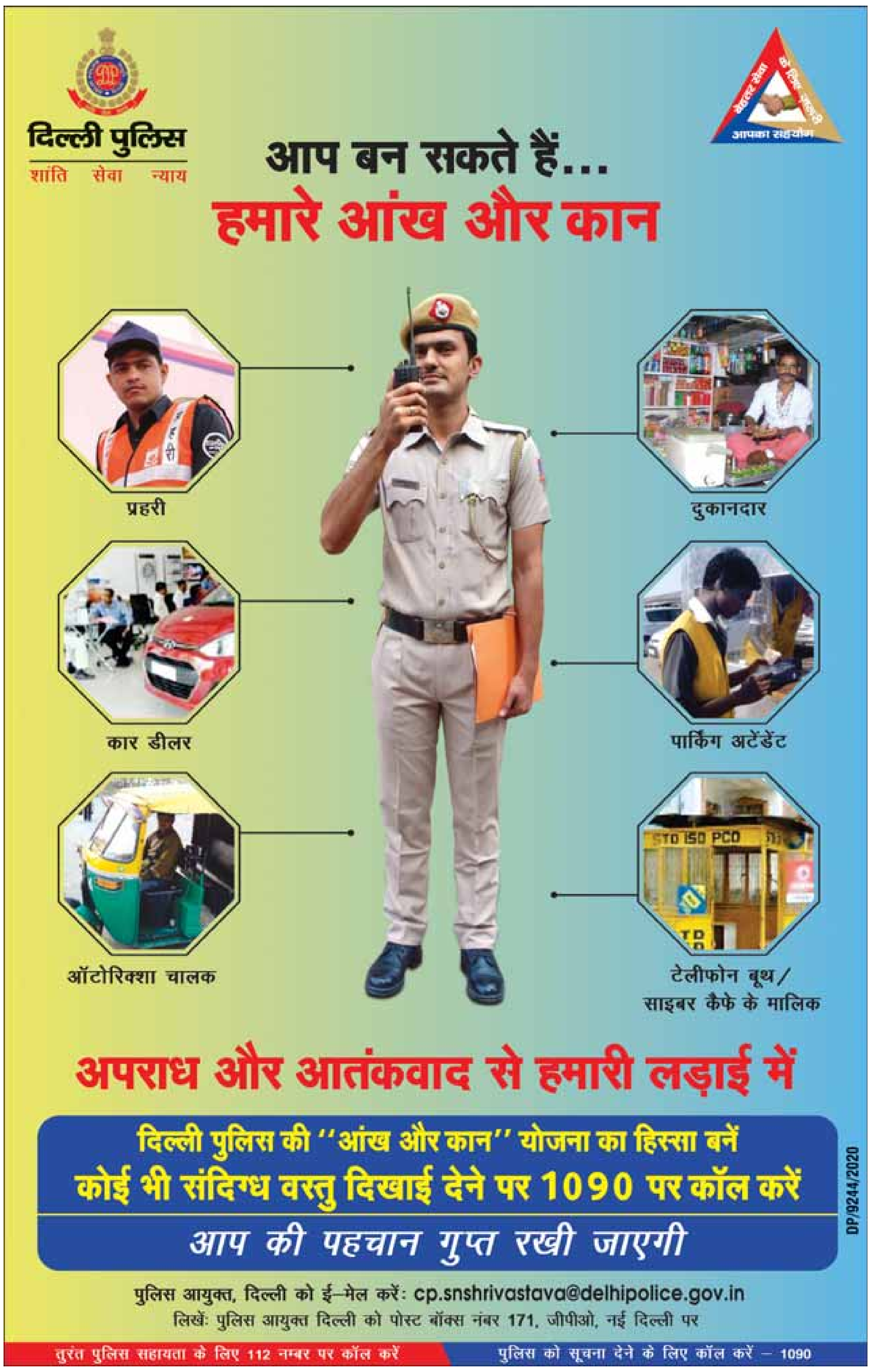

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

24 कैरेट गोल्ड 59 हजार तो चांदी 70 हजार के पार

आम आदमी की पहुंच से बाहर हुए सोने और चांदी

22 कैरेट गोल्ड के दाम हुए 54360 रुपये प्रति 10 ग्राम

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

सोने के भाव दिन-प्रतिदिन आसमान छूते जा रहे हैं। बात करें 24 कैरेट गोल्ड की तो इसके दाम 59 हजार को पार कर गए हैं। यानी 59 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम यह सोना हो गया है। वहीं 22 कैरेट गोल्ड भी 54360 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से रविवार को बिका। इसी प्रकार चांदी भी 70 हजार रुपये प्रति किलो ग्राम को पार कर गई है।

लॉकडाउन से पूर्व मार्च माह में सोने के भाव 38 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम थे। सोने की कीमत में लगातार वृद्धि होने से सर्राफा का कारोबार करने वाले भी खुश दिखाई नहीं दे रहे हैं। जिसका कारण बताया जा रहा है कि सोने की खरीददारी ज्वेलरी के रूप में नहीं, बल्कि सोने के बिस्किट के रुप में की जा रही है। बड़े निवेशक व कारोबारी ही सोना खरीद रहे हैं और इसी कारण से सोने के दाम भी बढ़ रहे हैं। शहर के जाने-माने ज्वेलर तिलकराज मल्होत्रा का कहना है कि सोने के दाम में लगातार हो रही वृद्धि से सोना आम आदमी की पहुंच से बाहर होता जा रहा है। भविष्य में इसके अच्छे परिणाम सामने नहीं आएंगे, क्योंकि परिवारों में बचत की सोना सबसे सुरक्षित रहा है। इससे भारतीय परंपरा भी प्रभावित होगी। उनका कहना है कि केंद्र सरकार को विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस बारे में ठोस कदम उठाने चाहिए। यदि सरकार चाहे तो सोने के दामों को नियंत्रित किया जा सकता है। सर्राफा कारोबारी मनदीप किशोर गोयल का कहना है कि शादी-विवाह का सीजन भी फिलहाल नहीं है।

निवेशकों के कारण बढ़ रहे हैं सोने के भाव

ज्वैलर्स का कहना है कि सोने के दाम तो केवल निवेशक खरीददारों के कारण ही बढ़ रहे हैं। वर्ष 2007-08 में जब देश में आर्थिक मंदी आई थी तो सोना 10 हजार 800 से लेकर 11 हजार रुपये तक ही पहुंच पाया था, लेकिन इस बार आई आर्थिक मंदी व कोरोना प्रकोप के कारण कारोबारी गतिविधियां बंद हो गई थी, जिससे निवेशकों ने सोने की खरीददारी शुरु कर दी। निवेशकों को सोने में ही सबसे उपयुक्त और सुरक्षित निवेश नजर आ रहा है। ज्वैलर्स का यह भी मानना है कि यदि सोने के भाव गिरे भी तो 50 हजार से नीचे नहीं जाएंगे। उनका आंकलन है कि अभी सोने के भाव और अधिक बढ़ेंगे। ऐसी स्थिति में आम लोगों ने भी सोने से दूरी बनाई हुई है।

सीपी से शिकायत कर विधवा ने पति की मौत पर उठाए सवाल

सोहना। गांव रानीका सिंघोला निवासी विधवा महिला ने गुरुग्राम पुलिस आयुक्त को शिकायत दर्ज कराते हुए 19 जुलाई को पति हुई मौत पर संदिग्धता जताते हुए हत्या किए जाने की आशंका प्रकट की है। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर सोहना सदर थाना पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है। सोहना सदर थाना क्षेत्र के गांव रानीका सिंघोला निवासी विधवा महिला ने शुक्रवार को जिला पुलिस कमिश्नर को शिकायत दर्ज कराई गई थी। विधवा महिला भगवती ने पुलिस कमिश्नर को बताया कि उसका पति कन्हैया 19 जुलाई को शाम सात बजे अपने घर से गांव हरचंदपुर बस स्टैंड पर बाल कटवाने के लिए बाइक पर गया था।

संक्षिप्त समाचार

सरकार की नीतियों के विरोध में धरना पर बैठे बिजली कर्मचारीगण।

बिजली कर्मियों ने किया सत्याग्रह आंदोलन

सोहना। बिजली कर्मियों ने सत्याग्रह आंदोलन को प्रदेश सरकार नीतियों के विरोध में किया। राज्य सरकार पर श्रम कानून में परिवर्तन करने से लेकर कर्मचारियों के विरोध में नीतियां बनाने तथा कच्चे कर्मचारियों को पक्का न करने आदि का आरोप लगाया। ऑल हरियाणा पावॅर कारर्पोरेशन वर्कर्स यूनियन के कार्यकर्ताओं ने सर्व कर्मचारी संघ के तत्वावधान में सत्याग्रह आंदोलन को सरकारी विभागों को बचाओ का नाम देते हुए राज्य सरकार के खिलाफ में मनाया। जिसकी अध्यक्षता सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान उमेश खटाना ने की। इस अवसर पर रामबीर शर्मा, बिजेन्द्र फौगार्ड, सतबीर यादव, सुशील कुमार, प्रेमपाल, बलराज गुप्ता आदि ने संबोंधित किया। सत्याग्रह आंदोलन की स्थापना दिवस को बिजली कर्मियों ने सरकार की नीतियों को गलत ठहराते हुए सरकारी विभागों का निजीकरण किए जाने का विरोध जताया। सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान उमेश खटाना ने कहा कि सरकार की नितियों से अब बेरोजगारी बढ़ेगी। सरकारी कर्मचारियों को नये कानून बनाकर घर पर बैठाया जा रहा है। धीरे-धीरे सरकारी विभागों को निजीकरण में बदला जा रहा है। यही कारण है जो आज सरकारी विभागों में लगे कच्चे कर्मचारियों को पक्का नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आरक्षण प्रणाली में बदलाव भी चुपके से सरकारें कर रही हैं। जिससे आरक्षण को भी समाप्त करने की नीति तेजी से अमल में लाई जा रही है। लेकिन सर्व कर्मचारी संघ सरकार की इन नीतियों को किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देगा।

बैंक मैनेजर के नियम बने पशुधन क्रेडिट कार्ड में रोड़ा

नूंह। सरकार द्वारा पशुपालकों की आय को बढ़ाने के लिए लागू की गई पशुधन क्रेडिट कार्ड योजना नूंह जिले में कुछ बैंक मेनेजरों के कठिन नियमों के कारण सिरे नहीं चढ़ पा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से दिशा-निर्देश जारी होने के बावजूद भी कुछ मेनेजर सरकार की इस योजना को आगे नहीं बढ़ने दे रहे हैं। मामला पिनगवां कस्बे में स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का है, जहां पर कार्यरत बैंक मैनेजर पशुधन क्रेडिट कार्ड बनवाने वाले लोगों को वीटा बूथ की अनुमति, गवाह, एग्रीमेंट जैसी उलझनों में डाल रहा है, जिन्हें लोग पूरा ही नहीं कर पाएंगे। जबकि पशुधन क्रेडिट कार्ड के लिए फार्म भरते समय पशुपालन विभाग व एलडीएम साहब की तरफ से लोगों को जानकारी दी गई कि डेढ़ लाख तक के लोन के लिए लोगों को किसी तरह के गारंटर की जरुरत नहीं है तो फिर पिनगवां एसबीआई का मेनेजर लोगों को कठिन शर्तों में क्यों उलझाया जा रहा है। पशुपालन विभाग के अलावा भी सीएम मनोहर लाल ने अपने बयानों में साफ तौर पर ये कहा है कि एक या दो पशु रखने वाले किसानों को किसी तरह के गारंटर की जरूरत नहीं है। वहीं जब इस बारे में पिनगवां एसबीआई के बैंक मेनेजर रविंद्र बिज्लवान से बात की तो उन्होंने कुछ भी बोलने से मना कर दिया।

जनता ने मौका दिया तो वार्ड में होगा चहुंमुखी विकास : खान

नूंह। नगीना खंड के वार्ड-14 से जिला परिषद् चुनाव के लिए तालठोक चुके समाज के हितैषी व गरीबों के मसीहा लुकमान पिथौरपुरी ने कहा कि पिछले पांच साल के कार्यकाल में उनके वार्ड में कोई विकास नहीं हुआ। जिस उम्मीद को लेकर लोगों ने वार्ड-14 से अपना रहनुमा चुना, उसके मुताबिक उनके काम कामकाज नहीं हुए। पत्रकारों से बातचीत करते हुए भावी प्रत्याशी लुकमान पिथौरपुरी ने कहा कि यदि वार्ड 14 की जनता ने उन्हें इस बार मौका दिया तो उनका पहला काम बिजली, पानी, रास्तों की मरम्मत जैसी समस्याओं को हल कराना होगा। उन्होंने कहा कि बिना कुछ बने हुए ही उन्होंने लोगों की समस्याओं को देखते हुए बिजली के कई ट्रांसफार्मर लगवाए हैं। जिला परिषद के भावी प्रत्याशी लुकमान ने कहा कि वह राजनीति में पैसे कमाने की नियत से नहीं आ रहे हैं, उन्हें तो बस लोगों की सेवा करने की ललक है। उन्होंने कहा कि जीत हो या ना हो लोगों की सेवा के लिए वह हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खडे हैं। कोरोना काल में भी उन्होंने गरीब लोगों के लिए मास्क व सेनेटाजर वितरित किए थे। लुकमान ने बताया कि मेवात में बहुत जल्द जेजेपी पार्टी मजबूती के साथ पैर पसार रही है यहां की जनता युवा नेता उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला को बहुत पसंद करते हैं।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत अभियान की शुरू

सोहना। सत्याग्रह की 100 वीं वर्षगांठ पर ग्राम पंचायत उल्लाहवास में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत अभियान चलाया। जिसमें गांव को गंदगी मुक्त गांव व भारत बनाने का अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस तक विभिन्न गतिविधियां ग्राम पंचायतों में चलाए जाने का संकल्प लिया गया। रविवार को इस अवसर पर सोहना के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी श्री प्रमेन्द्र सिंह ने बताया कि 9 अगस्त को एकल प्रयोग प्लास्टिक को श्रमदान करके एकत्रित किया जाएगा। 10 अगस्त को सार्वजनिक जगह चौपाल, मंदिर आदि की सफाई की जाएगी। 11 अगस्त को स्वच्छता पर वॉल पेंटिंग 12 अगस्त को पर्यावरण की शुद्धता एवं स्वच्छता के चलते श्रमदान से पौधारोपण 13 अगस्त को गंदगी मुक्त भारत पर ऑनलाइन द्वारा स्कूली बच्चों की पेंटिंग प्रतियोगिता 14 अगस्त को ग्राम पंचायतों की पीएचसी व सीएचसी सेंट्रो पर स्वच्छता अभियान व 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ओडीएफ प्लस अभियान को लेकर खंड की सभी ग्राम पंचायतों में आम ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। इस सप्ताहिक कार्यक्रम के दौरान जो भी ग्राम पंचायत ओडीएफ प्लस की श्रेणी में आएगी। उस ग्राम पंचायत को ओडीएफ प्लस अभियान के लिए चुना जाएगा। ग्राम पंचायत उल्लाहवास में गंदगी मुक्त भारत अभियान में लगभग 30 से 35 व्यक्तियों ने भाग लिया। वह अपना श्रमदान करके सिंगल प्रयोग प्लास्टिक प्लास्टिक को एकत्रित किया। वह सभी ग्राम वासियों को स्वच्छता के प्रति संदेश दिया कि गांव को गंदगी मुक्त बनाएंगे, तभी हमारा भारत स्वच्छ वह सुंदर बन सकेगा।

जन्माष्टमी के बाद खुलेंगे गुरुग्राम के मंदिर : सीएम ने दिया आश्वासन

जन्माष्टमी पर मंदिर खोलने की मांग पर विचार करने की बात कही

केंद्रीय श्रीसनातन धर्म सभा का प्रतिनिधिमंडल सीएम से मिला

गुरुग्राम। 16 मार्च से बंद मंदिरों के कपाट जन्माष्टमी के बाद खुलेंगे। रविवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल से गुरुग्राम के केंद्रीय श्रीसनातन धर्म सभा के प्रतिनिधिमंडल ने इस विषय पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि जन्माष्टमी के बाद मंदिरों को नियमों का पालन करने की हिदायतों के साथ खोल दिया जाएगा। जन्माष्टमी के मौके पर मंदिरों को खोलने की मांग पर मुख्यमंत्री ने विचार करने की बात कही।

रविवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल से गुरुग्राम के 52 मंदिरों की शिरोमणि सभा श्रीकेंद्रीय सनातन धर्म सभा का प्रतिनिधिमंडल सुरेंद्र खुल्लर की अगुवाई, मुख्य संरक्षक बोधराज सीकरी के प्रयासों से मिलने के लिए पहुंचा। मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें कहा गया कि गुरुग्राम के सभी धार्मिक स्थल जल्द खोले जाएं। साथ ही सभी मंदिरों को उचित आर्थिक सहायता भी दी जाए। बोधराज सीकरी के मुताबिक मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने एक-एक बात को बड़े ध्यान से सुना और तुरंत गुरुग्राम के उपायुक्त अमित खत्री को कॉल करके आदेश दिए कि जन्माष्टमी के बाद सोशल डिस्टेंसिंग एवं अन्य सरकार सूचनाओं का पालन करते हुए मंदिर खोले जाएं।

गुरुग्राम के मंदिर खोलने की मांग के दौरान सीएम मनोहर लाल को स्मृति चिन्ह देते केंद्रीय श्रीसनातन धर्म सभा के पदाधिकारी।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से यह भी मांग की कि मंदिर वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। ऐसे में सभी मंदिरों के बिजली के बिल माफ किए जाएं। इस पर भी मुख्यमंत्री ने गौर करने की बात कही। सभी पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि कुछेक मंदिरों का खर्चा चलाने के लिए मुख्य संरक्षक बोधराज सीकरी का भरपूर सहयोग रहा है। कोरोना काल के दौरान गरीबों को निशुल्क राशन बांटने में भी पूर्ण सहयोग दिया। प्रतिनिधि मंडल ने भारत सरकार द्वारा श्री राम मंदिर के शिलान्यास की मुख्यमंत्री मनोहर लाल को बधाई दी। प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों में गीता भवन एवं पंचमुखी हनुमान मंदिर के महासचिव उदयभान ग्रोवर, गीता भवन मंदिर के महासचिव देवराज आहुजा, केंद्रीय सभा के प्रवक्ता बालकिशन खत्री, कृष्ण मंदिर अर्जुन नगर के अध्यक्ष सुभाष खत्री, गजेंद्र गोसाई अध्यक्ष श्री बालाजी हनुमान मंदिर शिवाजी नगर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट मुख्य पदाधिकारी श्यामजी मंदिर न्यू कॉलोनी, रणधीर टंडन एवं सहगल मुख्य पदाधिकारी श्याम जी मंदिर, चंद्रभान नागपाल एवं ओम प्रकाश ग्रोवर, वरिष्ठ पदाधिकारी राम मंदिर, प्रताप नगर, अशोक गेरा, कार्यकारी अध्यक्ष उदय भान देवी मंदिर भीमनगर, किशोरी डूडेजा महासचिव कृष्ण मंदिर भीम नगर, डीपी ओझा प्रधान सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56 मौजूद रहे।

श्रमिक संगठनों ने प्रदर्शन कर दीं गिरफ्तारियां

श्रम कानूनों में किए जा रहे संशोधनों को वापस करने की मांग उठाई

गुरुग्राम। केंद्र व प्रदेश सरकारों की मजदूर विरोधी नीतियों को लेकर केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर रविवार को विभिन्न श्रमिक संगठनों द्वारा प्रदर्शन कर देशव्यापी आंदोलन किया गया और श्रमिकों ने श्रमिक विरोधी नीतियों का विरोध करते हुए अपनी गिरफ्तारियां भी दी।

गुरुग्राम में भी श्रमिक यूनियनों का प्रतिनिधित्व करने वाली ट्रेड यूनियन काउंसिल द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशाल प्रदर्शन कर मिनी सचिवालय पर पहुंचकर श्रमिकों ने अपनी गिरफ्तारियां भी दीं। काउंसिल के सदस्यों अनिल पंवार, कामरेड सतवीर सिंह, अमित यादव का कहना है कि प्रात: से ही विभिन्न श्रमिक यूनियनों के श्रमिक एकत्रित होना शुरू हो गए थे। बड़ी संख्या में श्रमिकों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से हाथों में बैनर लिए और श्रम कानूनों को लागू करो, श्रम कानूनों में संशोधनों को वापिस लो आदि नारे लगाते हुए मिनी सचिवालय पर श्रमिक नेताओं ने प्रदर्शनकारी श्रमिकों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार श्रम कानूनों में लगातार संशोधन करती जा रही है, ताकि इन संशोधनों का लाभ पूंजीपति उठा सकें।

कोरोना महामारी के दौरान बड़ी संख्या में प्रतिष्ठानों से श्रमिकों को निकाला जा रहा है। श्रमिक संगठन श्रमिकों के साथ हो रही इस प्रकार की कार्यवाहियों को कतई भी सहन नहीं करेंगे। उन्होंने सरकार से मांग की है कि श्रम कानूनों में जो संशोधन किए जा रहे हैं, उन्हें तुरंत वापिस लिया जाए, कोरोना के दौरान जिन प्रतिष्ठानों ने श्रमिकों को नौकरी से निकाल दिया है उन्हें दोबारा काम पर वापिस लिया जाए और ऐसे प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाए।

अदालत ने मां के हत्यारोपी को चार दिन की रिमांड पर भेजा

सोहना। अदालत ने सिहरौल की ढाणी निवासी बुजुर्ग मां के हत्यारोपी बेरहम बेटा को चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड पर आया हत्यारोपी बेटा से पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है।

भोंडसी थाना पुलिस ने शनिवार को सिहरौल ढाणी निवासी 45 वर्षीय प्रेमपाल पुत्र रामकिशन को अदालत में पेश किया। अदालत ने पुलिस की मांग पर मां का हत्यारोपी बेटा को चार दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा है।

पुलिस ने रिमांड मिलने के साथ ही प्रेमपाल से सबसे पहले उस कुल्हाड़ी को लेकर पूछताछ शुरु कर दी है। जिससे जननी पर बेदर्दी से वार करते हुए दुनिया से ही हमेशा के लिए मिटा दिया। मामले की जांच कर रहे एसआई ओमप्रकाश ने बतायां कि पुलिस चार दिन के रिमांड पर हत्यारोपी प्रेमपाल के खिलाफ उन सभी साक्ष्यों को जुटाएगी। जिससे मां के हत्यारोपी को कड़ी से कड़ी सजा मिल सके। पुलिस सूत्रों के अनुसार कही प्रेमपाल का संग देने वाला अन्य कोई तो नहीं है। क्या हत्या का कारण शराब के लिए पैसा मांगना ही था या अन्य कोई कारण।

कम से कम होगी उम्र कैद

सोहना बार एसोसिएशन के प्रधान व वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त शर्मा ने बताया कि 65 वर्षीय रामभतेरी के हत्यारोपी बेटा प्रेमपाल को उसके इस बेरहमी की कम से कम उम्रकैद की सजा तो होने की संभावना जताई है। उनका मानना है कि प्रेमपाल ने जिस तरह से अपनी बुजुर्ग मां पर कातिलाना हमला करके उसकी जान ले ली। उसके लिए वह कड़ी से कड़ी सजा का हकदार है।

हत्यारोपी का परिवार समाज से बाहर

जानकार सूत्रों के अनुसार बुजुर्ग मां की हत्या करने का आरोपी प्रेमपाल के परिवार को पहले से ही समाज ने नाता तोड़ा हुआ था। करीब डेढ़ वर्ष पहले भी इस परिवार में एक ऐसी ही घटना हुई थी। जिससे सम्पूर्ण समाज ने इस परिवार से अपना नाता तोड़ लिया था। समाज का एक भी सदस्य प्रेमपाल के परिवार को किसी भी खुशी या दुख के कार्यक्रम में नहीं बुलाता है। अब समाज ने प्रेमपाल की इस कायराना वारदात के बाद इस परिवार से और दूरी बना ली है।

पढ़ी-लिखी बेटियां स्कूलों में करेंगी ध्वजारोहण

गुरुग्राम। स्वतंत्रता दिवस पर इस बार कोरोना महामारी के चलते स्वतंत्रता दिवस पर स्कूली बच्चे अपनी प्रस्तुतियों का प्रदर्शन नहीं कर सकेंगे, लेकिन शिक्षा विभाग ने छात्र-छात्राओं की भावनाओं का ध्यान रखते हुए स्कूल शिक्षा का सलाम, राष्ट्र और कोरोना वारियर्स के नाम थीम पर कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला लिया है।

इन कार्यक्रमों में सीमित लोग ही शामिल हो सकेंगे और उन सभी को सामाजिक दूरी का पालन करते हुए मास्क लगाना भी अनिवार्य होगा। कोरोना महामारी के चलते स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में छात्र शामिल नहीं हो सकेंगे। हर वर्ष की भांति गांव की सबसे पढ़ी-लिखी बालिका व महिला द्वारा जिले के स्कूलों में ध्वजारोहण किया जाएगा।

अवैध रूप से पार्टी कर शराब का सेवन करते 30 युवक-युवती पकड़े

मौके से तीन पेटी बीयर, एक पेटी अंग्रेजी की अवैध रूप से लाई शराब भी बरामद

गुरुग्राम। यहां डीएलएफ फेज-1 पुलिस थाना के अंतर्गत एक स्थान पर 30 युवक-युवतियां अवैध रूप से पार्टी करके अवैध शराब का सेवन कर रहे थे। पुलिस ने छापेमारी की तो यह हकीकत सामने आई। पुलिस ने सभी को हिरासत में लिया। पुलिस प्रवक्ता सुभाष बोकन के अनुसार पुलिस ने मौके से 3 पेटी बीयर, 1 पेटी अवैध शराब की भी बरामद की है।

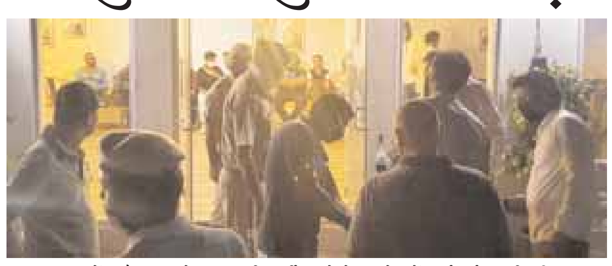

गुरुग्राम में अवैध रूप से शराब की पार्टी करने के आरोप में कार्रवाई करती पुलिस।

गुरुग्राम पुलिस आयुक्त केके राव को एक गुप्त सूचना मिली थी कि फरीदाबाद रोड पर ग्वाल पहाड़ी गांव के पास एक स्थान पर नियमों व निर्देशो की उल्लंघना करके कुछ युवक-युवतियां शराब का सेवन कर रहे हैं। इस सूचना पर एसीपी डीएलएफ करण गोयल को पुलिस आयुक्त ने छापेमारी के निर्देश दिए। एसीपी की ओर से इस बाबत सूचना एकत्रित की गई। उन्हें पता चला कि ऑफ रोड एडवेंचर जोन बालियावास में 22 युवक व 8 युवतियां सार्वजनिक स्थान पर अवैध रूप से शराब का सेवन कर रहे हैं।

आवेदक ने सरपंच पर अर्जी वापस लेने को जानसे मारने की धमकी का लगाया आरोप

नूंह। जिले के पिनगवां खंड के गांव ढाणा के रहने वाले जफर उर्फ गुलाम नाम के युवक द्वारा गांव में सरपंच द्वारा कराए गए विकास कार्यों की जानकारी आरटीआई से अधिकारियों ने दो महीने बाद भी नहीं दी। जिसके बाद शिकायतकर्ता ने प्रथम अपील लगाई, लेकिन वहां से भी कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद द्वितीय अपील राज्य जनसूचना अधिकारी पंचायत राज हरियाणा से को भेजी गई। शिकायतकर्ता जफर ने बताया कि उन्होंने संबंधित बीडीपीओ से गांव में हुए विकास कार्यों की जानकारी मांगी थी। जिसका दो महीने बाद भी बीडीपीओ ने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद प्रथम अपील जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नूंह से की गई वहां से भी कोई जवाब नहीं मिला। शिकायतकर्ता को जब कहीं से भी कोई जवाब नहीं मिला तो आखिर में पंचायत राज से द्वितीय अपील की गई है। जफर उर्फ गुलाम का आरोप है कि जवाब तो मिल ही नहीं रहा है साथ में सरपंच व उसके परिवार के लोग उस पर दबाव बनाने के लिए जानसे मारने तक की धमकी भी दे रहे हैं। जफर का कहना है कि यदि रास्ते में या कहीं पर भी उसके साथ कोई वारदात हुई तो उसके जिम्मेदार सरपंच व उसका परिवार होगा।

उपमंडल बनने के तीन वर्ष बाद भी तावडू में नहीं बनी सिविल कोर्ट

आखिर तावडू के साथ क्यों हो रहा है भेदभाव

तावडू। मंगलवार 11 अगस्त को तावडू को उपमंडल का दर्जा मिले तीन वर्ष हो जाएंगे। यहां सिविल कोर्ट को भी मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन यहां के लोगों को सिविल कोर्ट नसीब नहीं हो सकी है। लोगों को अब भी अपने कोर्ट संबंधी कार्यों को लेकर नूंह के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। जिसके चलते उनकी नजर में उपमंडल की पूरी सार्थकता भी नहीं रही है।

क्षेत्र के मौअजिज लोगों के मुताबिक उपमंडल बनने के बाद भी अगर सरकारी, प्रशासनिक व न्यायिक कार्यों को लेकर जिला मुख्यालय के ही चक्कर लगाने पड़ेंगे तो फिर सरकार ने आखिर तावडू को उपमंडल का दर्जा ही क्यों दिया।

11 अगस्त 2017 को तावडू को उपमंडल का दर्जा मिलने के बाद क्षेत्र में सिविल कोर्ट के गठन की मांग ने जोर पकड़ा। उसके बाद नूंह दौरे पर आए हाइकोर्ट जस्टिस दीपक सिब्बल से तावडू के लोगों ने इस संदर्भ में मुलाकात की थी। 8 दिसंबर 2017 को सेशन जज के माध्यम से रिपोर्ट स्टेट्स हाईकोर्ट भेजी गई। दो जगहों का मुआयना भी किया गया। हाइकोर्ट जज अरविंद सांगवान ने भी इसी संबंध में तावडू के ब्लॉक समिति कार्यालय, केनाल रेस्ट हाउस व एक अन्य प्राइवेट बिल्डिंग का निरीक्षण किया। क्षेत्र के करीब 2300 केस न्यायालयों में विचाराधीन हैं।

क्या कहते हैं क्षेत्र के मौजिज लोग

नगर पालिका चेयरपर्सन के पति आशीष गर्ग का कहना है कि स्वीकृति के बाद भी सिविल कोर्ट की स्थापना न होना लोगों की समझ से बाहर है। सिविल कोर्ट के गठन से लोगों को नूंह के चक्कर काटने से राहत मिलेगी। उनकी नजर में उपमंडल की पूर्ण सार्थकता भी होगी।

सीएम विंडो एमिनेंट सिटीजन प्रधान सुरेश का कहना है कि इस मांग को लेकर क्षेत्रवासी काफी समय से संघर्ष करते आ रहे हैं। सिविल कोर्ट के गठन से लोगों की नजर में उपमंडल की सार्थकता भी साबित होगी।

मार्केट कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष महेंद्र गोयल कहते हैं कि उपमंडल की वास्तविक सार्थकता लोगों की नजर में तभी है, जब यहां सिविल कोर्ट बैठे। उपमंडल बनने के बाद भी अगर जिला मुख्यालय के ही चक्कर काटने पड़ रहे हैं तो उपमंडल का कोई लाभ नहीं। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के प्रधान दीपक धारीवाल का कहना है कि जब से उपमंडल बना है तब से लोगों की यही महत्वपूर्ण मांग है।

जेई सहित चार बिजली कर्मी निलंबित

बिजली निगम को लाखों के राजस्व का नुकसान पहुंचाने का है आरोप

गुरुग्राम। बिजली निगम द्वारा जूनियर इंजीनियर (जेई) सहित चार बिजली कर्मियों को निलंबित करने के आदेश दिए गए हैं। आरोप है कि उपभोक्ता का बिजली मीटर लगाकर उस मीटर को रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया गया। जिससे इन बिजली कर्मियों की लापरवाही से बिजली निगम को करीब 3 लाख 67 हजार रुपये के राजस्व की हानि हुई है। इस तरह से भ्रष्टाचार के आरोप में साउथ सिटी उपमंडल के जेई सहित चार कर्मियों को तुरंत प्रभाव से निलंबन कर नारनौल कार्यालय से अटैच कर दिया है। जानकारी के अनुसार उपभोक्ता ने बिजली कनेक्शन का आवेदन वर्ष 2018 के नवम्बर माह में किया था। उसको कनेक्शन भी दे दिया गया। उसको मीटर भी लगा दिया गया, लेकिन मीटर को बिजली निगम के रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया गया। जब मामले की खुलासा हुआ तो इसकी जांच अधीक्षण अभियंता प्रमोद गोयल को सौंपी गई। जांच में क्षेत्र के जेई विजेंद्र सिंह, सीए जितेंद्र सिंह, शमीम खान यूडीसी व लाइनमैन पवन को दोषी पाया गया, जिस पर उन सभी को निलंबित कर दिया गया। पवन लाइनमैन का तबादला एक माह पूर्व नूंह उपमंडल में कर दिया गया था। इन कर्मियों की लापरवाही से बिजली निगम को 52 हजार 566 बिजली यूनिट का नुकसान हुआ। इन यूनिट का बिजली बिल 3 लाख 67 हजार रुपए बनता है।

लाइनमैन पवन के खिलाफ एक और जांच शुरू

निलंबित लाइनमैन पवन के खिलाफ बिजली निगम ने एक और जांच शुरु कर दी है। पवन के खिलाफ घाटा गांव के धीरज ने धोखाधड़ी का मामला पहले से ही दर्ज कराया हुआ है कि पवन ने एक लाख 18 हजार रुपये उससे उसका बिजली का बिल जमा करने के लिए लिये थे, लेकिन उसने उसे फर्जी रसीद ही थमा दी थी। इसी प्रकार पवन ने दूसरा मीटर के लिए भी उपभोक्ता से करीब 2.3 लाख रुपए लिए थे, लेकिन उसका बिल भी जमा नहीं कराया था। पवन के खिलाफ सेक्टर-56 में धीरज की शिकायत पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज करा दिया गया था। पवन की अग्रिम जमानत याचिका उच्च न्यायालय तक से भी खारिज हो चुकी है।

पॉजिटिव की जांच के दौरान मौत से हड़कंप, मरीजों को बाहर निकाला

कविता। फरीदाबाद

पलवल से रेफर होकर आए बुखार पीड़ित एक मरीज की कोविड जांच के दौरान बीके अस्पताल में हुई मौत के चलते हालत खराब हो गई। लैब से आपातकालीन कक्ष लाए जाने के दौरान उसकी मौत हो गई। उसी दौरान रिपोर्ट मिली कि मृतक कोरोना पॉजिटिव है। मृतक का शव आधे घंटे तक अपातकालीन कक्ष में पड़ा रहा।

आपातकालीन कक्ष में भर्ती सभी मरीजों को बाहर निकाल दिया गया। लेकिन यहां एक अन्य मरीज की जांच चलती रही। बाद में उसकी भी मौत हो गई। करीब एक घंटे बाद अपातकालीन कक्ष को सैनिटाइज नहीं किया जा सका। उसे बंद कर दिया गया। मरीज बरसात में दोपहर डेढ़ बजे तक बाहर पार्क में और यहां वहां खड़े नजर आए।

यह है पूरा मामला

बुखार आने पर 65 वर्षीय एक व्यक्ति शनिवार को पलवल सिविल अस्पताल जांच को पहुंचा तो उसे कोविड जांच और इलाज के बिना लौटा दिया। रविवार सुबह हालत खराब होने पर परिजन उसे लेकर पलवल सिविल अस्पताल पहुंचे। जहां जांच किए बिना ही उसे नल्हड़ भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। जिस पर परिजनों के कहने पर व्यक्ति को बीके सिविल अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। यहां पहुंचने पर चिकित्सक ने दाखिल करने के बाद परिजनों को उसकी कोविड जांच के लिए लैब में भेज दिया। जहां नाक से सैम्पल लेने पर उसे सांस लेने में दिक्कत हुई। आनन-फानन में परिजन उसे अपातकालीन कक्ष में लेकर आए तो चिकित्सक ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया है। उसी दौरान लैब से मृतक व्यक्ति की पॉजिटिव रिपोर्ट आ गई।

पॉजिटिव की मौत के बाद भी जारी इलाज प्रक्रिया

पार्क में बैठे दाखिल मरीज

मच गया हड़कंप

मृतक की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आने से स्टाफ में हड़कंप मच गया। अपातकालीन कक्ष में भर्ती सभी मरीजों को बाहर निकाल दिया गया लेकिन उसी दौरान एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। जिसकी जांच जारी रखी गई। इस पूरी प्रक्रिया में अपातकालीन कक्ष को एक घंटे बाद सैनिटाइज किया गया।

बारिश से बेहाल

अन्य मरीजों को 11 बजे बाहर निकाल दिया गया। दोपहर को 12 बजे बारिश आने से मरीज परेशान दिखे। हल्की बरसात में तो मरीज पार्क में खड़े हो गए। लेकिन तेज बरसात ने उन्हें बेहाल कर दिया। ऐसे में मरीज सोशल डिस्टेंस की धज्जियां उड़ाते हुए बचाव करते हुए अपातकालीन कक्ष के बाहर लगी चादरों के नीचे खड़े रहे।

कोरोना विस्फोट जारी: एक मौत, 150 पॉजिटिव से आंकड़ा 10 हजार पार

पलवल निवासी कोरोना पॉजिटिव मृतक नहीं किया आंकड़ों में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना रविवार को दस हजार की संख्या को पार कर गया। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में जहां एक महिला की मौत हो गई, वहीं दूसरी तरफ 150 पॉजिटिव पाए गए। जिससे कोविड-19 का आंकड़ा 10,127 पर पहुंच गया। इसी के साथ 161 मरीजों ने कोरोना को मात देने में सफलता हासिल की। वहीं पलवल से रेफर होकर आए कोरोना पॉजिटिव मृतक को इन आंकड़ों में शामिल नहीं किया गया। जबकि उसका सैम्पल और रिपोर्ट बीके सिविल अस्पताल से ही जारी की गई।

मृतक और पॉजिटिव

जिले में कोरोना से रविवार को सेक्टर-55 निवासी एक 56 वर्षीय महिला की मौत की पुष्टि जिला स्वास्थ्य विभाग ने की है। मरीजों को कोरोना के अलावा अन्य कई बीमारिया थी। जिससे मृतकों की संख्या का आंकड़ा 140 पर पहुंच गया है। वहीं 150 पॉजिटिव में ओल्ड फरीदाबाद, बल्लभगढ़, एनआईटी, जवाहर कालोनी, खेड़ी कला, संजय कालोनी, डबुआ कालोनी, सेक्टर-सात, सेक्टर-आठ, आदर्श नगर, एसजीएम नगर, सेक्टर-21ए और आदर्श नगर के मरीज शामिल है।

यह है आंकड़ा

अब तक जांच को भेजे सैम्पल	90776
अब तक पॉजिटिव पाए गए	10127
जांच रिपोर्ट में नेगेटिव आए	80128
रिपोर्ट आनी है बाकि	521
अब तक ठीक हुए मरीज	9155
अब तक पॉजिटिव की मौते	140
क्रिटिकल हालत में भर्ती	41
वेंटिलेटर पर भर्ती	11

संक्षिप्त समाचार

नीमका जेल में लगाए 150 फलदार पौधे

फरीदाबाद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीपक गुप्ता के दिशा निर्देशानुसार एवं मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पौधा लगाने की मुहिम जारी रखी हुई है। जिसके तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद ने प्रथम चरण में 10000 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा हुआ है। इसी लक्ष्य को पूरा करने के लिए इसी कड़ी के अंदर प्राधिकरण द्वारा रविवार को जिला जेल नीमका फरीदाबाद में 150 फलदार पौधों का रोपण किया। जिनमें आम, अमरूद, नींबू, अनार, जामुन, शहतूत व अन्य फलदार पौधे लगाए। पौधों का रोपण की शुरुआत राजेश गर्ग अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने की एवं संदीप चौहान मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व राकेश कादयान जुडीशियल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, पंकज गर्ग प्रेसिडेंट रोटरी क्लब फरीदाबाद मिड टाउन, डॉ आशीष वर्मा सचिव अन्य सदस्यगण संत गोपाल गुप्ता, गुरिंद्र चोपड़ा, डॉ. ललित हसीजा, बृज गुप्ता, नरेश शर्मा, प्रवीण शुक्ला, अक्षत कुमार सिंह एलएनटी कंपनी के रिप्रेजेंटेटिव मिश्रा आदि ने भी अलग-अलग पौधारोपण करके प्राधिकरण के इस कार्यक्रम को सफल बनाया। इसी मौके पर राजेश गर्ग अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने कहा कि पौधा लगाना अलग बात है। उनकी देखभाल करते हुए उन्हें बड़ा करना व उनका लालन पोषण करना उससे भी बड़ा कार्य है। उन्होंने जिला जेल नीमका फरीदाबाद में प्राधिकरण द्वारा लगाए गए पौधे की देखभाल की जिम्मेदारी जेल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट संदीप कुमार और सचिन कौशिक को दी तथा इसी मौके पर मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने इस कार्यक्रम को सफल बनाते हुए वह सहयोग करने वाले रोटरी क्लब फरीदाबाद मिड टाउन एलएनटी कंपनी के पदाधिकारियों व पैनल एडवोकेट्स रविंद्र गुप्ता, राजेंद्र गौतम, रामवीर तंवर, शिवकुमार, संजय गुप्ता, अर्चना गोयल, मनमीत कौर, मीनाक्षी आंचल आदि का धन्यवाद किया। रोटरी क्लब फरीदाबाद मिडटाउन के सदस्यों द्वारा राजेश गर्ग, संदीप चौहान मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्याय दंडाधिकारी, राकेश कादयान जुडीशियल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी का सम्मान के रूप मे प्लांटर शफलिंग भेंट किए।

शराब पीने के दौरान झगड़े में कर दी व्यक्ति की हत्या

फरीदाबाद। शराब पीने के दौरान हुए एक झगड़े में साहूपुरा गांव के एक व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति का सिर दीवार पर मार दिया। जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गया। खून से लथपथ व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। थाना सदर पुलिस ने आरोपी व्यक्ति पर मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक साहूपुरा गांव में रहने वाले अशोक ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि उसका 36 वर्षीय भाई परसराम शनिवार रात करीब साढ़े 9 बजे घर से बीड़ी खरीदने के लिए निकला था। जब वह काफी देर तक घर नहीं लौटा, तो वह उसे खोजने निकले। गांव के पास में ही परसराम घायल पड़ा हुआ है। वह वहां पर पहुंचे तो पता चला कि परसराम के साथ गांव के ही सागर उर्फ साहिल व 2 अन्य ने शराब पी थी। शराब पीने के दौरान सागर व परसराम का किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिस पर सागर उर्फ साहिल व उसके दो साथियों ने परसराम के साथ मारपीट कर उसके सिर को दीवार में दे मारा। जिससे वह बेहोश हो गया। उनका आरोप है कि परसराम की सागर उर्फ साहिल से पुरानी दुश्मनी भी चल रही है। जिस वजह से उसकी हत्या की गई है। वहीं सदर थाने के एसएचओ नरेंद्र सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने हत्या के आरोप में सागर उर्फ साहिल सहित 3 के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हजारों मजदूर और कर्मचारियों ने दी गिरफ्तारी

फरीदाबाद। जिला लघु सचिवालय सेक्टर-12 फरीदाबाद पहुंचकर केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार की मजदूर एवं कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ अखिल भारतीय फेडरेशन व संयुक्त ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर प्रस्तावित कार्यक्रम में हरियाणा प्रदेश के समस्त जिलों में जारी जिला सचिवालयों पर सत्याग्रह आंदोलन की 78 वीं वर्षगांठ पर जेल भरो आन्दोलन में भिन्न-भिन्न विभागों के हजारों मजदूर एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रशासन की ओर से भारी पुलिस बल पहले से तैनात किया हुआ था। सरकार की श्रम कानूनों में बदलाव व कर्मचारी विरोधी नीतियों व निजीकरण के खिलाफ केंद्र व राज्य सरकार जो कि कर्मचारियों का शोषण व पूंजीपतियों के हाथ मजबूत करने का जो काम यह सरकार आये दिन कर रही है।

यादव समिति ने छात्रों को किया सम्मानित

पलवल। यादव संस्कार समिति की बैठक धौलागढ़ मोड़ स्थित पटवारी कॉलोनी में संपन्न हुई। इसकी अध्यक्षता मार्ग दर्शक मंडल ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यादव समाज जिन किशोर व युवा बच्चों ने 10 वीं व 12 वीं की परीक्षा में विद्यालय स्तर या अन्य गतिविधियों में सर्व श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है, उन्हें समिति सम्मानित करेगी। इसके अलावा 15 अगस्त को सादगी के साथ सुबह स्वंतत्रता दिवस भी मनाया जाएगा तथा झंडारोहण किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से मार्ग दशज्क मंडल उदयबीर सिंह यादव, राजबीर सिंह यादव, जय नारायण सिंह यादव, दया शंकर यादव, सुरेश चंद यादव, सभा के अध्यक्ष अशोक कुमार यादव, उप प्रधान मनोज कुमार यादव, सचिव पृथ्वी सिंह यादव, अजय यादव, कोषाध्यक्ष देवेंद्र यादव, विजयपाल यादव, अरुण यादव, राकेश यादव मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर का किया आयोजन

फरीदाबाद। गोस्वामी नंदलाल के सालाना यज्ञ के अवसर पर रोट्रेक्ट क्लब ऑफ फरीदाबाद अरावली, प्रायोजक रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद अरावली के द्वारा थैलेसीमीया पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह रक्तदान शिविर गिफ्ट-ग्लोबली इंटीग्रेटिड फाउंडेशन फॉर थैलेसीमीया संस्था के समर्थन में सत लाल महाराज मंदिर प्रांगण में लगाया गया। कैम्प में गोस्वामी सुंदर लाल और गोस्वामी हरीशलाल के नेतृत्व में मंदिर के सेवक जनों ने बढ़चढ़ कर सहयोग दिया। रोट्रेक्ट क्लब ऑफ फरीदाबाद अरावली का यह वर्ष 2020-2021 का पहला रक्तदान शिविर था। उनकी यह पहल सहरानीय है। गिफ्ट के प्रधान मदन चावला ने सभी रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाया और रोट्रेक्ट क्लब ऑफ फरीदाबाद अरावली का आभार प्रकट किया। आयोजन में सतश्री लाल जी महाराज मंदिर के सेवक विजय प्रताप, पार्षद मनोज नासवा, पार्षद राकेश आदि उपस्थित रहे।

101 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी बोहती देवी को किया सम्मानित

फरीदाबाद। जिले में एक मात्र जीवित स्वतंत्रता सेनानी 101 वर्षीय चौधरी जगराम सिंह धनखड़ व उनकी 93 वर्षीय धर्मपत्नी बोहती देवी को रविवार को उनके घर पहुंच कर एसडीएम बैलीना ने जिला प्रशासन की तरफ से सम्मानित किया गया। एसडीएम बैलीना ने 101 वर्षीय बुजुर्ग स्वतंत्रता सेनानी चौधरी जगराम सिंह धनखड़ के साथ स्वतंत्रता आन्दोलन बारे विस्तृत जानकारी ली। वहीं स्वतंत्रता सेनानी चौधरी जगराम सिंह धनखड़ की धर्मपत्नी बोहती देवी के साथ पुराने जमाने की बातों को साझा किया। जिला प्रशासन की तरफ से सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा जीवित स्वतंत्रता सेनानियों को उनके घर पहुंच कर सम्मानित किया जा रहा है। भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान के संदर्भ में सरकार द्वारा निर्देशित किया गया है कि भारत के राष्ट्रपति हर साल 9 अगस्त को राष्ट्रपति भवन में 'एटी होम' समारोह आयोजित करते हैं। यह आयोजन भारत छोड़ो की वर्षगांठ पर कुछ चुनिंदा सम्मानित स्वतंत्रता सेनानियों को प्राप्त करने के लिए जो पेंशनभोगी स्वतंत्रता सेनानी सम्मान योजना स्वाडा प्राप्त कर रहे हैं। वर्तमान में अधिकांश स्वतंत्रता सेनानी गैर-राजनेता हैं और उनकी दिल्ली यात्रा उचित नहीं है। क्योंकि उन्हें दिल्ली की यात्रा के लिए व्यक्तिगत सहायता की आवश्यकता होती है और कोविड-19 वैश्विक महामारी के मद्देनजर वे संक्रमण के कारण स्वास्थ्य की स्थिति वृद्धावस्था आदि के कारण अधिक जोखिम में हैं। कई राज्यों ने इस साल 'एटी होम' समारोह के लिए किसी भी स्वतंत्रता सेनानी को नामित करने में असमर्थता जताई है।

दिल्ली जल बोर्ड कर्मी की हत्या का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अपराध शाखा ऊंचागांव ने दिल्ली जलबोर्ड कर्मी हरीश की हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया है। पुलिस वारदात के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले करीब डेढ़ महीने से फरार चल रहा था।

पुलिस प्रवक्ता एसीपी धारणा यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी अमित कुमार एक शातिर अपराधी है। जिस पर हत्या, जान से मारने की कोशिश, चोरी व गृहभेदन जैसे संगीन 20 अभियोग अंकित है। आदर्श नगर निवासी आरोपी पिछले 8-9 वर्ष से चोरी, गृहभेदन की वारदाते कर रहा था। इन वारदातों में जेल में सजा भी काट चुका है ।

यह है मामला

आरोपी अमित कुमार उपरोक्त ने 20 जून 2020 को दिल्ली जलबोर्ड कर्मचारी हरीश कुमार निवासी आदर्श नगर बल्लभगढ को रंजिशन गोली मारी थी। जिसकी गोली लगने की वजह से मृत्यु हो गई थी। जिस पर थाना आदर्श नगर बल्लभगढ में मामला दर्ज किया गया था। दिल्ली जलबोर्ड कर्मी ने तेज आवाज में डेक बजाने से मना किया था। इसी बात से आरोपी उनसे रंजिश रखने लगा था।

ऐसे हुआ गिरफ्तार

सात अगस्त को अपराध शाखा ऊंचागांव बल्लभगढ को सूचना मिली कि आरोपी रेलवे लाइन के नजदीक सुभाष कालोनी, हरि विहार बल्लभगढ में असला सहित घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जहां पर पुलिस पार्टी को देखते ही आरोपी अमित ने जान से मारने की नीयत से पुलिस पार्टी पर सीधा फायर किया। जिससे रैडिंग पार्टी बाल-बाल बची। रैडिंग पार्टी ने आत्मसमर्पन की चेतवानी दी। आत्मसमर्पण न करने पर पुलिस ने फायर किया तो आरोपी भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे दबोच लिया। आरोपी से देशी पिस्तौल व दो कारतूस बरामद किए हैं।

अवैध शराब, सट्टा पर्ची में संलिप्त चार आरोपी दबोचे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 ने अवैध शराब का धंधा करने वाले और सट्टा पर्ची खाई वाली करने वाले चार आरोपियों को अलग-अलग मुकदमा में गिरफ्तार किया है। जिसमें दो सट्टा और दो शराब तस्कर शामिल हैं।

पहला आरोपी: क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 ने सट्टा खाई वाली का काम करने वाले एक आरोपी राजेंद्र उर्फ राजू निवासी एनआईटी फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ थाना कोतवाली में गेमिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है और उसके साथ-साथ सट्टा खाई वाली का भी काम करता है। आरोपी पहले भी इस तरह के मामले में कई बार जेल जा चुका है। आरोपी से 9000 रुपये बरामद हुए हैं।

दूसरा आरोपी: क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 ने गांव आनंगपुर निवासी रिच पाल पुत्र लाल सिंह को जांच के लिए रोका तो उसके पास से 204 क्वार्टर देसी शराब सहित से दबोचा है। आरोपी के खिलाफ थाना पल्ला में एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को स्कूटर पर गांव अनंगपुर से शराब ले जाते वक्त गिरफ्तार किया गया है।

तीसरा आरोपी: सेक्टर-30 क्राइम ब्रांच ने सेक्टर-31 स्थित संतोष नगर निवासी शमशेर को सट्टा खिलवाने के जुर्म में गिरफ्तार किया है। आरोपी पहले मीट की दुकान थी, जो मीट की दुकान के साथ-साथ आरोपी यह काम भी करता था। आरोपी को गिरफ्तार कर उससे 3300 रुपये बरामद किए गए हैं। आरोपी को जेल भेज दिया है।

चौथा आरोपी: क्राइम ब्रांच की टीम ने आंनगपुर निवासी आरोपी राकेश पुत्र गोपी को 200 क्वार्टर सहित दबोचा है। आरोपी के खिलाफ थाना सूरजकुंड में मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि वह ठेके से शराब खरीद कर फुटकर में बेचता है। आरोपी को अनंगपुर चौक से शराब लाते समय उसकी एसेंट कार सहित गिरफ्तार किया गया।

मानव सेवा समिति ने लगाया कोरोना जांच शिविर

फरीदाबाद। मानव सेवा समिति, प्रक्रूथी पर्यावरण संरक्षण संस्था व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में सेक्टर-10 स्थित समिति के कार्यालय मानव भवन में कोरोना जांच का नि: शुल्क शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में बीके हॉस्पिटल के डॉक्टरों की टीम ने 75 लोगों की कोरोना जांच की। इस बारे में जानकारी देते हुए डिप्टी सीएमओं डॉ. सजीव भगत ने बताया कि जांच केम्प में पांच लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। मौके पर पाए पाजिटिव को वाईएमसीए स्थित जेसी बोस में क्वारेंटाइन किया गया है। कैंप संयोजिका रमा सरना ने बताया कि शिविर के सफल आयोजन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सीजेएम मंगलेश चौबे व पैनल अधिवक्ता संजय गुप्ता, अर्चना अग्रवाल, मनमीत कौर, समिति के पदाधिकारी सुरेंद्र जग्गा, अमर खान, कोमल सरना, बांके लाल सितोनी का पूर्ण सहयोग रहा। इस अवसर पर डॉक्टर संजीव भगत डिप्टी सीएमओ, डॉ. शिवानी एलएमओ सेक्टर 7 डिस्पेंसरी व अन्य कई कोरोना योद्धाओं को समिति द्वारा कोरोना योद्धा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

महात्मा गांधी को पुष्प अर्पित कर भारत छोड़ो आंदोलन को किया याद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक आनंद कौशिक के अनुज बलजीत कौशिक ने रविवार को गांधी कॉलोनी कुष्ठ आश्रम पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर फूल माला चढ़ाकर गांधीजी द्वारा चलाए गए भारत छोड़ो आंदोलन की याद दिलाई। इस अवसर पर बलजीत कौशिक कहाकि महात्मा गांधी ने अंग्रेजों को भारत से निकालने के लिए कई अहिंसक आंदोलनों का नेतृत्व किया था। आठ अगस्त 1942 को उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की थी। उन्होंने कहाकि राष्ट्रपिता ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन का आह्वान कर स्वतंत्रता संग्राम को एक नई दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि मैं देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ने वाले उन महान वीरों को सलाम करता हूं। इस मौके पर डा. सौरभ जिला अध्यक्ष ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस, गौरव ढींगरा स्टेट कोऑर्डिनेटर हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी, इशांत कथूरिया जनरल सेक्रेटरी यूथ कांग्रेस, रामप्रवेश, महेश बैंसला, मोहित बैंसला, हरीश भड़ाना, विकास चंदीला, सोनू, भूरा, अभिषेक बैसला आदि लोग मौजूद रहे।

राम मंदिर मामले में विवादित बयान डालने की दी शिकायत

दोषियों और देशद्रोहियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता में संबंधित उल्लिखित धाराओं में कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

देव सेना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष बृज भूषण सैनी के नेतृत्व में सैंकड़ों देव सैनिकों के साथ पुलिस को शिकायत देकर एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने शिकायत में कहा कि अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर को तोड़ने के बारे में सोशल मीडिया पर दिए गए विवादित बयानों के खिलाफ बल्लभगढ़ के आदर्श नगर पुलिस स्टेशन में लोकसभा सांसद और ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लीमीन के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी, ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के मुखिया मौलाना साजिद रशिदी, मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के महासचिव मौलाना महमूद मदनी और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के पदाधिकारियों और सदस्यों के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को भड़काने, साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने, देश में दंगे भड़काने, देशद्रोह की बातें करने और सुप्रीम कोर्ट की अवमानना करने को लेकर प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज कराई है।

देव सेना के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी वीरेन्द्र गौड ने बताया कि पिछले दिनों इन लोगों ने राष्ट्र के सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने और हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को भड़काने के लिए जो उल जलूल बयान किये हैं। उनकी हम कड़ी भर्त्सना करते है। दर्ज करवाई गई इस शिकायत के माध्यम से मांग करते है कि इस दोषियों और देशद्रोहियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता में संबंधित उल्लिखित धाराओं में कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए। ज्ञात हो कि बुधवार की सुबह ट्वीट करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने इस मुद्दे पर जहर उगलते हुए कहा था कि बाबरी मस्जिद थी और वही रहेगी। वहीं मौलाना साजिद रशिदी ने राम मंदिर पर अपने बयान में कहा था कि एक मस्जिद हमेशा एक मस्जिद ही रहती है। यह कुछ और बनाने के लिए तोड़ी नहीं जा सकती है। हम ऐसा मानते हैं और भरोसा करते हैं कि वहां मस्जिद थी और मस्जिद ही रहेगी। कार्यवाही में मुख्य रूप से देव सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृज भूषण सैनी के साथ प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक चंद शर्मा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष जगदीश चंद्र शर्मा राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी बीरेंद्र गौड राष्ट्रीय सह सचिव मनोहर लाल शर्मा राष्ट्रीय प्रचार सचिव फौरन सिंह राष्ट्रीय संयुक्त सचिव उमराव सिंह दलबीर सिंह आदि मौजूद थे। थाना प्रभारी ने शीघ्र उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

जमकर हुई बरसात के बाद सड़कें जलमग्न

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

तीन दिन पहले चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी में एक और कम दवाब के क्षेत्र बनने की संभवना से आठ अगस्त से मानसून हवाओं की फिर से मैदानी क्षेत्रों की ओर सक्रियता बढ़ने की संभावना है। जिससे नौ से 11 अगस्त के बीच प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। इस सूचना के बाद रविवार को दोपहर को करीब 12 बजे बरसात शुरू हो गई, जो डेढ़ बजे तक रूक-रूक कर होती रही। यह बरसात शहर के सिर्फ एनआईटी इलाके के आसपास ही हुई है। शहर के अन्य कई क्षेत्र बरसात से वंचित रह गए।

जलमग्न हो गई सड़कें

डेढ़ घंटे की बरसात ने पूरे शहर की सड़कों को जलमग्न कर दिया। सड़कों पर पानी भर जाने से लोगों का घरों से निकलना दूभर हो गया। इस बरसात से एनआईटी इलाके की सड़कों की हालत बद से बदतर हो गई। बरसात के पानी के कारण से 15 मिनट का रास्ता घंटों में परिवर्तित हो गया। बरसात के समय कच्ची कालोनियों में जलभराव होना अब आम बात हो गई है, लेकिन शहर के सेक्टरों में बरसात के पानी की निकासी उचित नहीं है। सड़कों पर भरा बरसात का पानी और पानी में छिपें गड्ढे दिखाई न देने के कारण लोग उनमें गिरकर घायल हो गए। वहीं सेक्टर 23-24 की मुख्य सड़क पर पानी भर जाने से वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। बरसात के कारण लगे जाम और बरसाती पानी ने लोगों को परेशान कर दिया।

राजपक्षे परिवार की विजय

संबंध सुधारने का प्रयास करें

श्रीलंका के नागरिकों ने उदारवाद के बजाय स्थायित्व तथा लोकतंत्र के बजाय बेहतर कामकाज को वरीयता देते हुए देश के संसदीय चुनाव में व्यापक जनादेश से राजपक्षे परिवार की सत्ता में वापसी की है। राष्ट्रपति गोटाभाया राजपक्षे की सत्तारूढ़ श्रीलंका पीपुल्स पार्टी-एसएलपीपी को 150 सीटों में से 145 पर विजय मिली है। इससे उनको संविधान में परिवर्तन की शक्ति मिली है और वे अपनी कार्यकारी शक्तियों का विस्तार करते हुए सुनिश्चित कर सकते हैं कि उनके बड़े भाई महिंदा राजपक्षे प्रधानमंत्री बने रहें। संक्षेप में, अब श्रीलंका की राजनीति पर वंशवादी पकड़ संपूर्ण हो गई है। दोनों भाई अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए पूर्व सरकार द्वारा किए सुधार प्रयासों को उलट सकते हैं। भारत समेत दुनिया के अन्य देशों की तरह श्रीलंकाई नागरिकों ने भी कठिन समय में राष्ट्रवादी व मजबूत नेतृत्व को सत्ता सौंपी है। सरकार के स्मार्ट कोविड-19 प्रबंधन को जनता ने पसंद किया है जिसके चलते अब तक इस बीमारी से केवल 11 मौतें हुई हैं और चुनाव प्रक्रिया आराम से पूरी हुई। ईस्टर धमाकों के बाद राजपक्षे भाइयों को मजबूत व सक्षम नेताओं के रूप में देखा गया है और उनकी पार्टी की पकड़ बहुसंख्य सिंहल बौद्धों पर मजबूत हुई है। तमिल आंदोलन को कठोरता से कुचलने के कारण सिंहली गोटाभाया पर विश्वास करते हैं, हालांकि इस कार्रवाई से उनको 'टर्मिनेटर' कहा जाने लगा था। भारत के लिए महिंदा राजपक्षे की वापसी चिन्ताजनक हो सकती है क्योंकि उन्होंने तमिलों के प्रति कठोर दृष्टिकोण अपनाते हुए रणनीतिक क्षेत्रों में चीन का भारी निवेश स्वीकार किया था। अतीत में उन्होंने नई दिल्ली पर श्रीलंका के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का आरोप भी लगाया था। मैतिरीपाला सिरीसेना की एसएलएफ्पी व उसकी सहयोगी यूएनपी की चुनाव में विजय के बाद रनिल विक्रमसिंघे ने गठबंधन सरकार बनाई थी जो भारत-समर्थक थी। लेकिन बाद में उन्होंने सिरीसेना को नीचा दिखाने और प्रधानमंत्री पद पर कब्जा करने में सफलता पाई। गोटाभाया ने रक्षा और सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली, तमिल-बहुल क्षेत्रों पर कठोर सैनिक नियंत्रण बनाए रखा तथा भारतीय राजनयिकों की निगरानी कराई। यदि भारत चीन को आगे बढ़ने से रोकना चाहता है तो उसे भू-रणनीतिक कारणों से श्रीलंका में पैदा यह अविश्वास समाप्त कर संबंध सुधारने होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबसे पहले महिंदा राजपक्षे को विजय की बधाई दी जिनके साथ कोविड-19 प्रबंधन के मामले में उनका निरंतर संपर्क बना हुआ था। भारतीय राजनय को छोटे पड़ोसियों के प्रति व्यावहारिकता प्रदर्शित करनी होगी। हालांकि, ये पड़ोसी चीन से आशंकित हैं, पर वे दोनों एशियाई महाशक्तियों के बीच बढ़ते टकराव से अलग रह कर शांति से विकास करना चाहते हैं। बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका खुशी के साथ चीन के साथ 'व्यापार संबंध' बढ़ाते हुए भी भारत के साथ 'ऐतिहासिक संबंधों' को भी महत्व देते हैं। इस प्रकार वे दोनों देशों से रियायतें पाना चाहते हैं। महिंदा राजपक्षे ने भी विजय के इस अवसर पर भारत को 'मित्र' कहा है जिसके साथ उनका 'दीर्घकालीन सहयोग' रहा है। मोदी सरकार ऐतिहासिक आधारों पर श्रीलंका संबंधी नीति में सक्रिय सहभागिता प्रदर्शित करती रही है। लेकिन श्रीलंका में चीन की स्थिति ज्यादा मजबूत है। श्रीलंका द्वारा कर्ज न अदा कर पाने के कारण उसने हंबनटोटा बंदरगाह 99 साल के लिए पट्टे पर ले लिया है और इसका प्रयोग हिंद महासागर से पूर्वी अफ्रीका तक अपनी सैनिक उपस्थिति मजबूत करने के लिए कर रहा है। चीन कोलम्बो के निकट एक कृत्रिम द्वीप भी बना रहा है जो नया वित्तीय हाटस्पाट तथा पूर्वी अफ्रीका तक संपर्क का नया रास्ता बनेगा। ऐसे में अपने रणनीतिक हितों पर चीन की छाया पड़ने से रोकने के लिए भारत को श्रीलंका के साथ संबंध बेहतर बनाने होंगे। इसके साथ ही उसे तमिल हितों के संबंध में भी ज्यादा झुकने से बचना होगा।

मंदिर आंदोलन से कांग्रेस बेनकाब

आज राहुल गांधी की अनेक मंदिर यात्राओं तथा स्वयं को प्रतिबद्ध हिंदू के रूप में पेश करने के बावजूद कांग्रेस को सभी मध्यमार्गी हिंदुओं की स्वाभाविक पार्टी नहीं माना जाता है। 2014 व 2019 में दो पराजयों के बाद भारत की स्वाभाविक पार्टी के रूप में उसकी स्थिति समाप्त हो गई है। मोदी के उभार और हिंदू गौरव की भावना प्रज्वलित होने के बाद वह हाशिए पर आ गई है।

स्वपन दासगुप्ता
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राज्यसभा सदस्य हैं)

हिंदुओं को खुश करने तथा मुस्लिमों को नाराज न करने के बीच झूलती कांग्रेस राम मंदिर आंदोलन से बेनकाब हो गई। हिंदू राष्ट्रवाद के उभार के बाद वह अब मध्यमार्गी हिंदुओं की स्वाभाविक पार्टी नहीं रही। लगभग तीन दशक पहले 1990 में लालकृष्ण आडवाणी की सोमनाथ से अयोध्या यात्रा का नारा था 'मंदिर वहीं बनाएंगे'। इसने हिंदुओं में तीखा विभाजन पैदा किया। इसका कारण बार-बार यह सवाल पूछा जाना था कि एक पुरानी मुगल संरचना के स्थान पर राम मंदिर बनाना क्यों जरूरी है, जबकि वह वास्तव में राम मंदिर की तरह ही काम कर रही थी? 5 अगस्त को प्रधानमंत्री की सहभागिता वाले भूमि पूजन कार्यक्रम ने संकेत दिया कि समय बीतने और राजनीति में परिवर्तन के साथ ये भ्रम काफी सीमा तक गायब हो गए हैं। पहले विवादित स्थल समझे जाने वाले स्थान पर मंदिर के लिए भूमि पूजन पर सामाजिक व राजनीतिक प्रतिक्रियायें हिंदू एकता के शानदार स्तर की ओर संकेत करती हैं। मीडिया ने अत्यन्त असाधारण तरीके से अयोध्या में पूजा की सर्वोत्तम कवरेज के लिए आपस में प्रतियोगिता की। यह आश्चर्यजनक था। इससे संकेत मिला कि राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण एक राष्ट्रीय समझदारी का हिस्सा बन गया है। भारत ने पिछले एक हजार से अधिक वर्षों में जो संप्रभुता खोई थी, वह पूरी तरह वापस आ गई है। 1992 में सोलहवीं शताब्दी की रचना विध्वंस के समय न्यायपालिका समेत अवस्थापना कारसेवकों की निन्दा करने में एकजुट थी कि उन्होंने कानून अपने हाथ में लिया। आरएसएस पर थोड़े समय के लिए प्रतिबंध लगाया गया तथा भाजपा के सामान्य कामकाज पर भी असंख्य नियंत्रण लगाए गए। मंदिर आंदोलन के समर्थकों को उत्पीड़ित किया गया। पिछले सप्ताह बहुत कम विरोध सामने आया। कुछ बुद्धिजीवियों ने दु:ख प्रकट किया कि एक आपराधिक कृत्य को वैध ठहरा दिया गया। कुछ दूसरे लोगों ने एक शुद्ध रूप से धार्मिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की

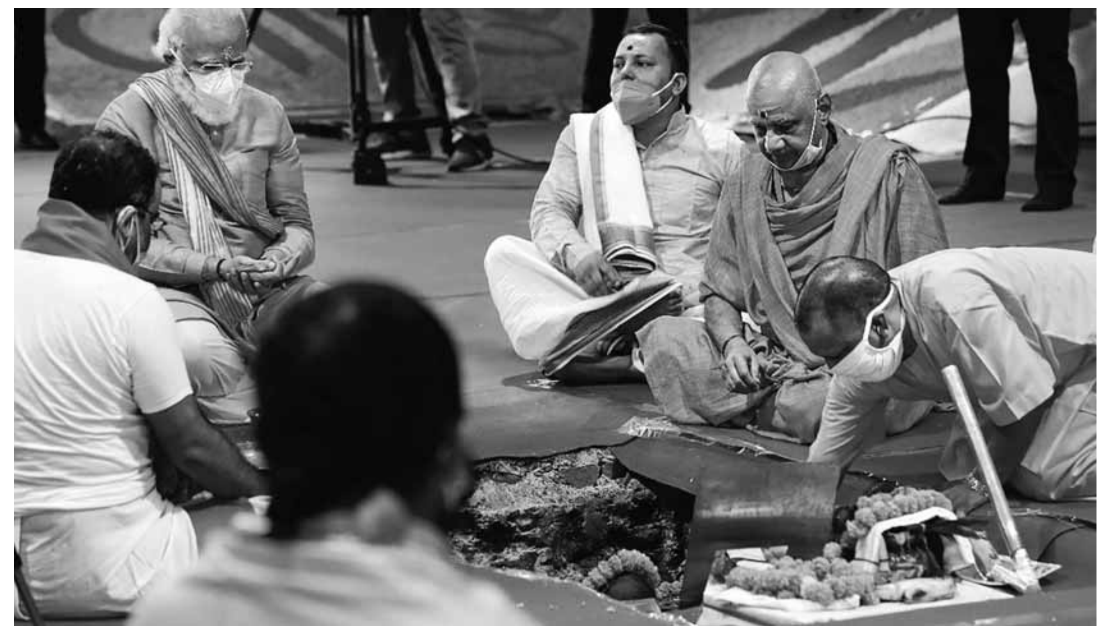

1988-89 में राम मंदिर को केन्द्रित करते हुए अत्यधिक भावनात्मक लामबंदी का हिंदू मतदाताओं पर ज्यादा प्रभाव पड़ा और कांग्रेस इसे भांप नहीं पाई। शाहबानो मामले में राजीव गांधी द्वारा फैसला उल्टे जाने, 1980 में अफगानिस्तान में युद्ध तथा ईरानी इस्लामी क्रान्ति से वैश्विक स्तर पर मुस्लिम कट्टरपंथ के विकास और अंतत: 1980 दशक के सांप्रदायिक दंगों से हिंदू राष्ट्रवाद की स्वीकार्यता बढ़ी। 1988 और 1991 के बीच चुनावों में कांग्रेस ने बिहार और उत्तर प्रदेश में हिंदुओं का समर्थन खो दिया और वह कभी इस नुकसान की भरपाई नहीं कर सकी।

सहभागिता को सेक्युलरवाद पर हमला माना। लेकिन वामपंथ के अलावा लगभग सभी गैर-भाजपा पार्टियों ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि उनको राम-विरोधी की तरह न देखा जाए। वे केवल यह कह रहे थे कि राम केवल भाजपा के न होकर सबके हैं। राम मंदिर परियोजना में भारतीय अवस्थापना की सहमति का संबंध बड़ी सीमा तक मामले में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय से है जो यदि 1885 से नहीं तो भी लगभग पिछले सात दशक से लटका हुआ था।

इसके पहले मंदिर का विरोध करने वाले राजनेता इस विवाद को कानून के क्षेत्र में बनाए रखना चाहते थे क्योंकि उनमें अंतिम निर्णय लेने की प्रतिबद्धता नहीं थी। अदालतें भी फैसला देने के पक्ष में नहीं थीं ओर वे अच्छी तरह जानती थीं कि यह केवल संपत्ति का विवाद न होकर राजनीतिक विवाद है। भाजपा ने 1989 में ही स्पष्ट रूप से राम जन्मभूमि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की थी, कांग्रेस जैसी पार्टी हिंदुओं को खुश करने और मुसलमान समुदाय को नाराज करने के बीच झूलती रही। अतीत में कांग्रेस ने बार-बार अत्यधिक चालाकी दिखाई। राजीव गांधी का व्यवहार इसका एक उदाहरण है। इसी प्रकार चीजों को अपनी गति से चलने देने का प्रदर्शन पी.वी. नरसिम्हाराव ने विध्वंस वाले दिन किया। लेकिन भाजपा के आक्रामक दृष्टिकोण के सामने उसने अपनी परंपरागत धोखाधड़ी की आदत से मुद्दे से पल्ला झाड़ने का प्रयास किया, हालांकि इसका नतीजा अच्छा नहीं निकला। जनाधार वाली राजनीतिक पार्टियों ने कभी अनेक बुद्धिजीवियों द्वारा प्रस्तावित कट्टर सेक्युलरवाद का पक्ष नहीं लिया। उन्होंने इस उम्मीद से वाक्छल करने का प्रयास किया कि यह मुद्दा समाप्त हो जाएगा।

कांग्रेस की दयनीय स्थिति का विश्लेषण किया जाना उचित होगा। स्वतंत्रता आंदोलन के समय से 1980 के दशक मध्य तक कांग्रेस हिंदुओं की स्वाभाविक पार्टी थी। हिंदू राष्ट्रवाद को गले लगाए बिना और जवाहरलाल नेहरू के अत्यधिक सेक्युलरवादी झुकाव के बावजूद उसे हिंदू चेतना में काफी स्थान प्राप्त था। इस स्थिति से वह मुस्लिम समुदाय के नेताओं, खासकर ज्यादा कट्टरपंथी तत्वों का समर्थन प्राप्त कर लेती थी जो मुस्लिम पर्सनल कानूनों में पार्टी की गैर-हस्तक्षेपकारी भूमिका से प्रसन्न थे। इंदिरा गांधी ने 1980 से 1983 तक उल्लेखनीय हिंदू-समर्थक दृष्टिकोण अपनाया था। लेकिन जहां तक मुसलमानों का सवाल था, वे ज्यादा बड़े दुश्मन भाजपा के प्रति उनकी कठोर नीतियों से खुश थे। राम जन्मभूमि आंदोलन ने हिंदू मतदाताओं में कांग्रेस की स्वीकार्यता तोड़ी। 1988-89 में राम मंदिर को केन्द्रित करते हुए अत्यधिक भावनात्मक लामबंदी का हिंदू मतदाताओं पर ज्यादा प्रभाव पड़ा और कांग्रेस इसे भांप नहीं पाई। शाहबानो मामले में राजीव गांधी द्वारा फैसला उल्टे जाने, 1980 में अफगानिस्तान में युद्ध तथा ईरानी इस्लामी क्रान्ति से वैश्विक स्तर पर मुस्लिम कट्टरपंथ के विकास और अंतत: 1980 दशक के सांप्रदायिक दंगों से हिंदू राष्ट्रवाद की स्वीकार्यता बढ़ी। 1988 और 1991 के बीच चुनावों में कांग्रेस ने बिहार और उत्तर प्रदेश में हिंदुओं का समर्थन खो दिया और वह कभी इस नुकसान की भरपाई नहीं कर सकी। आज राहुल गांधी की अनेक मंदिर यात्राओं तथा स्वयं को प्रतिबद्ध हिंदू के रूप में पेश करने के बावजूद कांग्रेस को सभी मध्यमार्गी हिंदुओं की स्वाभाविक पार्टी नहीं माना जाता है। 2014 व 2019 में दो पराजयों के बाद भारत की स्वाभाविक पार्टी के रूप में उसकी स्थिति समाप्त हो गई है। मोदी के उभार और हिंदू गौरव की भावना प्रज्वलित होने के बाद वह हाशिए पर आ गई है।

जनवरी, 1993 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के एक महीने बाद उस समय के अत्यधिक बदले मूड को भांपते हुए गिरिलाल जैन ने लिखा था, 'जब तक यह ढांचा मौजूद था, यह बाबर के प्रतिनिधित्व व राम के प्रतिनिधित्व के बीच गतिरोध प्रकट करता था। यह दुविधा स्वतंत्रता के बाद से भारतीय राज्य की दुविधा है। वास्तव में, मेरे विचार से इस ढांचे की तरह कोई अन्य ढांचा भारतीय राजनीतिक व्यवस्था की दुविधा, अनिश्चितता, विरोधाभास और उद्देश्यहीनता का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। इस ढांचे के टूटने से गतिरोध समाप्त हो गया है तथा एक नए युग की शुरुआत हुई है।' गिरिलाल जैन एक समय कांग्रेस अवस्थापना के स्तंभ थे और वे कभी हिंदू राष्ट्रवाद के पक्ष में नहीं आए। उनकी यह टिप्पणी भविष्य का अनुमान लगाने वाली थी। आने वाले वर्ष नए युग का प्रारम्भ करेंगे।

पंचायती राज संस्थाओं का ऑनलाइन ऑडिट

देवेन्दर सिंह असवाल
(लेखक लोकसभा के पूर्व अतिरिक्त सचिव हैं)

केंद्र सरकार ने पंचायती राज संस्थानों के ऑनलाइन ऑडिट की एक जीवन्त व्यवस्था बनाई है। इसकी लंबे समय से प्रतीक्षा थी। पंचायती राज संस्थाओं-पीआरआई के कामकाज में लंबे समय से पारदर्शिता और जवाबदेही की जरूरत अनुभव की जा रही थी। काफी विचार-विमर्श के बाद पंचायती राज मंत्रालय-एमओपीआर ने 2.50 लाख ग्राम पंचायतों-जीपी के खातों की जांच के लिए एक आडिटआनलाइन व्यवस्था शुरू की है। 2019-20 में इससे 50,000 जीपी में से कम से कम 20 प्रतिशत का आडिट किया जाएगा। इसकी लंबे समय से प्रतीक्षा थी क्योंकि संविधान के 73वें संशोधन के बाद जीपी को काफी शक्तियां, अधिकार और जिम्मेदारियां मिली हैं। चौदहवें वित्त आयोग की संस्तुति के बाद 2015-16 से 2019-20 के बीच पीआरआई को 2,00,292 करोड़ रुपये दिए गए हैं। चौदहवें वित्त आयोग व अन्य ने पंचायती खातों के आडिट की आवश्यकता जताई है क्योंकि इस स्तर पर खर्च में विवेक, ईमानदारी तथा निष्ठा पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। वित्त मंत्रालय ने 2015 में इस आशय के निर्देश जारी किए थे कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक-सीएजी पंचायतों व नगरपालिकाओं के अनुदानों व खर्चों की जांच करेंगे।

पंद्रहवें वित्त आयोग ने पीआरआई के तीन स्तरों के लिए 2020-21 में 60,750 करोड़ रुपये आबंटित किए हैं जिनमें जिला पंचायतें, ब्लाक पंचायतें व जीपी शामिल हैं। उसने खातों के समय पर आनलाइन आडिट पर जोर दिया है ताकि वित्तीय प्रबंधन मजबूत किया जा सके। इसलिए आडिटआनलाइन पीआरआई के खातों की आनलाइन व आफलाइन जांच की व्यवस्था करता है जिससे जनता के पैसे के उपयोग की पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित होगी। पायलट परियोजना के रूप में 20 प्रतिशत जीपी के खातों का आडिट किया जाएगा जिसे वित्त वर्ष 2021-22 में बढ़ा कर 100 प्रतिशत करने का विचार है। ईग्रामस्वराज के माध्यम से अब आनलाइन डिजिटल भुगतान व्यवस्था के कारण जीपी चौदहवें वित्त आयोग से मिले पैसे से आनलाइन भुगतान कर सकती हैं। वास्तव में 1.52 लाख जीपी इस मंच पर हैं और 1.04 लाख जीपी ने 2019-20 में आनलाइन भुगतान किए हैं। उल्लेखनीय है कि आडिटआनलाइन से रिकार्डों तक पहुंच आसान हो जाएगी जिनकी निगरानी जिला, राज्य व केन्द्र के स्तर पर हो सकेगी। इससे किए गए काम की फोटो अपलोड करना तथा परियोजनाओं की जियो टैगिंग संभव हो सकेगी ताकि उनकी भौतिक जांच व रिमोट से परिसंपत्तियों की पुष्टि हो सके। इससे खर्च घटेगा, जल्दी समीक्षा सुनिश्चित होगी तथा सटीक दस्तावेजीकरण के माध्यम से पर्यावरण का टिकाऊपन सुनिश्चित होगा। आफलाइन व्यवस्था में रिकार्डों की समय पर उपलब्धता एक बड़ी समस्या थी, पर आनलाइन आडिट व्यवस्था से आडिटर सारे दस्तावेजों को आनलाइन देख कर संस्तुति व भुगतान कर सकेंगे।

आडिटआनलाइन से खातों की आनलाइन व आफलाइन जांच संभव होगी तथा पिछले रिकार्ड रखे जा सकेंगे। यह सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होगी। इससे डिजाइनरों को केस रिकार्ड के लिए फार्म बनाना आसान होगा तथा विभिन्न रिपोर्टों को ग्राफिक्स के रूप में डाउनलोड कर उनका विश्लेषण व निगरानी संभव होगी। एक और महत्वपूर्ण तत्व यह है कि ईमेल, एसएमएस व सिस्टम आधारित एलर्ट के आधार पर निगरानी अधिकारी फौरन दर्ज

केंद्र सरकार ने एक जीवंत व बहुप्रतीक्षित व्यवस्था शुरू की है जो पीआरआई का ऑडिट कर सकेगी। राज्यों में व्यापक ऑनलाइन ट्रेंनिंग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि ऑडिटऑनलाइन के सफल क्रियान्वयन से पीआरआई की छवि में सुधार होगा और उनकी जवाबदेही बेहतर होगी। इससे भारत में बहुआयामी डिजिटल लोकतंत्र को भी बढ़ावा मिलेगा।

हो जाएंगे जिससे बेहतर निगरानी, काम के बीच में सुधार व निरंतर विश्लेषण संभव होगा। आडिटआनलाइन में राज्य के एकाउंटेट जनरलों-एजी को ज्यादा जिम्मेदारी दी गई है। एजी व सीएजी के प्रतिनिधि प्रत्येक क्षेत्र के लिए जिला स्तरीय फंड आडिटर-डीएलएफओ नियुक्त करेंगे। इस प्रकार पूरी आडिट प्रक्रिया स्पष्ट रूप से रेखांकित हो जाएगी। हर साल विचार एवं सुधारात्मक कार्रवाई के लिए 31 दिसंबर तक जीपी आडिट रिपोर्ट पेश करेंगी। हालांकि, अनेक लाभों के बजाय कुछ बाधायें व तकनीकी समस्यायें बनी हुई हैं। खाते पूरे न होने पर आनलाइन आडिट संभव नहीं होगा। इसके साथ ही इंटरनेट की बाधा से कनेक्टिविटी प्रभावित हो सकती है। पैसा खर्च होने और उसके खाते में दर्ज होने तथा खाता बंद होने के बाद ही आनलाइन आडिट संभव हो सकेगा। लेकिन केन्द्र सरकार ने एक जीवन्त व बहुप्रतीक्षित व्यवस्था शुरू की है जो पीआरआई का आडिट कर सकेगी। वास्तव में आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, मणिपुर, तेलंगाना, त्रिपुरा व उत्तराखंड ने अपने विवरण दे दिए हैं और वे इस रास्ते पर आगे बढ़ेंगे। राज्यों में व्यापक आनलाइन टेंनिंग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि आडिटआनलाइन के सफल क्रियान्वयन से पीआरआई की छवि में सुधार होगा और उनकी जवाबदेही बेहतर होगी। इससे भारत में बहुआयामी डिजिटल लोकतंत्र को भी बढ़ावा मिलेगा।

आप की बात

सामाजिक असुरक्षा का निदान हो

वैश्विक महामारी कोविड19 के कारण भारत की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा है। इसका सबसे नकारात्मक प्रभाव समाज के मध्यम वर्ग को ही पड़ा है। जिसमें से बहुत सारे लोग मजदूरी करने को मजबूर हो गए और उनकी आय में भी कोई सुधार नहीं हुआ है। हमने देखा था कि जब कोविड19 महामारी के रोकथाम हेतु लॉकडाउन हुआ था तो कई टीवी चैनलों पर घूमते मजदूर और पलायन करते मजदूरों से संबंधित खबरों की संख्या में बहुत उछाल था परंतु अब इनकी चिंता कहीं नहीं है। बताते चलें कि रिवर्स माइग्रेशन दशक में सबसे ज्यादा इस साल देखने को मिला है जहां पर लोग नौकरी करने अपने गांव से शहर की तरफबढ़े परंतु द्वारा शहर से गांव की तरफ आ रहे हैं। भारतीय संविधान की मुख्य विशेषता एक कल्याणकारी समाज को बनाना है। संविधान की प्रस्तावना और राज्य के नीति निर्देशक तत्व मैं यह विदित है कि हमारा लक्ष्य केवल कल्याणकारी समाज को स्थापित करना है। इतना ही नहीं बल्कि सस्टेनेबल विकास हेतु एक एजेंडा भी तैयार है। परंतु इसी बीच मजदूरों के पलायन से कहीं ना कहीं सामाजिक असुरक्षा का विषय भी आता है।

सुदर्शन सोराड़ी, नैनीताल

राष्ट्रवाद का उभार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों राम मंदिर का शिलान्यास सिर्फ मंदिर आंदोलन का उसकी तार्किक परिणति तक पहुंचना भर नहीं है। लक्ष्य था देश की राजनीतिक मुख्यधारा को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के विचार के इर्दगिर्द संचालित करने का। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राजनीतिक इकाई के तौर पर बीजेपी ने तीन बड़े लक्ष्य अपने सामने रखे थे- राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण, समान आचार संहिता और अनुच्छेद 370 का खात्मा। यह भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के राजनीतिक मुख्यधारा बन जाने का सबूत है कि पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाने के एक सवा साल के अंदर ही बीजेपी तीनों लक्ष्यों को साध लेने का दावा करने की स्थिति में आ गई है। कोरोना के भीषण प्रकोप के बीच भी शिलान्यास का कार्यक्रम संपन्न होना बताता है कि मंदिर निर्माण को अपने अंतिम बिंदु तक ले जाने में विघ्न नहीं आएगा। एक बार में तीन तलाक कहने की कुप्रथा को दंडनीय अपराध घोषित करके यह सरकार समान आचार संहिता की तरफ भी एक ठोस कदम आगे बढ़ा चुकी है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की मजबूत जमीन तैयार करके सत्ता हासिल करने और फिर उसके इर्दगिर्द एक बड़ा सामाजिक मतैक्य निर्मित करने में बीजेपी दुनिया की अन्य समान धाराओं के मुकाबले कहीं ज्यादा सफल है।

डॉ. हेमन्त कुमार, भागलपुर

सोना-चांदी के चढ़ते भाव

इस समय सोना चांदी के भाव लगातार आसमान छूते नजर आ रहे हैं। महीने में दोनों धातुओं ने जो बढ़त पकड़ी है उससे लगता है कि इनमें भावों को लेकर प्रतिस्पर्धा हो रही हो। लगातार बढ़ रहे भाव से अब आम आदमी इसकी खरीद से पीछे हट गया है। बढ़ते भाव से इनके बने गहने पहनने वाले भी अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। एक जमाना था जब सोना चांदी लोग शादी विवाह या लेनदेन के लिए ही खरीदते थे। भाव भी इतना कम था कि आसानी से उसे छोटे से छोटा आदमी भी खरीद लेता था। पिछले 10 सालों में इन दोनों धातुओं को महंगाई की नजर लगी। चढ़ते भाव इतने ऊपर हो गए कि गरीब आदमी तो खरीदी से बाहर हुआ ही मध्यमवर्गीय भी इससे घबराने लगा है। महज एक माह में चांदी का भाव 71000 प्रति किलो एवं सोना 56000 प्रति तोला हो गया है। पिछले 5 सालों में यह इन दोनों धातुओं का उच्चतम भाव है। लगातार बढ़ते भावों से अब हाथ, गले, पैर आदि में पहने जाने वाले आभूषण जान के दुश्मन बनते दिख रहे हैं। पता नहीं कब कौन इन्हें झपट ले और जान पर बन आए।

अमृतलाल मारू, धार, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

रक्षा मंत्रालय आत्मनिर्भर भारत पहल को आगे बढ़ाने के लिए अब बड़े कदम उठाने को तैयार है। सरकार देश में रक्षा संबंधी निर्माण बढ़ाने के लिए 101 सामग्रियों के आयात पर रोक लगाएग

- **राजनाथ सिंह**, रक्षा मंत्री

कांग्रेस के लक्ष्यहीन और दिशाहीन होने की लोगों में बढ़ती धारणा को खत्म करने के लिए इसे एक पूर्णकालिक अध्यक्ष ढूंढ़ने की प्रक्रिया अवश्य ही तेज करना चाहिए।

- **शशि थरूर**
कांग्रेस नेता

दिल्ली का स्कूल शिक्षा बोर्ड नई शिक्षा नीति में बताए गए सुधारों के अनुरूप होगा। इसमें साल के अंत में होने वाली परीक्षाओं से ध्यान हटाया जाएगा।

-**मनीष सिसोदिया**
उप मुख्यमंत्री, दिल्ली

एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड से किसानों का होगा विकास: केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसान सम्मान निधि के तहत 8.5 करोड़ किसानों के लिए 17000 करोड़ रुपए की धनराशि की छठवीं किस्त जारी करने पर प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताया है और कहा है कि इससे किसानों की स्थिति सुदृढ़ होगी और वह स्वावलंबी तथा आत्मनिर्भर हो सकेंगे।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों के लिए सबसे अच्छा और अधिक काम किया। कोरोना संकटकाल में भी किसानों की मदद के लिए खजाने का मुंह खोला गया। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हल छठ के पुनीत अवसर पर किसान हितों को सर्वोपरि रखते

हुए देश में खेती से जुड़ी सुविधाएं तैयार करने के लिए एक लाख करोड़ का विशेष फंड लांच किया गया है। इससे किसानों का चहुंमुखी विकास होगा और किसानों की आर्थिक, शैक्षिक व सामाजिक स्थिति दुदृढ़ होगी और रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आत्म निर्भर भारत अभियान के तहत प्रधानमंत्री द्वारा उठाए गए कदम बहुत ही सराहनीय हैं। इससे किसानों और खेती से जुड़े लोगों की समस्याओं का निश्चित रूप से समाधान होगा। इस फंड के लांच होने से किसान अपने स्तर पर भी गांव में भंडारण की आधुनिक सुविधा बना पाएंगे। विशेष तौर से फूड प्रोसेसिंग से जुड़े उद्योगों को इस योजना से लाभ मिलेगा और आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत हर जिले को ओडीओपी के तहत भी लाभ मिलेगा तथा तथा किसान उत्पादों को देश और दुनिया की मंडियों में ले जाने में सफल होंगे इससे छोटे किसानों को विशेष तौर से लाभ होगा। खेती के साथ साथ पशुपालन, मत्स्य पालन बागवानी आदि को भी प्रोत्साहन मिलेगा और देश की तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

कांग्रेस ने शुरू किया आज़ादी मेरा अभिमान कार्यक्रम

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश में सत्ता पक्ष के खिलाफ आज़ादी मेरा अभिमान चलाने जा रही है। कांग्रेस के इस अभियान में यूथ कांग्रेस, सेवा दल, एनएसयूआई, अल्पसंख्यक कांग्रेस संयुक्त अभियान में शामिल होंगे। इस अभियान के तहत कांग्रेस पार्टी 9 अगस्त से 20 अगस्त तक सिलसिलेवार कार्यक्रम का आयोजन कर प्रदेश की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर हमलावर होगी। इस कार्यक्रम के तहत कांग्रेस पार्टी ने अभियान कैलेंडर जारी किया है। कांग्रेस कि इस अभियान कैलेंडर के तहत 9 अगस्त को कार्यक्रम का शुभारंभ सोशल मीडिया अभियान आज़ादी मेरा अभिमान की प्रोफाइल पिक्चर और कवर फोटो लगाना, 15 अगस्त को ध्वजारोहण एवं प्रभात फेरी, 16 से 19 अगस्त आजादी मेरा अभिमान सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का प्रचार व रजिस्ट्रेशन जारी, 20 अगस्त को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गाँधी की जयंती पर आज़ादी मेरा अभिमान ऑनलाइन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजन किया जाएगा।

श्रीराम मंदिर पर डाक टिकट की धूम विदेशों तक

● पांच अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर माडल पर अयोध्या में जारी किया था डाक टिकट

संवाददाता। अयोध्या

भगवान श्री राम की जन्म स्थली अयोध्या में 5 अगस्त को श्रीराम लला के भव्य मंदिर भूमि पूजन के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान राम के जीवन और राम मंदिर के मॉडल पर आधारित एक डाक टिकट जारी किया था। जिसकी मांग भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी है। लोग इसे सहेजकर रखने के लिए खरीद रहे है ताकि वे आने वाली पीढ़ियों को वे इसे दिखा सकें। डाक विभाग के पास इसकी 60 हजार प्रतियां उपलब्ध थीं। चार दिनों में अयोध्या शोध संस्थान ने 5 हजार टिकट खरीदे हैं। इसके लिए 12 लाख रुपए डाक विभाग को अदा किए गए है और 500 टिकट डाक ऑफिस लखनऊ.अयोध्या से खरीदे गये। केके यादव पोस्टल सर्विसेज मुख्यालय में लखनऊ क्षेत्र के डायरेक्टर ने बताया कि डाक टिकट को लेकर लगातार देश.विदेश से फोन कॉल्स आ रहे हैं। कारपोरेट माई स्टैंप के तहत बने कस्टमाइज्ड डाक टिकटों की कुल अब तक 5500 टिकट की बिक्री हो चुकी है। उन्होंने बताया किए 5 हजार शीट प्रिंट कराए गए है। एक शीट पर कुल 12 डाक टिकट है और एक स्टाम्प की कीमत 25 रुपए है। कुल मिलाकर एक सीट की कीमत भारतीय डाक विभाग ने तीन सौ रुपए तय की है। डाक टिकट का मामला आस्था से जुड़ा होने के कारण इसकी डिमांड काफी बढ़ गई है। डिमांड सिर्फ लखनऊ अयोध्या या देश के कोने.कोने से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी आ रही है। केके यादव ने बताया किए पहला डाक टिकट सामान्य होता हैं जो किए काउंटर से खरीदा जाता है, जो एक बार नहीं हजार बार छपता है। दूसरा स्मारक डाक टिकट होता है। यह टिकट किसी की याद में जैसे किसी व्यक्ति व स्थान या संस्थान के नाम से किया जाता हैं। यह डिमांड पर छापा जाता है। तीसरा टिकट कॉरपोरेट टिकट होता है, जो राम मंदिर से जुड़ा है। जिसकी लिमिटेड प्रतियां ही जारी की जातीए जो कि ऐतिहासिक होता है। टिकट को यादगार के लिए प्रयोग किया जाता है।

विधानमंडल सत्र की तैयारी पूरी, एक सीट छोड़कर बैठेंगे विधायक

लखनऊ। बीस अगस्त से शुरू हो रहे विधान मंडल सत्र को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। इस सत्र में कोविड महामारी को लेकर जारी की गई गाइड लाइन का पूरा पालन किया जा रहा है। इस दौरान यूपी पहला ऐसा राज्य होगा जहां पर महामारी के दौरान विधायी कार्य के लिए मानसून सत्र आहूत किया जा रहा है। हालांकि इससे पहले मध्य प्रदेश में विश्वास मत हासिल करने के लिए सत्र बुलाया गया था। अभी हाल ही में विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने सत्र को लेकर विपक्षी दलों के नेताओं के साथ बैठक की थी जिसमें कोविड को देखते हुए कई निर्णय लिए गए थे। मसलन पूर्व सदस्यों का पास इस बार स्थगित रहेगा और मौजूदा सदस्य लाबी में भी बैठेंगे। इस बारे में स्पीकर ने बताया कि मानसून सत्र में कोविड की गाइड लाइन का पालन करते हुए कई नई बाते सामने आएंगी जो अलग होंगी। सदन में हर सदस्य एक सीट छोड़कर बैठेगा और कुछ सदस्यों को लॉबी में बैठाया जाएगा जबकि दर्शक दीर्घा में भी सामाजिक दूरी का ध्यान रखते हुए सदस्यों के बैठने का इंतजाम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सदन में दाखिल होने से पहले हर सदस्य की थर्मल स्क्रीनिंग होगी। सभी सदस्यों को निर्देशित किया गया है कि वह मास्क के साथ-साथ अन्य आवश्यक सतर्कता और सुरक्षा के प्रबंध करके सदन में आए। जहां तक सदन में एयर कंडीशनर चलाए जाने का सवाल है तो यह केंद्र सरकार द्वारा तय मानकों के हिसाब से किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने सभी दलों के नेताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि ऐसे मुश्किल वक्त में आहूत किए जा रहे सत्र के दौरान सभी पार्टियां परस्पर सहयोग और समन्वय की भावना से काम करेंगी और कोरोना वायरस संक्रमण संबंधी प्रोटोकॉल का पूरा पालन किया जाएगा।

सपा से बड़ी परशुराम की प्रतिमा लगवाएगी बसपा: मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले जातिवाद की सियासत अभी से शुरू हो गई है। समाजवादी पार्टी के बाद अब बहुजन समाज पार्टी ने ब्राह्मण कार्ड खेल दिया है। समाजवादी पार्टी द्वारा ब्राह्मण समाज की आस्था के प्रतीक परशुराम की प्रतिमा लगाने की घोषणा के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा से भी बड़ी परशुराम प्रतिमा लगाने का ऐलान कर दिया है।

रविवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि किसी भी महापुरुष को लेकर राजनीति नहीं होनी चाहिए, वह किसी की जागीर नहीं होते हैं। लोग अपने कर्म से महापुरुष का दर्जा पाते हैं। मायावती ने कहा कि उन्हें अपने कार्यकाल में ही परशुराम की प्रतिमा

लगवा लेनी चाहिए थी। लेकिन चुनाव आने से पहले समाजवादी पार्टी ब्राह्मण वोटों के खातिर मूर्ति लगाने की बात कह रही है, जिससे पता चलता है कि सपा की हालत प्रदेश में कितनी खराब है। बसपा मुखिया ने कहा कि हम तो परशुराम की उनसे भी बड़ी प्रतिमा लगाएंगे। उन्होंने घोषणा की कि उत्तर प्रदेश की सत्ता में वापसी करने पर बसपा भगवान परशुराम के नाम पर अस्पताल व साधु संतों के ठहरने के लिए स्थल बनवाएगी। मायावती ने कहा कि ब्राह्मण समाज को बसपा पर पूरा भरोसा है, जैसा कि हमने उन्हें उचित प्रतिनिधित्व दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी सिर्फ समाजवादी पार्टी की तरह बात नहीं करती है बल्कि करके दिखाती है। हमारी पार्टी हर समाज, जाति, धर्म के संतों, महापुरषों को पूरा सम्मान देती है।

उन्होंने सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि बसपा सरकार ने महान संतों के नाम पर कई जनहित योजनाएं शुरू की थीं और जिलों के नाम रखे थे, लेकिन जातिवादी मानसिकता और द्वेष की भावना से सपा ने इन्हें बदल दिया। 2022 में बसपा सरकार बनने पर इन्हें फिर बहाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चार बार बनीं बसपा की सरकार में सभी वर्गों के महान संतों के नाम पर अनेक जनहित योजनाएं शुरू की गई थीं जिसे बाद में आई समाजवादी पार्टी की सरकार ने अपनी जातिवादी मानसिकता व द्वेष की भावना के चलते बदल दिया।

अयोध्या के राम मंदिर को लेकर सियासत न करने की नसीहत देते हुए मायावती ने कहा कि राम लोगों की आस्था से जुड़ा मुद्दा है। इस पर किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अच्छा होता कि अगर पांच अगस्त को राम मंदिर भूमि पूजन के समय पीएम मोदी अपने साथ दलित समाज से आने वाले देश के राष्ट्रपति को साथ लेकर अयोध्या जाते। उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना के खिलाफकेंद्र व राज्य की सरकारें पूरी तरह से कामयाब नहीं रही हैं। उनके प्रयासों में कमी रही है। यूपी में जंगलराज चल रहा है। यदि रामराज्य होता तो जंगलराज नही होता।

पैक्स योजना से सहकारी समितियां होंगी मजबूत: मुकुट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सहकारिता क्षेत्र में अवसंरचना के विकास के लिए प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में कृषि अवसंरचना कोष का शुभारंभ रविवार को किया । इस कार्यक्रम का वेबकास्ट प्रसारण नाबार्ड उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय में किया गया। इस मौके पर सहकारिता मंत्री मुकुट बिहार वर्मा मौजूद थे। सहकारिता मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान नाबार्ड की पैक्स को बहु सेवा केंद्रों के रूप में परिवर्तित करने हेतु योजना से सम्बंधित सैद्धांतिक मंजूरी पत्र उत्तर प्रदेश सहकारी बैंक को अपने कर कमलों से प्रदान किया। इसके अंतर्गत 244 पैक्स को पुनर्वित्त सहायता प्रदान की जायेगी जिसकी कुल परियोजना लागत रु 46 करोड़ होगी और बैंक ऋण 42 करोड़ रुपए होगा। इस अवसर पर संबोधित करते हुए मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा ने इस योजना को प्रारम्भ करने के लिए नाबार्ड की भूरी भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कई पहलें की गई तथा सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि किसानों की आवश्यकतावों की पूर्ति हेतु पैक्स एक मजबूत प्लेटफार्म के रूप में उभरेगा। इस उद्देश्य की पूर्ती हेतु राज्य सरकार नाबार्ड के साथ पेक्स को बहु सेवा केंद्र के रूप में परिवर्तित करने के लिए समन्वित प्रयास करेगी। शंकर पांडे मुख्य महा प्रबंधक नाबार्ड ने सूचित किया कि इस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सरकारी बैंक को 3 प्रतिशत रियायती दर पर नाबार्ड द्वारा पुनर्वित्त उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत पैक्स के द्वारा दिये जाने वाला ब्याज 4 प्रतिशत से अधिक नही होगा।

अवर अभियंताओं के संवर्ग की समस्याओं का निराकरण न होने पर रोष

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● ऑनलाइन कंप्लेन पोर्टल में आ रही व्यवहारिक कमियों का निराकरण करने की मांग

राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन की केंद्री कार्यकारिणी की समिति की बैठक आन लाइन आयोजित की गई। बैठक में कोरोना के बीच पावर कारपोरेशन प्रबन्धन द्वारा लाइन लॉस कम करने के नाम पर लोगों के संपर्क में जाने को मजबूर कर जान जोखिम में डालने के आदेश पर अवर अभियंता संवर्ग के सदस्यों ने भारी रोष व्यक्त किया गया। संगठन के केंद्रीय प्रचार सचिव अरविंद झा ने बताया कि अवर अभियन्ता संवर्ग ने झटपट पोर्टल, निवेश मित्र पोर्टल एवं ऑनलाइन कंप्लेन पोर्टल की व्यवहारिक कमियों को विस्तार से इंगित करते हुए उसमें आवश्यक सुधारों के बारे में विचार विमर्श किया। प्रदेश के वितरण, पारेषण, उत्पादन निगम में बुनियादी सुविधाओं एवं मटीरियल की भारी कमी के कारण बेहतर उपभोक्ता सेवा, पारेषण उपकेंद्रों, उत्पादन गृहो के अनुरक्षण में आ रही व्यवहारिक समस्याओं पर चर्चा की तथा आवश्यक मैन, मैटीरियल एवं मनी की उपलबधता सुनिश्चित करने के लिए प्रबन्धन से आवश्यक कदम उठाने की मांग की गयी। अवर अभियंता संवर्ग को एसीपी व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त अधिकारों का प्रबंधन द्वारा मन माने ढंग से व्यख्या करके समाप्त करने के प्रयास का जोरदार विरोध किया गया। बैठक में इलेक्ट्रिसिटी संशोधन बिल 2020 एवं पूर्वांचल निगम के निजीकरण का विरोध करते हुए आंदोलन करने का निर्णय किया गया। साथ ही पावर कारपोरेशन के प्रबन्ध निदेशक द्वारा अभियन्ताओं के बड़े पैमाने पर किये जा रहे उत्पीड़न, लगातार एवं असमय की जा रही वीसी, उनके विरूद्ध कराई जा रही अनावश्यक जांचों आदि तमाम उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों को तत्काल निरस्त करने की मांग की गयी। संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष जीवी पटेल एवं केंद्रीय महासचिव ई जय प्रकाश ने कहा कि अवर अभियंताओ के विरूद्ध कराई जा रही अनावश्यक जांचों आदि तमाम उत्पीड़नात्मक एवं भयादोहन वाली कार्य प्रणाली तथा अवर अभियंता संवर्ग को एसीपी व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त अधिकारों का प्रबंधन द्वारा मन माने ढंग से व्यख्या करके समाप्त करने के प्रयास को समाप्त करने के लिए पावर कारपोरेशन के उच्च प्रबंधन के सम्मुख रखा गया है।

कांग्रेस ने लोकतंत्र से खिलवाड़ किया तो भाजपा ने कमजोर किया: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सन् 1942 की अगस्त क्रान्ति की अवधारणा अंग्रेजों भारत छोड़ो के आधार पर सन् 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर वैचारिक आंदोलन से स्वतंत्रता संग्राम के सपनों को साकार करने का लक्ष्य है। इसके लिए समाजवादी पार्टी जमीनी स्तर पर संघर्षरत हैं । उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की मान्यता है कि पूंजीवाद के विरूद्ध समाजवादी व्यवस्था को अपनाकर ही भारत आत्मनिर्भर बन सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर लोकतंत्र से खिलवाड़ किया तो भाजपा ने भी सम्पूर्णक्रांति के लक्ष्य को कमजोर किया है। भाजपा ने समाज को बांटने और नफरत फैलाने का काम किया है। देश के समक्ष आज जो गम्भीर समस्याएं हैं उनका हल पूंजीवादी व्यवस्था से नहीं, समाजवादी व्यवस्था से होगा। देश में विचारधाराओं का भी संघर्ष है। एक

तरफ लोकतंत्र है तो दूसरी तरफ अपने को सर्वोपरि दिखाने की एकाधिकारी मानसिकता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को जनता के नाम अगस्त क्रांति की समाजवादी दिशा-बाइस में बाइसिकल पत्र को डिजिटली जारी करने के दौरान कही। उन्होंने इसकी पीडीएफ फाइल सर्वप्रथम समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव एवं सांसद प्रो. रामगोपाल यादव तथा जया बच्चन सांसद को भेजी। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल तथा सदस्य विधान परिषद एसआरएस यादव उपस्थित थे। सपा प्रवक्ता ने बताया कि 9 अगस्त 1942 को गांधी के आव्हान पर अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की शुरूआत हुई थी। 8 अगस्त 1942 को रात में भारत छोड़ों प्रस्ताव पारित हुआ था। गांधी जी ने इस मौके पर करो या मरो का मंत्र दिया। उन्होंने हर हिन्दुस्तानी से यह भी कहा था कि वह अपने को आजाद समझे। हरेक को अपना नेता बनकर अपना कार्यक्रम बनाकर युद्ध को चलाना होगा। अखिलेश यादव ने गांधी के उक्त उद्बोधन को समाजवादी पार्टी के हर कार्यकर्ता, नेता, पदाधिकारी के लिए मार्गदर्शन का प्रेरक संदेश बताते हुए कहा है कि सन् 2022 में परिवर्तन के लिए खुद से ही हर समाजवादी कार्यकर्ता को पहल करनी होगी। सन् 2022 में समाजवादी सरकार का काम जनता के नाम का उद्घोष होगा। श्री यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से सन् 2022 के लिए अपनी तैयारियों में कोई कसर नहीं रखने और लोकतंत्र को बचाने के सघन अभियान में सभी की एकजुटता और निष्ठा के साथ अनवरत सक्रियता की अपेक्षा की है। अखिलेश यादव के अनुसार जिस तरह समाजवादियों ने अगस्त क्रांति के दौरान अग्रणी भूमिका अदा की थी उसी तरह आज भी उनकी स्वर्णिम परम्परा को आगे बढ़ाते हुए हम सभी एकजुट होकर संवैधानिक मूल्यों तथा लोकतांत्रिक मान्यताओं को बचाने की भूमिका निभाएंगे। श्री यादव ने कहा कि महात्मा गांधी, राममनोहर लोहिया, लोकनायक जयप्रकाश नारायण, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर तथा चौधरी चरण सिंह जैसे नेताओं ने जो सपने देखे थे, वे अधूरे रह गए हैं।

25 हजार का इनामी अपराधी गिरफ्तार

लखनऊ। एसटीएफ ने अलीगढ़ से थाना अनूपशहर जनपद बुलन्दशहर से वांछित 25 हजार के पुरस्कार घोषित अपराधी पुष्पेन्द्र उर्फ हिमांशु को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ के अनुसार पुरस्कार घोषित अपराधियों को पकड़ने के लिए एसटीएफ टीम को सूचना मिली कि पुष्पेन्द्र उर्फ हिमांशु निवासी सहेरिया थाना अहार बुलन्दशहर अपने पैर का इलाज कराने के लिए अलीगढ़ में पृथ्वीराज हास्पिटल में जायेगा। इस सूचना पर एसटीएफ मेरठ की एक टीम ने पृथ्वीराज हास्पिटल, अलीगढ़ की घरोबन्दी की गयी। इसी दौरान मुखबिर द्वारा इशारा करके बताया कि जो व्यक्ति हास्पिटल के सामने छीटदार नीले रंग की टी शर्ट व छीटदार हाफनेकर पहने खड़ा हैं। यह वही अपराधी पुष्पेन्द्र हैं। इस पर एसटीएफ मेरठ टीम ने पुष्पेन्द्र को आवश्यक बल प्रयोग कर गिरफ्तार कर लिया। संक्षिप्त पूछताछ में अभियुक्त पुष्पेन्द्र ने बताया कि वह 2015 में गैस गोदाम से गैस सिलेण्डर चोरी के आरोप में पहली बार जेल गया था।

बाढ़ प्रभावित जिलों की ड्रोन से होगी निगरानी

● बलिया में तटबंध के कटने तथा रिंग बांध में दरार के चलते आसपास के गांवों के डूबने का खतरा

● सर्च एवं रेस्क्यू के लिए एनडीआरएफकी 15 टीमें तथा एसडीआरएफ व पीएसी की 7 टीमें तैनात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य के अनेक जिलों में बाढ़ के लगातार बिगड़ते हालात को देखते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रभावित जिलों की ड्रोन से निगरानी करने के निर्देश दिये हैं। तटबंधों के कटान की आशंका के चलते राज्य सरकार लगातर पोट्रोलिंग कराने का फैसला पहले ही ले चुकी हैं। उधर बलिया में तटबंध के कटने तथा रिंग बांध में दरार के चलते आसपास के गांवों के डूबने का खतरा उत्पन्न हो गया है। यह जानकारी पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री अनिल राजभर ने रविवार को लोकभवन में मीडिया से बातचीत के दौरान दी। उन्होंने बताया कि बताया कि बाढ़ प्रभावित में ड्रोन एवं स्थलीय पेट्रोलिंग के माध्यम से 24 घंटे निगरानी के निर्देश दिये गये हैं ताकि आवश्यक रिपेयर सामग्री की उपलब्धता कराने के साथ साथ किसी प्रकार की क्षति को होने के पूर्व ही उसे रोका जा सके। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी को बाढ़ राहत कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता पर लेने के निर्देश दिये गये हैं। जिलों के मध्य आपसी क्षेत्रों में स्थित विभिन्न बांधो जलाशय से पानी छोड़े जाने की सूचना निरन्तर जानकारी रखने के साथ साथ बाढ़ से बचाव हेतु समस्त तैयारियों के दुरुस्त रखने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि पशुओं के आहार हेतु पर्याप्त चारा, भूसा आदि की पर्याप्त व्यवस्था रखने के निर्देश दिये गये हैं।

श्री राजभर ने बताया कि तहसील बैरिया में घाघरा नदी के दायें तट पर स्थित बकुलहा संसार टोला तटबंध के मध्य निर्मित टी स्पर के नोज भाग के अपस्ट्रीम में स्लोप क्षतिग्रस्त हो गया है। कटान को रोकने हेतु तुरन्त सीमेंट की खारी बारी में ब्रिक रोड़ा भर कर गैवियान रोप में डालकर फ्लड फाईटिंग का कार्य कराया जा रहा है। कटान स्थल पर जीआई वायर क्रेट में बोल्डर डालकर कटर निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। तटबंध एवं टी स्पर की सतत निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि बलिया में ही तहसील बैरिया में घाघरा नदी के दांये तट पर स्थित कोटवा सुल्तानपुर रिंग बांध के मध्य स्थित ग्राम खादीपुर, कोटवा, सुल्तानपुर एवं ताहिरपुर जो बंधे से सटे हैं वहां घाघरा नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण रिंग बांध में जगह.जगह सीपेज हो रही है एवं बंधे पर पानी के अत्यधिक दबाव चलते कटान हो रही है। सीपेज को बन्द कराते हुए बाढ़ बचाव कार्य हेतु सीमेन्ट की खाली बोरी में ब्रिकरोरा तथा लोकल अर्थ नायलान क्रेट में डालकर बाढ़ बचाव का कार्य किया जा रहा है।

श्री राजभर ने बताया कि प्रदेश के वर्तमान में सभी तटबंध सुरक्षित है। प्रदेश में बाढ़ के संबंध में निरन्तर अनुश्रवण का कार्य किया जा रहा है। कहीं भी किसी प्रकार की चिंताजनक परिस्थिति नहीं है। प्रदेश के बाढ़ प्रभावित जनपदों मे सर्च एवं रेस्क्यू हेतु एनडीआरएफ की 15 टीमें तथा एसडीआरएफ व पीएसी की 7 टीमें इस प्रकार कुल 22 टीमें तैनाती की गयी है। 780 नावें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगायी गयी है। श्री राजभर ने बताया कि बाढ़ पीड़ित परिवारों को खाद्यान्न किट का वितरण कराया जा रहा है। श्री राजभर ने बताया कि बाढ की आपदा से निपटने के लिए प्रदेश में 283 बाढ़ शरणालय तथा 715 बाढ़ चैकी स्थापित की गयी है।

काकोरी क्रान्ति की वर्षगांठ पर शहीदों को अर्पित किए गए श्रद्धा सुमन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

काकोरी क्रांति की 95 वीं वर्षगांठ पर भारतीय नागरिक परिषद की ओर से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संगोष्ठी आयोजित कर काकोरी क्रान्ति के अमर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। संगोष्ठी की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश अग्निहोत्री ने की और संगोष्ठी के मुख्य वक्ता ऑल इंडिया पावर इंजीनियर फेडरेशन के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने काकोरी क्रांति का विस्तृत विवरण देते हुए क्रांतिकारियों की अमर कथा सुनाई।

परिषद की महामंत्री रीना त्रिपाठी ने संगोष्ठी का संचालन किया। शैलेंद्र दुबे ने कहा कि काकोरी क्रान्ति ने ब्रिटिश हुकूमत को बुरी तरह हिला कर रख दिया था क्योंकि सरकारी खजाना लूटकर क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश तख्त को सीधी चुनौती दी थी। काकोरी में किसी अंग्रेज को नही मारा गया किन्तु ब्रिटश तख्त इतनी दहशत में आ गया था कि उन्होंने चार क्रांतिकारियों को फाँसी दी। उन्होंने कहा की नई पीढ़ी की देश, धर्म, इतिहास और परंपरा के विषय में अज्ञानता तथा भौतिकता के प्रति अत्यधिक झुकाव को देखते हुए अब यह और अधिक जरूरी हो गया है कि उन्हें भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने जीवन का बलिदान करने वाले महान क्रांतिकारी का परिचय दिया जाए। रीना त्रिपाठी ने कहा किसी भी देश की स्वतंत्रता से संबंधित वास्तविक घटनाक्रम और तथ्य जितनी शीघ्रता से प्रकाश में लाया जाए उसका उतना ही अधिक सकारात्मक लाभ देश की जनता को सही मार्ग खोजने में मिलता है, पर दुर्भाग्य है कि स्वतंत्रता के 73 वर्ष व्यतीत हो जाने के बावजूद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का सही विवरण अभी तक देशवासियों के सामने नहीं आ सका है। भारतीय नागरिक परिषद ने इसी कार्य को करने का बीड़ा उठाया है और इस प्रकार के कार्यक्रम भारतीय नागरिक परिषद विगत 10 वर्ष से कर रहा है।

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह आत्मनिर्भर भारत में प्रमुख भूमिका निभाएगा: मोदी

भाषा। नई दिल्ली

चेन्नई और पोर्ट ब्लेयर के बीच समुद्र के भीतर बिछाई गई केबल संपर्क सुविधा (ओएफसी) के उद्घाटन से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इससे अंडमान निकोबार द्वीपसमूह को डिजिटल माध्यम से देश और दुनिया से जुड़ने में अब कोई समस्या नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि यह द्वीपसमूह आत्मनिर्भर भारत में प्रमुख भूमिका निभाएगा। केंद्रशासित प्रदेश के विकास के लिए केंद्र सरकार की ओर से उठाए गए विभिन्न कदमों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि नए भारत के निर्माण के लिए पूरे देश का संतुलित विकास आवश्यक है और इसी को ध्यान में रखकर उनकी सरकार काम कर रही है।

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के भाजपा कार्यकर्ताओं से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संवाद करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि यह द्वीपसमूह आत्मनिर्भर भारत और नए भारत के विकास और उसकी सुरक्षा में प्रमुख भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, नए भारत के निर्माण के लिए पूरे देश का संतुलित विकास आवश्यक है। हमने सुनिश्चित किया है कि सरकार भले ही एक जगह से काम करती हो लेकिन उसके कार्यों का लाभ देश के कोने-कोने तक पहुंचना चाहिए। सरकार के कार्यक्रमों का लाभ समाज की आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति ही नहीं, बल्कि देश के आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति को भी मिलना चाहिए। तरफ हम गरीबों के घर, शौचालय, रसोई गैस, पीने का पानी, बिजली, मोबाइल, इंटनरनेट, सड़क, रेल कनेक्टिविटी जैसी बहुत ही मूल ज़रूरतों को पूरा कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ मेगा और आधुनिक परियोजनाओं पर भी तेज़ी से काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस अंडमान निकोबार द्वीप समुह ने भारत की आज़ादी के आंदोलन को ताकत दी उसकी आत्मनिर्भर भारत के लिए, नए भारत की रक्षा-सुरक्षा और समृद्धि के लिए भी व्यापक भूमिका है। उन्होंने कहा, इसी को समझते हुए 2017 में ही द्वीप समूह विकास एजेंसी का गठन किया गया था। ब्लू इकॉनॉमी के लिहाज़ से, व्यापार के लिहाज से अंडमान और निकोबार रणनीतिक ठिकाने पर स्थित है। यह चेन्नई बंदरगाह, कोलकाता बंदरगाह और बांग्लादेश के मोंगला बंदरगाह सहित कई बंदरगाहों से बहुत बराबरी की दूरी पर स्थित है। उन्होंने कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के 12 द्वीपों का चयन किया गया है जहां उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं का विस्तार किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि चेन्नई और पोर्ट ब्लेयर के बीच समुद्र के भीतर बिछाई गई केबल संपर्क सुविधा (ओएफसी) से अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में मोबाइल और लैंडलाइन दूरसंचार सेवाएं बेहतर होंगी। उन्होंने कहा, इंटरनेट कनेक्टिविटी में बहुत बड़ा सुधार हो जाएगा। नेटवर्क की समस्या की चर्चा बार-बार आती है उसका भी समाधान होगा।

पटना में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार फ्लाई ओवर का उद्घाटन करने के बाद निरीक्षण करते हुए

जनजाति क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं रखी जाएगी: गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए योजनाएं बनाने में राज्य सरकार ने कोई कमी नहीं रखी है। गहलोत विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को जैसलमेर से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से 127.85 करोड़ रुपए के 41 कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण के बाद संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने जनजाति क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 98.76 करोड़ रुपए के 28 कार्यों का शिलान्यास और 29.09 करोड़ रुपए के 13 कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि टीएसपी क्षेत्र सहित टाडा और माडा क्षेत्र में विकास कार्यों को बढ़ावा दिया जा रहा है। बिखरी हुई आबादी के विकास में आगे भी कोई कमी नहीं रखी जाएगी। भरोसा दिलाया कि जनजाति क्षेत्रों सहित पूरे प्रदेश में बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सड़कों के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

जैसलमेर में जनजाति छात्रों के लिए 50 बिस्तरों की क्षमता का छात्रावास खोलने की भी घोषणा की। बाड़मेर एवं जोधपुर में भी जनजाति छात्रों के लिए हॉस्टल खुलेंगे। जोधपुर में जनजाति छात्रों के लिए कोचिंग सेन्टर खोला जाएगा ताकि उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा सके। आदिवासी क्षेत्र के विकास के लिए हमारी सरकार सदैव तत्पर रही है। मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों ने जैसलमेर जिले के जनजाति समुदाय के 12वीं एवं 10वीं कक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। जनजाति क्षेत्र विकास राज्य मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया ने कहा कि जनजाति क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के लिए सर्वश्रेष्ठ कोचिंग संस्थानों से करार किया जा रहा है। भारतीय प्रशासनिक सेवा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए 10 प्रतिभावान छात्रों को दिल्ली भेजा जाएगा।

टीटीडी के 743 कर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए तीन की मौत: अधिकारी

तिरुपति। तिरुमला में भगवान वेंकटेश्वर मंदिर के कुछ पुजारियों समेत तिरुमला तिरुपति देवस्थानम् (टीटीडी) के 743 कर्मी 11 जून के बाद से कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं और इनमें से तीन लोगों की मौत हो गई है। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी अनिल कुमार सिंघल ने यहां संवाददाताओं को बताया कि संक्रमित पाए गए 743 लोगों में से तीन लोगों की मौत हो गई है और 402 कर्मी संक्रमित होने के बाद ठीक हो गए हैं, जबकि 338 लोगों का यहां कोविड-19 देखभाल केंद्रों में उपचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी को काबू करने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन के कारण ढाई महीने बंद रहे टीटीडी संचालित भगवान वेंकटेश्वर मंदिर को 11 जून को पुनः खोल दिया गया था। सिंघल ने मीडिया में आईं उन खबरों को खारिज किया कि टीटीडी ने अपना कोष भरने के लिए मंदिर को आम लोगों के लिए पुनः खोल दिया। उन्होंने कहा कि प्राचीन मंदिर को श्रद्धालुओं के अनुरोध पर पुनः खोला गया और कोविड-19 को काबू करने के लिए आवश्यक नियमों के पालन के बाद उन्हें प्रवेश की अनुमति दी गई।

भारतीय तटों पर पांच दशकों में 6.5 सेंटीमीटर बढ़ गया समुद्र का जल स्तर: अध्ययन

भाषा। नई दिल्ली

भारत में समुद्री तटों पर जल स्तर में पिछले 40-50 वर्षों में करीब 6.5 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। इस दौरान प्रति वर्ष समुद्र के जल स्तर में वृद्धि दर 1.3 मिलीमीटर रही है। समुद्र के बढ़ते जल स्तर से तटीय इलाकों के लिए खतरा बढ़ सकता है। पृथ्वी मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, समुद्र का बढ़ता जल स्तर, समुद्र की तटवर्ती भूमि को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचाने के अलावा तटीय इलाकों में तूफान, सुनामी, तटीय बाढ़, ऊंची लहरों से नुकसान एवं तटीय इलाकों में कटाव एवं क्षरण जैसे खतरों को बढ़ा सकता है। मंत्रालय ने 11 प्रमुख बंदरगाहों पर समुद्र तल में हो रहे परिवर्तनों तथा मासिक औसत समुद्री स्तर से जुड़े दीर्घकालिक आंकड़ों का विश्लेषण कराया जिसमें पता चला कि भारतीय तट पर समुद्र के जल स्तर में अलग-अलग बदलाव हो रहे हैं। इस अध्ययन के अनुसार पिछले 40-50 वर्षों के दौरान भारतीय तटों पर समुद्र के स्तर में वृद्धि का रुझान 1.3 मिलीमीटर प्रति वर्ष है। इस प्रकार से पिछले करीब पांच दशकों में भारतीय तटों पर समुद्र का जल स्तर करीब 6.5 सेंटीमीटर बढ़ा है। अध्ययन में जिन 11 प्रमुख बंदरगाहों का जल स्तर संबंधी आंकड़ा शामिल किया गया, उनमें पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर समुद्र तट का स्तर सबसे तेजी से बढ़ रहा है। डायमंडर हार्बर के लिए साल 1948 से 2005 तक के आंकड़े का उपयोग किया गया और यहां समुद्र तल में प्रति वर्ष 5.16 मिलीमीटर वृद्धि हुई। कांडला बंदरगाह के लिए 1950 से 2005 तक के आंकड़े के आधार पर समुद्र तल में प्रति वर्ष 3.18 मिलीमीटर वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा हल्दिया बंदरगाह के लिए 1972 से 2005 तक के आंकड़े का उपयोग किया गया जहां समुद्र तल में परिवर्तन की दर प्रति वर्ष 2.89 मिलीमीटर दर्ज की गई। पोर्ट ब्लेयर बंदरगाह के लिए 1916 से 1964 तक के आंकड़ों के आधार पर समुद्र के जल स्तर में प्रति वर्ष 2.20 मिलीमीटर दर्ज की गई। गुजरात के ओखा के लिए 1964 से 1991 तक के आंकड़ों का उपयोग किया गया और समुद्र तल में परिवर्तन की दर 1.50 मिलीमीटर दर्ज की गई। मुम्बई के लिए वर्ष 1878 से 2005 तक के आंकड़ों के आधार पर समुद्र तल में 0.74 मिलीमीटर वृद्धि दर्ज की गई। अधिकारियों का कहना है कि इन सभी बंदरगाहों से यह आंकड़ा एक साथ, एक ही समय या परिस्थिति में नहीं लिया गया है, इसलिए इनकी एक ही संदर्भ में तुलना नहीं की जा सकती है।

क्विक न्यूज

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री बी श्रीरामुलू कोरोना से संक्रमित

बेंगलुरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री बी श्रीरामुलू ने रविवार को कहा कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए है और एक अस्पताल मे उपचार करा रहे है। श्रीरामुलू ने रविवार को ट्वीट किया, बुखार आने के बाद मैने जांच कराई तो कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। उन्हे उपचार के लिए शहर मे सरकारी बोरिंग अस्पताल मे भर्ती कराया गया। मंत्री ने कहा कि वह ठीक होने के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर रहे है ताकि जल्द से जल्द फिर से जनता की सेवा शुरू कर सकें। कर्नाटक मे श्रीरामुलू समेत पांच मंत्री अब तक संक्रमित हुए है। उनसे पहले मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा, वन मंत्री आनंद सिंह, पर्यटन मंत्री सी टी रवि और बी सी पाटिल मे संक्रमण की पुष्टि हुई थी। उनके अलावा विपक्ष के नेता सिद्धरमैया भी संक्रमित हो गए। एदियुरप्पा और सिद्धरमैया का एक निजी अस्पताल मे उपचार चल रहा है जहां उनकी हालत स्थिर बताई जाती है।

सेप्टिक टैंक में उतरे छह लोगों की जहरीली गैस के कारण मौत

देवघर। झारखंड के देवघर जिले मे रविवार को एक सेप्टिक टैंक के अंदर उतरे छह लोगो की जहरीली गैस के कारण मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडेय ने बताया कि जिले के देवीपुर गांव मे रविवार सुबह एक व्यक्ति के घर मे सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए गोविंद मांझी (53) और तीलू मूर्मू (24) नाम के दो मजदूर इसमे उतरे थे। जब वे नही लौटे तो घर के मालिक राजेश बरनवाल के दो भाई ब्रजेश (54) और मिथिलेश (43) टैंक मे उतरे। पुलिस ने बताया कि उन चारो के नही लौटने पर बारी-बारी से घर के मालिक के दोनो बेटे टैंक के अंदर गए। दोनो की उम्र 20-30 वर्ष के बीच थी। पांडेय ने कहा कि उनमे से किसी ने भी सुरक्षात्मक पोशाक नही पहनी थी। पांडेय ने कहा, स्थानीय ग्रामीणो ने टैंक को खोला तो सभी छह अचेतावस्था मे मिले। उन सभी को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सको ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। सभी छह लोगो की टैंक के अंदर जहरीली गैस के कारण मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार वालो को सौप दिए जाएंगे।

गोवा में रविवार को कोविड-19 के 506 नए मामले : मंत्री

पणजी। गोवा के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने बताया कि राज्य मे रविवार को एक दिन मे कोविड-19 के सर्वाधिक 506 मामले सामने आए। सुबह मे स्वास्थ्य अधिकारियो और चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ बैठकें की। राणे ने कहा, राज्य मे रविवार को एक दिन मे संक्रमण के अब तक के सबसे अधिक 506 मामले आए। हम मुद्दे पर मुख्यमंत्री से भी चर्चा कर रहे है, जो गोवा मे कोविड-19 के लिए एक और अस्पताल खोलने की घोषणा कर चुके है। उत्तरी गोवा के पोंडा मे उप जिला अस्पताल मे कोविड-19 के लिए बनाए गए नए अस्पताल मे रविवार से ही मरीजो को भेजा जाएगा। राणे ने कहा कि प्लाज्मा पद्धति से 10 मरीजो का उपचार किया गया है, जिनमे से सात मे सकारात्मक संकेत मिले है। महामारी से मुकाबले के लिए राज्य मे दवा-चिकित्सा सामग्री की कोई किल्लत नही है।

भारत छोड़ो- अगस्त क्रांति मैदान में शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

मुंबई। भारत छोड़ो आंदोलन की 78वी वर्षगांठ पर अगस्त क्रांति मैदान मे रविवार को एक कार्यक्रम आयोजित कर शहीदो को श्रद्धांजलि दी गई। ब्रिटिश शासन से आजादी के लिए भारत के संघर्ष मे भारत छोड़ो आंदोलन महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। स्वतंत्रता संग्राम मे अपने जीवन का बलिदान देने वाले सभी सेनानियो को पुष्पांजलि अर्पित की गई। अगस्त क्रांति मैदान मे ही महात्मा गांधी ने आजादी के संघर्ष के लिए करो या मरो का नारा दिया था। मुंबई की मेयर किशोरी किशोर पेडनेकर अगस्त क्रांति मैदान मे पहुंची और गांधी स्मृति स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित की। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट सहित अन्य लोगो ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

फडणवीस ने एंटीजन के मुकाबले आरटी-पीसीआर जांच की वकालत की

मुंबई। महाराष्ट्र भाजपा के नेता देवेन्द्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि राज्य को कोरोना वायरस से संक्रमित लोगो का पता लगाने के लिए आरटी-पीसीआर जांच की पूर्ण क्षमता का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने साथ ही बड़ी संख्या में एंटीजन जांच किए जाने का भी विरोध किया। उन्होंने कहा कि राज्य की कोविड-19 से बचाव की रणनीति वैज्ञानिक होनी चाहिए यह सिर्फ आंकड़ो के प्रबंधन पर आधारित नही होनी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, छह अगस्त को हुई कोविड-19 के कुल 78,711 जांच में से 50,421 (64ऽ) एंटीजन जांच है और सिर्फ 27,440 (34ऽ) आरटी-पीसीआर जांच हुई जबकि 850 जांच अन्य तरीको से हुईं। यह अनुपात 1:1 होना चाहिए 1:2 नही।

अभिनेत्री नताशा सूरी कोरोना वायरस से पीड़ित

मुंबई। अभिनेत्री और मिस इंडिया वर्ल्ड का खिताब जीत चुकी नताशा सूरी ने रविवार को कहा कि उनकी जांच मे कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है और इस समय वह घर पर पृथक-वास में है। सूरी (31) ने कहा कि वह इस महीने की शुरुआत में पुणे गई थी और मुंबई वापस आने पर बीमार पड़ गईं। अभिनेत्री ने कहा, मै सभी एहतियात बरतते हुए पुणे गई थी।

कोलकाता में पन्द्रह अगस्त के परेड का पूर्वाभ्यास करते हुए पुलिस के जवान

सुशांत प्रकरण का राजनीतिकरण महाराष्ट्र के खिलाफ साजिश : राउत

भाषा। मुंबई

शिवसेना नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में दबाव की तरकीब का इस्तेमाल किया जा रहा है। साथ ही, महाराष्ट्र के खिलाफ साजिश के तहत इस मुद्दे का राजनीतिकरण किया जा रहा है। राउत ने शिवसेना के मुखपत्र सामना में अपने साप्ताहिक स्तंभ रोखठोक में कहा कि अभिनेता की दुर्भाग्यपूर्ण आत्महत्या को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखना गलत है। सुशांत का शव 14 जून को उपनगरीय बांद्रा स्थित उनके अपार्टमेंट में फंदे से लटका हुआ मिला था। सीबीआई ने पटना पुलिस की प्राथमिकी के आधार पर हाल ही में इस मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है। बिहार सरकार ने मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। इस प्राथमिकी में सुशांत की महिला मित्र एवं अदाकारा रिया चक्रवर्ती पर कथित आपराधिक साजिश रचने और अभिनेता को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया है। राउत ने कहा, यदि कोई व्यक्ति राजनीतिकरण और दबाव की तरकीब का इस्तेमाल करना चाहता है, तो हमारे देश में कुछ भी हो सकता है। ऐसा प्रतीत होता है कि सुशांत प्रकरण की पटकथा पहले से लिखी गई थी। परदे के पीछे जो कुछ हुआ है, वह महाराष्ट्र के खिलाफ साजिश है। उन्होंने कहा कि जब एक घटना को राजनीतिक रंग देने का निर्णय कर लिया गया, तो कोई भी यह नहीं कह सकता कि यह किस हद तक जाएगा और राजपूत की दुर्भाग्यपूर्ण आत्महत्या मामले में यही हो रहा है। राउत ने कहा कि बिहार सरकार की राजनीतिक, फिल्म और व्यापारिक हस्तियों के साथ कथित संलिप्तता है और उसने दावा किया कि मुंबई पुलिस मामले की उचित जांच नहीं करेगी।

निजी गैर सहायता प्राप्त स्कूलों के खिलाफ रिट याचिका विचार योग्य

जम्मू। जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय ने कहा है कि गैर सहायता प्राप्त निजी स्कूलों के खिलाफ रिट याचिकाएं विचार योग्य हैं क्योंकि ए सार्वजनिक कार्य और शिक्षा नियमों के तहत आते हैं। न्यायमूर्ति जावेद इकबाल वानी ने एक अध्यापक की रिट याचिका पर पिछले हफ्ते आदेश पारित किया। इस अध्यापक को साल के शुरू में स्कूल ने बर्खास्त कर दिया था। अदालत ने प्रतिवादी को निर्देश दिया कि वह अध्यापक को बहाल करे। वकील सचिन गुप्ता के जरिए दायर की गई याचिका में अध्यापक ने प्रजेंटेशन कॉन्वेंट सेकंडरी स्कूल के 26 फरवरी के आदेश को रद्द करने और खुद को भौतिक विज्ञान के शिक्षक के तौर पर बहाल करने का अनुरोध किया। प्रतिवादी ने रिट याचिका को रद्द करने का आग्रह करते हुए कहा कि वह निजी गैर सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान है और रिट के तहत नहीं आता है।

राम मंदिर के लिए जलेसर के कारीगरों ने तैयार किया 2.1 टन का घंटा

भाषा। जलेसर

दाउ दयाल 30 वर्ष से अधिक वक्त से विभिन्न आकार-प्रकार की घंटियां बना रहे हैं लेकिन इस बार उन्होंने और उनकी टीम ने अयोध्या के राम मंदिर के लिए 2,100 किलोग्राम वजग का घण्टा बनाकर उत्तर प्रदेश के जलेसर नगर में हर किसी को चौंका दिया है। दिलचस्प बात यह है कि जिस व्यक्ति ने इसका डिजाइन तैयार किया है वह एक मुस्लिम कारीगर है और उसका नाम इकबाल मिस्त्री है। दयाल ने कहा, हमारे मुस्लिम भाइयों को डिजाइनिंग, घिसाई और पॉलिशिंग में विशेषज्ञता हासिल है।

दयाल और मिस्त्री ने कहा कि यह पहली बार है जब उन्होंने इस आकार के घण्टे पर काम किया है। चाढ़ पीढियों के घंटी निर्माता, 50 वर्षीय दयाल ने कहा, जब आप इस आकार के घंटे पर काम करते हैं तो मुश्किलों का स्तर कई गुणा अधिक बढ़ता है। यह सुनिश्चित करना बहुत कठिन है कि महीने भर चलने वाली प्रक्रिया में एक भी गलती नहीं हो। उन्होंने कहा, हमारे लिए उत्साहित करने वाली बात यह है कि हम इसे राम मंदिर के लिए बना रहे हैं, लेकिन विफल होने का डर कहीं न कहीं हमारे दिमाग में था। मिस्त्री के मुताबिक ऐसे कार्यों में सफलता की किसी भी तरह की गारंटी नहीं होती है। अगर सांचे में पिघले धातु को डालने में पांच सेकेंड की भी देरी हो जाती है तो पूरी कोशिश बेकार हो जाती है। अपनी उपलब्धि पर खुशी मनाते हुए 56 वर्षीय मिस्त्री ने कहा, इसकी सबसे अनोखी बात है कि यह ऊपर से नीचे तक एकसार है। इसमें कई टुकड़े साथ नहीं जोड़े गए हैं। इसी कारण से यह काम बहुत मुश्किल था।

यह घण्टा न सिर्फ पीतल से बना है बल्कि अष्टधातु यानि आठ धातुओं - सोना, चांदी, तांबा, जिंक, सीसा, टिन, लोहे और पारे के मिश्रण से बना है। एटा जिले में जलेसर नगर परिषद के प्रमुख एवं घण्टा बनाने वाले कार्यशाला के मालिक विकास मित्तल ने कहा, यह वस्तु, जो भारत का सबसे बड़ा घण्टा है, उसे राम मंदिर को दान दिया जाएगा। मित्तल परिवार को 2,100 किलोग्राम का घण्टा तैयार करने का ऑर्डर राम मंदिर मामले में पिछले साल नवंबर में आए फैसले के तुरंत बाद निर्मोही अखाड़ा से मिला था जो अयोध्या विवाद में एक वादी था। देश की सबसे बड़ी घंटियों में से एक को बनाने के लिए 25 कारीगरों की एक टीम जिसमें हिंदू और मुस्लिम दोनों थे, ने एक महीने तक प्रतिदिन आठ घंटे काम किया। इससे पहले दयाल ने 101 किलोग्राम वजन का घण्टा बनाया था जिसका उपयोग उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर में किया गया।

भोपाल में भारत छोड़ो आंदोलन दिवस के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का किया सम्मान

नायडू ने मजबूत, एकीकृत राष्ट्र निर्माण के लिए एक अभियान का किया आह्वान

भाषा। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने एक मजबूत और भावनात्मक रूप से एकीकृत राष्ट्र बनाने के लिए एक अभियान चलाने का रविवार को आह्वान किया। नायडू ने भारत छोड़ो आंदोलन की 78वीं वर्षगांठ पर एक फेसबुक पोस्ट लिखा जिसमें उन्होंने 1000–1947 के दौरान श्रृंखलाबद्ध विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक शोषण का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देश ने दूसरी सहस्राब्दी के दौरान, सांस्कृतिक दमन और आर्थिक शोषण के रूप में बहुत भारी कीमत चुकाई, जिसने समृद्ध भारत को कमजोर किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 1947 में मिली आजादी सिर्फ 200 साल के औपनिवेशिक शासन को खत्म करने के लिए नहीं बल्कि 1000 साल के अंधकारमय युग को समाप्त करने के लिए भी थी, जिस दौरान आक्रमणकारियों, व्यापारियों और उपनिवेशवादियों द्वारा देश को लूटा गया था जिन्होंने भारतीयों में एकता की कमी का फायदा उठाया।

उन्होंने कहा कि एक–दूसरे से संबंधित होने और एकता की कमी के कारण भारत को लंबे समय तक अधीनता और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। नायडू ने कहा कि इससे सीख लेते हुए, सभी भारतीयों को अपने संबंधित सांस्कृतिक मूल्यों और लोकाचार का पालन करते हुए भारतीयता की साझा भावना से बंधने की जरूरत है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि एक मजबूत, एकीकृत और भावनात्मक रूप से एकजुट भारत उन लोगों से सबसे अच्छा बचाव है, जो संदिग्ध इरादों से हम पर बुरी नज़र डालते हैं। नायडू ने सभी के लिए समानता और सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करके भारत को एकता के धागे में पिरोने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि एक विभाजित और अधूरा समाज सभी भारतीयों का उनकी क्षमता के अनुसार संपूर्ण विकास संभव नहीं कर सकता। नायडू ने विदेशी आक्रमणों के प्रतिकूल प्रभावों के विस्तार में जाते हुए कहा कि इसके कारण वर्ष 1000 के बाद से देश की संपत्ति लूटी गई। उन्होंने सोमनाथ मंदिर तोड़े जाने और लंबे समय बाद स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत उसके पुनर्निर्माण और अयोध्या में करीब 500 वर्षों बाद राम मंदिर का पुनर्निर्माण शुरू होने उल्लेख किया।

कृषि अवसंरचना कोष से किसानों को मिलेगा फायदा, रोजगार पैदा होंगे: शाह

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कृषि अवसंरचना कोष के तहत एक लाख करोड़ रुपए की वित्तपोषण सुविधा शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। शाह ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव है, जिसे सशक्त करने के लिए मोदी सरकार विगत छह वर्षों से प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने और कृषि विकास के लिए कई अभूतपूर्व कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि मोदी जी के इन अथक प्रयासों से आने वाले समय में भारतीय कृषि विश्वस्तरीय होगी। शाह ने कहा कि कृषि अवसंरचना कोष से कोल्ड स्टोरेज, संग्रह केंद्रों, प्रसंस्करण इकाइयों जैसे अनेक बुनियादी ढांचों के निर्माण को गति मिलेगी जिससे मेहनती किसान अपनी उपज का सही मूल्य प्राप्त कर पाएंगे। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान निधि (पीएम–किसान) की छठी किस्त के तहत 8.5 करोड़ से भी अधिक किसानों को 17,100 करोड़ रुपए की राशि जारी की और कृषि अवसंरचना कोष के तहत एक लाख करोड़ रुपए की वित्तपोषण सुविधा शुरू की। पीएम किसान के तहत किसानों को हर साल दो–दो हजार रुपए की तीन किस्तों में कुल छह हजार रुपए की सहायता दी जाती है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कोविड–19 महामारी से उत्पन्न इस संकट से निपटने में देश के किसानों के योगदान की रविवार को प्रशंसा करते हुए कहा कि किसानों के चलते भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था आज भी मजबूत है और इससे पूरी अर्थव्यवस्था को सहारा मिला है।

जयपुर में रविवार को स्वतंत्रता दिवस से पहले लोगों को झंडा बेचते दुकानदार

कोविड-19: विशेषज्ञों ने स्तनपान या मानक सावधानी के साथ दुग्ध बैंक से दूध लेने को बताया सुरक्षित

भाषा। नई दिल्ली

विशेषज्ञों ने कोविड–19 के समय में स्तनपान कराने या मानक सावधानियों के साथ दुग्ध बैंकों से स्तन से निकला दूध लेने को सुरक्षित बताया है। मानव दुग्ध बैंक या स्तन दुग्ध बैंक ऐसी सेवा है जिसके तहत स्तनपान कराने वाली मांओं द्वारा दान किए गए दूध को जमा कर, उसकी जांच एवं प्रसंस्करण किया जाता है तथा डॉक्टरों की सलाह पर वितरित किया जाता है। दान करने वाली मांएं शिशु से जैविक रूप से जुड़ी हुई नहीं होती हैं।

ह्यूमन मिल्क बैंकिंग एसोसिएशन (भारत) के अध्यक्ष एवं भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी के यंग चाइल्ड फीडिंग चैप्टर के प्रमुख केतन भारदव ने कहा कि जिन शिशुओं को जिस किसी भी कारण से मां का दूध नहीं मिल पाता है उनके लिए दूसरा बेहतर विकल्प वैज्ञानिक तरीके से संचालित मानक दुग्ध बैंक से पाश्चरीकृत मानव दूध लेना है। उन्होंने कहा कि मुद्रण पूर्व उपलब्ध वैज्ञानिक पत्रिकाओं में इस बात के ठोस सबूत मिले हैं कि होल्डर पाश्चरीकृत तरीके से दूध को पाश्चरीकृत करने से कोविड–19 के लिए जिम्मेदार कोरोना वायरस मर जाता है। भारदव ने पीटीआई–भाषा को बताया, दुग्ध बैंकों से दूध लेना कोविड के समय में सुरक्षित है। अगर किसी भी कारण से मां का दूध उपलब्ध नहीं है तो शिशुओं के लिए दूसरा बेहतर विकल्प वैज्ञानिक तरीके से संचालित मानक दुग्ध बैंक से पाश्चरीकृत मानव दूध लेना है। होल्डर पाश्चरीकरण दूध को आधे घंटे तक 62.5 डिग्री सेल्सियस तापमान पर गर्म कर नुकसानदेह कीटाणुओं को मारना और फिर से उसे कमरे के तापमान तक ठंडा करने की प्रक्रिया है। यह बताते हुए कि पाश्चरीकृत दाता दूध उसकी मांग की तुलना में मुश्किल से मिलने वाला उत्पाद है, उन्होंने कहा कि यह समय से पहले जन्मे शिशुओं को दिया जाता है जिन्हें अपनी मां से पर्याप्त दूध नहीं मिल पाता है। उन्होंने बताया कि जिन शिशुओं की मांओं को दूध नहीं उतरता या जिन्हें गट सिंड्रोम, सेप्सिस, गेस्ट्रोस्किसिस, आंतों में रुकावट और आंतों में घाव जैसी समस्या होती है उन्हें भी यह दूध दिया जाता है।

अलाइव एंड थ्राइव इंडिया के वरिष्ठ तकनीकी एवं कार्यक्रम सलाहकार शैलेष जगताप ने कहा कि अब तक कोरोना संक्रमित मांओं से उनके अजन्मे या नवजात शिशुओं में वायरस के सीधे या स्तनपान के जरिए फैलने का कोई साक्ष्य नहीं मिला है। उन्होंने कहा, मौजूदा वैश्विक महामारी के लिए जिम्मेदार सार्स–सीओवी–2 वायरस कोरोना संक्रमित मरीजों के करीब से संपर्क में आने से हवा के माध्यम से फैल रहा है। जगताप ने कहा, कोरोना संक्रमित मां त्वचा से त्वचा का संपर्क दे सकती है और प्रसव के तुरंत बाद स्तनपान करा सकती है तथा बच्चा और मां एक ही कमरे में रह सकते हैं बशर्ते हाथों की साफ–सफाई और सर्जिकल मास्क के प्रयोग का ध्यान रखा जाए।

पीएम की आपत्तिजनक तस्वीर ट्वीट करने के मामले में मप्र के पूर्व मंत्री पर मामला दर्ज

भाषा। इंदौर

अयोध्या में राम मंदिर के शिलान्यास के मौके पर खींची गई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक फोटो से कथित रूप से छेड़–छाड़ कर तैयार आपत्तिजनक तस्वीर को मध्य प्रदेश के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री और मौजूदा कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी के ट्विटर खाते से पोस्ट किए जाने के मामले में पुलिस ने पटवारी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। छत्रीपुरा थाने के प्रभारी पवन सिंघल ने रविवार को बताया कि शहर भाजपा अध्यक्ष गौरव रणदिवे की शिकायत पर पटवारी के खिलाफ भारतीय दंड विधान की धारा 188 (किसी सरकारी अधिकारी का आदेश नहीं मानना) और धारा 464 (झूठा इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड बनाना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि पहली नजर में लगता है कि पटवारी के ट्विटर खाते पर शनिवार को पोस्ट की गई विवादास्पद फोटो प्रधानमंत्री की उस मूल तस्वीर से छेड़–छाड़ कर तैयार की गई है जिसमें वह अयोध्या में पांच अगस्त को राम मंदिर के शिलान्यास के मौके पर धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होते दिखाई दे रहे हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि पटवारी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में भारतीय दंड विधान की धारा 188 को इसलिए शामिल किया गया है क्योंकि जिला प्रशासन ने जन भावनाओं को भड़काने वाली सोशल मीडिया पोस्ट पर पहले ही कानूनी प्रतिबंध लगा रखा है। विवादास्पद फोटो में मास्क पहने हुए प्रधानमंत्री के हाथ में कटोरा नजर आ रहा है। इस फोटो को कथित रूप से पटवारी के ट्विटर खाते से पोस्ट करते हुए अशुद्ध हिन्दी में लिखा गया था– देश की अर्थव्यवस्था, व्यापार–वेवसाय (व्यवसाय) और आय, किसानों की गिरती आर्थिक स्थिति, नोकरी (नौकरी) और बेरोजगारी, आर्थिक गिरावट, मजदूर और उसकी (उसके) जीवन का संघर्ष, यह विषय टेलिवेजन (टेलीविजन) डिबेड (डिबेट) के नहीं हे (हैं) उ क्योंकि कटोरा लेकर चल देंगे जी। इंदौर लोकसभा क्षेत्र के सांसद शंकर लालवानी, कुछ स्थानीय विधायकों और अन्य भाजपा नेताओं ने पटवारी के ट्वीट पर कड़ी नाराजगी जताते हुए शनिवार देर रात पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) हरिनारायणाचारी मिश्रा को शिकायती ज्ञापन सौंपा था। विवाद के बाद प्रधानमंत्री का आपत्तिजनक फोटो पटवारी के ट्विटर खाते से हटा लिया गया था। हालांकि, भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि इंदौर के राऊ क्षेत्र के कांग्रेस विधायक के इस ट्वीट से न केवल प्रधानमंत्री पद की गरिमा को ठेस लगी है, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को भी आघात पहुंचा है। विवादास्पद ट्वीट को लेकर भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया पर पटवारी की यह कहकर भी खिल्ली उड़ाई कि जिस व्यक्ति को सही हिन्दी लिखनी भी नहीं आती, उसे कमलनाथ की अगुवाई वाली पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री बना दिया गया था।

कोविड-19 ड्यूटी में तैनात स्वास्थ्यकर्मियों के बीमा दावों की प्रक्रिया में तेजी लाएं राज्य: केंद्र

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को कोविड–19 ड्यूटी में तैनात अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्यकर्मियों के लिए 50 लाख रुपए की बीमा योजना के तहत दावों की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा है क्योंकि यह योजना सितंबर तक ही उपलब्ध है।

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को लिखे पत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने उन्हें कहा कि वे स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, चिकित्सा कर्मचारियों और अग्रिम पंक्ति के कर्मियों की सुरक्षा और देखभाल को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। पत्र में उन्हें अग्रिम पंक्ति के कोविड–19 कर्मियों के खिलाफ हिंसा करने वालों के विरुद्ध महामारी रोग (संशोधन) अध्यादेश, 2020 के तहत निवारक कार्वाई शुरू करने के लिए भी कहा। भूषण ने पत्र में कहा, पिछले छह महीने में, केंद्र सरकार और राज्यों ने कोविड–19 महामारी से निपटने के प्रयास के तहत मूल्यवान अनुभव प्राप्त किया है। इनमें से एक अहम सीख ए भी है कि अपने अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा और बचाव बेहद महत्वपूर्ण है।

कोविड–19 महामारी से निपटने में जुटे अग्रिम पंक्ति के सरकारी एवं निजी अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मियों एवं कोरोना वायरस संक्रमित के सीधे संपर्क में आने वाले और इनकी देखभाल में तैनात सभी तरह के कर्मियों के वास्ते प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज : कोविड–19 से लड़ने वाले स्वास्थ्यकर्मियों के लिए बीमा योजना के तहत 50 लाख रुपए का बीमा कवर उपलब्ध कराने की घोषणा की गई थी। भूषण ने राज्यों के अतिरिक्त मुख्य सचिव और स्वास्थ्य सचिव को लिखा, चूंकि, यह बीमा कवर सितंबर 2020 तक उपलब्ध है, सभी राज्यों से उम्मीद की जाती है कि वे ऐसे दावों पर तेजी से काम करें और इन्हें प्राथमिकता के आधार पर मंत्रालयाबीमा कंपनी को भेजें।

ओडिशा में फर्जी माओवादी बनकर तीन व्यक्तियों ने की जबरन वसूली, गिरफ्तार

भवानीपटना। ओडिशा के कालाहांडी जिले में खुद को माओवादी बताते हुए एक व्यापारी से कथित रूप से पैसे की जबरन वसूली करने के मामले में रविवार को तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। धरमगढ़ के उप–संभागीय पुलिस अधिकारी एल पांडा ने बताया कि जयपटना थानाक्षेत्र के बादपुझारिगुडा गांव में शनिवार रात को इन तीनों ने अपने आप को माओवादी बताते हुए पहले तो व्यापारी से दस लाख रुपए मांगे लेकिन जब उसने इतनी बड़ी रकम देने में असमर्थता प्रकट की तब वे अंततः 70,000 रुपए पर मान गए। उसके बाद तीनों रात को व्यापारी के घर से यह राशि लेकर चले गए। पांडा के अनुसार व्यापारी ने पुलिस को इस बारे में बताया और वह नंबर भी दिया जिससे जबरन वसूली का फोन आया था। पुलिस ने फिर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान पता चला कि ए तीनों माओवादी नहीं हैं। पांडा ने कहा, वे (तीनों) व्यापारी से पैसा बनाना चाहते थे।

फाइनल को छोड़ अन्य छात्र बगैर परीक्षा के होंगे प्रमोट

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय

● **यूजी और पीजी अंतिम वर्ष अथवा सेमेस्टर की परीक्षाएं सितंबर माह में कराई जायेंगी जिनका रिजल्ट 15 अक्टूबर तक घोषित कर दिया जाएगा**

संवाददाता। मेरठ

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध कालेजों के छात्र–छात्राओं को शासन की गाइडलाइंस के अनुसार बगैर परीक्षा के प्रमोट किया जाएगा। यूजी और पीजी अंतिम वर्ष अथवा सेमेस्टर की परीक्षाएं सितंबर माह में कराई जायेंगी जिनका रिजल्ट 15 अक्टूबर तक घोषित कर दिया जाएगा। उक्त निर्णय विवि कार्यपरिषद की गुरूवार को ऑनलाइन हुई बैठक में लिए गए। कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक में और भी तमाम महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कार्यपरिषद ने अधिकतर विवि की प्रोन्नत समिति के निर्णय पर ही अपनी मुहर लगा दी। विवि और उससे जुडे कालेजो में सेमेस्टर व वार्षिक प्रणाली के अंतर्गत करीब चार लाख छात्रों को प्रोन्नत किया जाना है। इसमें वार्षिक प्रणाली के अंतर्गत कई विषयों की परीक्षाएं हुई थीं। करीब आठ लाख कापियों का मूल्यांकन भी किया जा चुका है। इनके अंकों को भी प्रोन्नत का आधार बनाए जाने का निर्णय किया गया। ऐसे छात्र जो पूर्व में संपादित उक्त परीक्षा में फेल होंगे उनको फेल ही माना जाएगा। हालांकि ऐसे छात्रों के सामने आगे बैक पेपर देने का विकल्प खुला रखा गया है। सभी संकाय के विभिन्न कक्षाओं के ऐसे छात्र जो लॉकडाउन 18 मार्च 2020 के पूर्व विश्वविद्यालय द्वारा संपन्न कराई गई परीक्षा के प्रश्नपत्रों में मूल्यांकन के आधार पर अपने कक्षा के प्रत्येक विषय में पृथक–पृथक उर्तीण है अथवा बैक पेपर के लिए अर्ह है उनको अगले वर्ष/ अगले सेमेस्टर में प्रोन्नत कर दिया जाएगा तथा उनकी अवशेष परीक्षाएं स्थगित रहेंगी। ऐसे छात्र जो 2019–20 इस अपूर्ण रूप से संपादित परीक्षा में न तो अनुर्तीण है न ही बैक पेपर के लिए अर्ह हैं उनकी उर्तीण होने की संभान्ना को देखते हुए उनको भी अगले वर्ष/ अगले सेमेस्टर में प्रोन्नत कर दिया जाएगा तथा उनकी अवशेष परीक्षाएं स्थगित रहेंगी। इसके अलावा अंतिम सेमेस्टर अंतिम वर्ष की परीक्षाएं शासन के निर्धारित प्रोटोकोल व दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुए 30 सितंबर तक अवशेष परीक्षाएं संपन्न कराई जाएंगी। 15 अक्टूबर तक तथा स्नातक व स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित किया जाएगा। किन्हीं कारणों वश यदि कोई छात्र अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाओं में सम्मलित नहीं हो पाता है तो इस दशा में छात्र–छात्रा को उस कोर्स की विशेष परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अवसर दिया जाएगा। जो विवि की सुविधा के अनुसार बाद में आयोजित की जाएगी। जिससे छात्रों की किसी प्रकार की असुविधा/ क्षति न हो। यह व्यवस्था केवल चालू शैक्षणिक सत्र 2019–20 के लिए केवल एक बार ही लागू होगी। बैठक में प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला, कुलसचिव धीरेंद्र कुमार वर्मा, वित्त अधिकारी सुशील गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक प्रो. रूप नारायण, डॉक्टर दर्शनलाल अरोड़ा, प्रो. बीरपाल सिंह, प्रो. आलोक कुमार, प्रो. एवी कौर, डॉक्टर ईश्वर, डॉक्टर सीमा जैन, डॉक्टर रेखा तिवारी, डॉक्टर एसएस बेदार, डॉक्टर सुधीर कुमार, डॉक्टर चमन लाल, डॉक्टरों एचपी सिंह आदि मौजूद रहे।

एलपीजी सिलेंडर विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत

● **सात लोग घायल, विस्फोट इतना तेज था कि फ्लैटों के बीच की दीवार ढह गई**

भाषा। पुणे

महाराष्ट्र में पुणे जिले के पिंपरी चिंचवाड़ इलाके में रविवार सुबह एक मकान में एलपीजी सिलेंडर फटने से दो घरों को अलग करने वाली दीवार ढहने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह घटना पिंपरी चिंचवाड़ औद्योगिक शहर में दिघी इलाके की एक आवासीय सोसाइटी में सूरवाडे परिवार के घर में हुई लेकिन विस्फोट के कारण दीवार के ढहने से बगल के घर में रह रहे तेमकार परिवार के एक सदस्य की मौत हो गई क्योंकि दोनों घरों को अलग करने वाली दीवार विस्फोट की वजह से गिर पड़ी। दिघी थाने के वरिष्ठ निरीक्षक विवेक लावंद ने कहा कि रविवार सुबह लगभग 7.30 बजे जब अर्चना सूरवाडे ने अपने फ्लैट में गैस स्टोव को चालू किया तो तभी विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना भयानक था कि सूरवाडे और तेमकार परिवारों के फ्लैटों के बीच की दीवार ढह गई। उन्होंने बताया कि जब दीवार गिरी तो उसके मलबे के नीचे दबकर ध्यानेश्वर तेमकर की मौत हो गई। उनकी आठ वर्षीय बेटी को भी चोटें आईं हैं। अधिकारी ने कहा कि अर्चना सूरवाडे गंभीर रूप से घायल हो गईं। वह लगभग 80 प्रतिशत तक जल गई हैं। उनके परिवार के पांच अन्य सदस्यों को भी चोटें आई हैं। दिघी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक सूचना के अनुसार ऐसा लगता है कि सिलेंडर से एलपीजी का रिसाव हुआ और जब गैस स्टोव चलाया गया तो विस्फोट हो गया।

तमिलनाडु ने केरल को भूस्खलन के बाद राहत अभियान में सहयोग का आश्वासन दिया

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को उनके राज्य में हुए भूस्खलन के बाद राहत अभियान में सहयोग का रविवार को भरोसा जताया। पलानीस्वामी ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, मैंने आज सुबह केरल के मुख्यमंत्री कार्यालय से मुन्नार में भारी बारिश और भूस्खलन से हुए जान–माल के भयावह नुकसान के बारे में बात की। उन्होंने कहा, मैंने बचाव और राहत अभियानों में जरूरी सहयोग देने का वादा किया। केरल के इडुक्की जिले में भूस्खलन में मरने वालों की संख्या रविवार को बढ़कर 28 हो गई।

पेज एक का शेष

101 रक्षा...

रुपए की अनुमानित लागत से ऐसे 200 वाहनों के अनुबंध दिए जाने के अनुमान हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह नौसेना द्वारा दिसंबर 2021 की सांकेतिक अमल तारीख के साथ पनडुब्बियों की खरीद के अनुमान हैं। नौसेना करीब 42 हजार करोड़ रुपए की लागत से छह ऐसी पनडुब्बियों के अनुबंध दे सकती है। वायु सेना के लिए हल्के लड़ाकू विमान एमके 1ए को सूची में शामिल करने का निर्णय लिया गया है, जिनके लिए अमल की सांकेतिक तारीख दिसंबर 2020 होगी। वायु सेना द्वारा 85 हजार करोड़ रुपए से अधिक की अनुमानित लागत पर 123 ऐसे विमानों के अनुबंध दिए जाने के अनुमान हैं।

देश में...

अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार शनिवार को 7,19,364 नमूनों की जांच की गई जो अब तक एक दिन में जांच की सर्वाधिक संख्या है। अभी तक कुल 2,41,06,535 नमूनों की जांच की गई है। वैज्ञानिक और आईसीएमआर के मीडिया समन्वयक लोकेश शर्मा ने कहा, भारत में हर मिनट में कोविड–19 के करीब 500 नमूनों की जांच हो रही है और प्रति दिन जांच की क्षमता बढ़कर पांच लाख से अधिक हो गई है। बीते 24 घंटों में जिन 861 लोगों की मौत हुई है, उनमें से 275 की महाराष्ट्र, 118 की तमिलनाडु, 97 की आंध्र प्रदेश और 93 मरीजों की मौत कर्नाटक में हुई है। पश्चिम बंगाल में इस वैश्विक महामारी से 51, उत्तर प्रदेश में 47 और पंजाब तथा गुजरात में 23–23 लोगों ने जान गंवाई है। दिल्ली में कोरोना वायरस से 16, मध्य प्रदेश में 15, बिहार में 13, तेलंगाना और ओडिशा में 12–12, राजस्थान में 11 और जम्मू कश्मीर में 10 लोगों की मौत हुई है। असम में आठ, हरियाणा में सात, पुडुचेरी और उत्तराखंड में पांच–पांच, झारखंड, केरल और त्रिपुरा में चार–चार लोगों ने कोविड–19 से दम तोड़ा। छत्तीसगढ़ और गोवा में दो–दो मरीजों जबकि चंडीगढ़, अंडमान और निकोबार, मणिपुर और मेघालय में एक–एक व्यक्ति की मौत हुई है।

ईडी रिया...

की गई राशि कई गुना है। अभिनेत्री ने अपने बयान में कहा कि उन्होंने बॉलीवुड में सात फिल्मों में काम किया है और इससे हुई कमाई से ही उन्होंने यह फ्लैट खरीदा था। इसके लिए उन्होंने अपनी बचत में से 25 लाख का भुगतान किया था और बाकी राशि उन्होंने बैंक से लोन ली थी। रिया के मुताबिक, वह कभी भी अपने खर्चों के लिए सुशांत सिंह राजपूत पर निर्भर नहीं रहीं।

मोदी ने...

समूह (जेएलजी), बहुउद्देशीय सहकारी समितियां, कृषि–उद्यमी, स्टार्ट–अप्स, और केंद्रीयाराज्य एजेंसी अथवा स्थानीय निकाय द्वारा प्रायोजित सार्वजनिक–निजी भागीदारी परियोजनाएं शामिल होंगी। दिसंबर, 2018 को शुरू की गई पीएम–किसान योजना के तहत 9.9 करोड़ से भी अधिक किसानों को 75,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का प्रत्यक्ष नकद लाभ प्रदान किया गया है। इसने किसानों को अपनी कृषि आवश्यकताओं को पूरा करने और अपने–अपने परिवारों को आवश्यक सहारा देने में सक्षम बनाया है। पीएम–किसान योजना के तहत धनराशि को सीधे तौर पर आधार प्रमाणित लाभार्थियों के बैंक खाते में हस्तांतरित किया जाता है ताकि धनराशि के रिसाव (लीकेज) को रोका जा सके और किसानों के लिए सुविधा बढ़ाई जा सके। यह योजना कोविड–19 महामारी के दौरान किसानों को आवश्यक सहारा देने में भी सहायक रही है। सरकार का कहना है कि लॉकडाउन अवधि के दौरान किसानों की सहायता के लिए लगभग 22,000 करोड़ रुपए जारी किए गए।

बड़गाम में...

ने उस समय गोली मार दी थी जब वह मार्निंग वॉक के लिए निकले थे। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घाटी में पिछले एक सप्ताह में भाजपा नेताओं को निशाना बनाए जाने की यह तीसरी घटना है। बीते 6 अगस्त को दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के काजीकुंड ब्लॉक के वेसू गांव में भाजपा सरपंच सज्जाद अहमद खांडे की हत्या कर दी गई थी। इससे पहले 4 अगस्त को भाजपा पंच आरिफ अहमद भी अखरान काजीगुंड में आतंकवादियों द्वारा गोलीबारी किए जाने के बाद गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार सुबह 6.30 बजे आतंकवादियों ने भाजपा कार्यकर्ता मोहम्मद जमाल के बेटे अब्दुल हमीद नजर पर गोलीबारी की। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता को इलाज के लिए एसएमएचएस अस्पताल श्रीनगर स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उसकी हालत स्थिर है। जम्मू–कश्मीर के भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा कि कश्मीर घाटी में पार्टी कार्यकर्ताओं पर बढ़ते हमलों से पाकिस्तान की हताशा जाहिर होती है और उनकी पार्टी इससे डरने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि हम अपनी गतिविधियों को तेज करेंगे और हर घर में तिरंगा और पार्टी का झंडा फहराएंगे। इस बीच, चुने हुए प्रतिनिधियों ने उन्हें पर्याप्त सुरक्षा कवर प्रदान करने के लिए बार–बार गुहार लगाई, लेकिन उसे अनसुना कर दिया गया। उन्होंने कहा कि पर्याप्त सुरक्षा के अभाव में उन्हें घरों से बाहर निकलना और क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की निगरानी करना मुश्किल हो रहा है। पिछले महीने बांदीपुरा में आतंकवादियों ने पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष वसीम बारी, उनके पिता और भाई को दुकान में ताबड़तोड़ फायरिंग मौत के घाट उतार दिया था। बारी की 10 सदस्यीय पुलिस टीम सुरक्षा कर रही थी, लेकिन हमले के वक्त उनमें से एक भी मौजूद नहीं था। इसलिए सभी को निलंबित कर गिरफ्तार कर लिया गया था। बीते 8 जून को अनंतनाग जिले के लोकभवन में कांग्रेस सरपंच अजय कुमार पंडिता की उनके घर के बाहर हत्या कर दी गई थी।

राजस्थान में...

में होंगे। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, पीड़ित लोगों के परिवार को, जीवित बचे सदस्य केवल राम (35) की बहू के परिवार से खतरा था। उन्होंने कहा, कुछ विवाद की वजह से वह बीते कुछ समय से जोधपुर में अपने परिवार के साथ रह रही है। उन्होंने कहा कि यह खुदकुशी की संभावित वजह हो सकती है। केवल राम के मुताबिक उन्होंने शनिवार रात नौ से 10 बजे के बीच खाना खाया और सोने चले गए। उसने बताया, मैं जानवरों से फसल की रखवाली के लिए चला गया और वहीं सो गया था। सुबह जब वह लौटा तो परिवार के सभी सदस्यों को मृत पाया। घटना को लेकर अनभिज्ञता जाहिर करते हुए केवल राम ने कहा, मैंने फिर अपने रिश्तेदार को फोन किया जो कुछ अन्य लोगों के साथ मौके पर पहुंचा और पुलिस को सूचना दी। मृतकों की पहचान बुधराम (75), उसकी पत्नी अंतरा देवी, बेटे रवि (31), बेटी जिया (25) और सुमन (22), पोते मुकदस (17) और नैन (12) के अलावा लक्ष्मी (40) और केवल राम के तीन नाबालिग बेटों के तौर पर हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए जोधपुर भेजा गया है और मौत की वजह जानने के लिए चिकित्सा बोर्ड का गठन किया गया है।

कोविड-19: मप्र में थमेंगे सात लाख वाणिज्यिक वाहनों के चक्के

इंदौर। ट्रांसपोर्टरों के एक प्रमुख संगठन ने मध्यप्रदेश में सोमवार से तीन दिन की हड़ताल की घोषणा की है। संगठन, ट्रांसपोर्ट कारोबार पर कोविड–19 की मार का हवाला देते हुए डीजल पर मूल्य संवर्धित कर (वैट) में कमी के साथ पथ कर (रोड टैक्स) और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में छूट की मांग कर रहा है। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने राज्य में सोमवार से बुधवार तक बुलाई गई हड़ताल को लॉकडाउनै का नाम दिया है। संगठन के उपाध्यक्ष (पश्चिमी क्षेत्र) विजय कालरा ने रविवार को बताया कि हमारे तीन दिवसीय लॉकडाउन के दौरान सूबे में करीब सात लाख वाणिज्यिक वाहनों के चक्के थम जाएंगे। इनमें ट्रक और छोटी वाणिज्यिक गाड़ियां शामिल हैं। कालरा ने बताया कि कोविड–19 के प्रकोप के कारण कारोबार में कमी के चलते राज्य के ट्रांसपोर्टर वित्तीय परेशानियों का सामना कर रहे हैं और डीजल के दाम पहले के मुकाबले काफी बढ़ चुके हैं। उन्होंने बताया कि इन हालात में हमारी मांग है कि डीजल पर वैट घटाया जाए, ट्रांसपोर्टरों को इस वित्तीय वर्ष की दो तिमाहियों (अप्रैल–जून और जुलाई–सितंबर) के दौरान रोड टैक्स और जीएसटी से छूट दी जाए और राज्य सरकार द्वारा ट्रक चालकों का कोविड–19 का बीमा कराया जाए।

हमने मौके गंवाए, इंग्लैंड की जीत का श्रेय वोक्स और बटलर को: अजहर

मैनचेस्टर। पाकिस्तान के कप्तान अजहर अली ने तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में इंग्लैंड की जीत का श्रेय जोस बटलर और क्रिस वोक्स की साझेदारी को देते हुए कहा कि उनकी टीम मौकों को भुनाने में नाकाम रही। उन्होंने कहा कि ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे दिन पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड द्वारा पेश की गई चुनौती का मुकाबला करने में विफल रही, जिससे उन्हें तीन विकेट की हार का सामना करना पड़ा।

पहले लगा था कि यह आखिरी टेस्ट होगा : बटलर

मैनचेस्टर। पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में शानदार अर्धशतक लगाकर इंग्लैंड की जीत के सूत्रधार रहे विकेटकीपर जोस बटलर ने कहा कि इस मैच से पहले उन्हें लगा था कि यह उनका आखिरी टेस्ट हो सकता है। इस मैच मे विकेट के पीछे भी उनका प्रदर्शन औसत रहा था जिसके बाद टीम में उनकी जगह को लेकर आलोचना हो रही थी। श्रृंखला में 1-0 की बढ़त लेने के बाद इंग्लैंड के विकेटकीपर ने कहा, कई बार जब आप अकेले होते है तो आप इस बारे मे सोचते है।

हमने इंग्लैंड को दबाव कम करने का मौका दिया: मिस्बाह

मैनचेस्टर। पाकिस्तान के मुख्य कोच मिस्बाह-उल-हक यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच मे अपनी टीम की बल्लेबाजी से खुश नही थे। जिस तरह उनकी टीम ने इंग्लैंड को लक्ष्य हासिल करने का मौका दिया, वह मिस्बाह के लिए अधिक निराशाजनक रहा। मिस्बाह ने कहा, हम काफी निराश है कि हमने इंग्लैंड के पांच विकेट झटकने के बाद उन्हे वापसी का मौका दिया। बटलर और वोक्स जिस तरह से हमारे गेंदबाजों पर जवाबी हमला किया, वह बहुत ही शानदार था।

अकरम ने अली की कप्तानी की आलोचना की

मैनचेस्टर। महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने पाकिस्तानी कप्तान अजहर अली के इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मे लिए गए फैसलो की काफी आलोचना की और कहा कि वह यहां मेहमान टीम को मिली तीन विकेट की हार के दौरान कुछ दफा योजना से भटक गए। अकरम ने अली के फैसलों की आलोचना की कि उन्होंने तेज गेंदबाज नसीम शाह का इस्तेमाल अच्छी तरह नही किया जिन्हे दूसरी पारी मे 82 मे से महज 13 ओवर के लिए इस्तेमाल किया गया।

रूट ने बटलर के जज्बे की तारीफ की

मैनचेस्टर। जोस बटलर ने पाकिस्तान के खिलाफ यहां पहले टेस्ट में इंग्लैंड को नाटकीय जीत दर्ज कराने में अहम भूमिका निभाने के बाद अपने पिता के स्वास्थ्य और टीम मे अपना स्थान गंवाने को लेकर चिंता व्यक्त की जिसके बाद इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने उन्हे अपनी कैप उतारकर पहनाई और उनके जज्बे की प्रशंसा की। बटलर ने तब क्रिस वोक्स के साथ 139 रन की भागीदारी निभाई जब टीम 117 रन पर पांच विकेट गंवाकर जूझ रही थी।

शशांक मनोहर के उत्तराधिकारी के चुनाव पर चर्चा आज

भाषा। दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की सोमवार को होने वाली बोर्ड की ऑनलाइन बैठक की कार्यसूची में एकमात्र मुद्दा अगले स्वतंत्र अध्यक्ष के रूप में शशांक मनोहर के उत्तराधिकारी के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया को अंतिम रूप देना होगा। यह उम्मीद की जा रही है कि फैसला चाहे चुनाव से हो या सर्वसम्मति से, चयन की पूरी प्रक्रिया चार सप्ताह तक खत्म हो जाएगी।बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, कल (सोमवार) की बैठक की कार्यसूची में केवल नामांकन प्रक्रिया है। आम तौर पर, नामांकन दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया जाता है। आमतौर पर आईसीसी में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है, लेकिन बोर्ड के कुछ सदस्य चाहते हैं कि 17 सदस्यों के बीच इसका फैसला साधारण बहुमत से हो जाए। आईसीसी के 17 बोर्ड सदस्यों में 12 टेस्ट खेलने वाले देश, तीन सहयोगी राष्ट्र (मलेशिया, स्कॉटलैंड, सिंगापुर), अध्यक्ष (इस मामले में अंतरिम) और स्वतंत्र निदेशक (पेप्सिको के इंद्रा नूई) शामिल हैं। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनु साहनी भी आईसीसी बोर्ड का हिस्सा हैं, लेकिन उनके पास मतदान का अधिकार नहीं है। एक उम्मीदवार को आईसीसी के किसी पूर्व या वर्तमान निदेशक द्वारा नामित किया जा सकता है, लेकिन चुनाव के लिए उम्मीदवारी तय करने के लिए उसके पास दो वर्तमान निदेशकों का समर्थन होना चाहिए। इस बात पर चर्चा हुई है कि क्या किसी पूर्व निदेशक द्वारा किसी मौजूदा अधिकारी को मनोनीत करना वैध होगा या नहीं। जहां तक उम्मीदवारों का संबंध है तो इमरान ख्वाजा (सिंगापुर के वर्तमान अंतरिम चेयरमैन) सहित कुछ अन्य नामों पर चर्चा हो रही है। कोई सर्वसम्मत उम्मीदवार नहीं होने के कारण घोषणा में लंबा समय लग रहा है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के पूर्व प्रमुख कॉलिन ग्रेव्स मनोहर की जगह लेने वालों की दौड़ में सबसे आगे हैं जबकि वेस्टइंडीज क्रिकेट के पूर्व प्रमुख डेव कैमरन ने भी दावा किया है कि उनके पास चुनाव लड़ने के लिए जरूरी संख्या है। वेस्टइंडीज बोर्ड हालांकि खुद उनके खिलाफ है। यहां तक कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के क्रिस नेंजानी ने भी इस पद के लिए अपनी रुचि व्यक्त की है। दक्षिण अफ्रीका के निदेशक ग्रीम स्मिथ ने बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली का खुले तौर पर समर्थन किया था।

● आईसीसी बोर्ड बैठक : कार्यसूची में अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया, दो-तिहाई या साधारण बहुमत शामिल

बीसीसीआई की नजरें 19 नवंबर से घरेलू सत्र शुरू करने पर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के साथ 19 नवंबर की संभावित तारीख के साथ घरेलू सत्र शुरू करने की योजना बना रहा है लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग की विभिन्न टीमों से खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी पृथक्वास से जुड़े नियमों के कारण कुछ शुरुआती दौर के मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे। कोरोना वायरस महामारी के कारण घरेलू सत्र में विलंब का मतलब है कि सिर्फ मुश्ताक अली ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी का आयोजन हो पाएगा जिसमें 38 टीमें दोनों प्रारूपों में मिलाकर 245 मैच खेलेंगी। इस साल विजय हजारे ट्रॉफी, दलीप ट्रॉफी या चैलेंजर ट्रॉफी का आयोजन नहीं होगा और अब तक के कार्यक्रम के अनुसार ईरानी कप को लेकर भी कोई योजना नहीं है। यह अस्थाई सूची है जिसे तैयार किया गया है और इसे स्वीकृति के लिए अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह के पास भेजा गया है। आईपीएल खेलकर लौटने वाले खिलाड़ियों को सरकारी नियमो के अनुसार 14 दिन तक पृथक्वास मे रहना होगा। यह मुद्दा मुख्य रूप से उन खिलाड़ियों के साथ है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मैच नही खेले है और टीम के साथ है तथा कुछ क्रिकेट खेलना चाहते है। अगर खिलाड़ी की टीम प्ले आफ से पहले भी बाहर हो जाती है तो भी वह तीन नवंबर से पहले वापस नही आ पाएगा और 17 नवंबर तक उसे पृथक्वास मे रहना होगा। जिनकी टीमो ने प्ले आफ मे जगह बनाई है और फाइनल मे पहुंच सकती है, उन्हे शुरुआती कुछ दौर के मुकाबलो से बाहर रहना होगा। लेकिन यह मसौदा प्रस्ताव है और इसमें बदलाव हो सकता है।

वीवो के साथ आईपीएल टाइटल प्रायोजन निलंबित होना महज एक झटका, वित्तीय संकट नहीं : गांगुली

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने चीनी मोबाइल कंपनी वीवो के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टाइटल प्रायोजन करार के निलंबित होने को महज एक झटका करार दिया और उन चर्चाओं को खारिज किया कि इससे वित्तीय संकट उत्पन्न हो सकता है। बीसीसीआई और वीवो ने भारत और चीन की सीमा पर हुई सैनिकों की भिड़ंत के कारण चीनी उत्पादों के बहिष्कार करने की बातों के चलते गुरुवार को 2020 आईपीएल के लिए अपनी भागीदारी निलंबित करने का फैसला किया जो 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में हो रहे है। टाइटल प्रायोजन आईपीएल के व्यवसायिक राजस्व का अहम हिस्सा है जिसका आधा भाग सभी आठों फ्रेंचाइजी में बराबर बराबर बांटा जाता है। वीवो ने 2018 से 2022 तक पांच साल के लिए 2190 करोड़ रुपए में (प्रत्येक वर्ष 440 करोड़ रुपए) आईपीएल टाइटल प्रायोजन अधिकार हासिल किए थे। गांगुली ने शैक्षिक किताबों के प्रकाशक एस चंद ग्रुप द्वारा शनिवार को आयोजित वेबिनार के दौरान कहा, मैं इसे वित्तीय संकट नहीं कहूंगा।

पारिवारिक कारणों से स्टोक्स पाकिस्तान के खिलाफ बची श्रृंखला से बाहर : ईसीबी

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के स्टार आलराउंडर बेन स्टोक्स पारिवारिक कारणों से पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के बीच हुए मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने रविवार को यह जानकारी दी। ईसीबी ने हालांकि बयान में उनके हटने का सही कारण नहीं बताया। ईसीबी ने एक बयान में कहा, स्टोक्स इस हफ्ते के अंत में न्यूजीलैंड जाएंगे। वह पाकिस्तान के खिलाफ 13 अगस्त गुरूवार और 21 अगस्त शुक्रवार से एजिस बाउल में शुरू होने वाले इंग्लैंड के दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पाएंगे। वह न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च जाएंगे जहां उनके माता पिता गेड और डेब रहते हैं। स्टोक्स के पिता (पूर्व रग्बी लीग अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी) को पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इंग्लैंड के बाक्सिंग डे टेस्ट से पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था और तब से वह न्यूजीलैंड में घर पर ही बीमारी से उबर रहे हैं।

बार्सीलोना और बायर्न म्यूनिख चैम्पियंस लीग क्वार्टर फाइनल में

भाषा। बार्सीलोना

बार्सीलोना ने चैम्पियन्स लीग के अंतिम 16 मुकाबले के दूसरे चरण के फुटबॉल मैच मे शनिवार को नैपोली को 3-1 से हराकर 4-2 से कुल स्कोर के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की, जहां उसका सामना बायर्न म्यूनिख से होगा। बार्सीलोना की इस जीत मे दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी का शानदार गोल भी शामिल था, जिन्होने मैच के 23वे मिनट मे अपने दम पर नैपोली के खिलाड़ियों को छकाते हुए गोल कर टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। इससे पहले मैच के 10वे मिनट मे क्लेमेंट लेंगटे ने गोल कर टीम का खाता खोला था। बार्सीलोना को लुइस सुआरेज ने मध्यांतर से पहली पेनल्टी को गोल मे बदल कर टीम की बढ़त को 3-0 कर दिया। इसके चार मिनट बाद नैपोली के लिए लोरेंजो इंसिगने ने पेनल्टी को गोल मे बदल कर अंतर कम किया। दूसरे हाफ मे दोनो टीमे गोल करने मे विफल रही। दोनो टीम के बीच पहले चरण का मैच 1-1 से ड्रा रहा था। म्यूनिख मे खेले गए एक अन्य मुकाबले मे बायर्न ने चेल्सी को दूसरे चरण के मैच मे 4-1 से हराकर कुल 7-1 के कुल स्कोर के साथ अंतिम आठ मे जगह पक्की की। रॉबर्ट लेवांडोस्कि ने इस मैच मे दो गोल किए। इवान परिसिच और कोरेंटिन टोलिस्सो ने भी एक-एक गोल दागा। चेल्सी के लिए एकमात्र गोल टैमी अब्राहम ने किया। फरवरी मे खेले गए पहले चरण के मैच मे बायर्न ने चेल्सी को 3-0 से हराया था। शुक्रवार को दोनों टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला पुर्तगाल के लिस्बन मे होगा।

कोहली टेस्ट रैंकिंग में दूसरे स्थान पर बरकरार

● मसूद और वोक्स ने लगाई लंबी छलांग

भाषा। दुबई

भारतीय कप्तान विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा रविवार को जारी नवीनतम रैंकिंग में टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर काबिज हैं जबकि इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच पहले टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले क्रिस वोक्स और शान मसूद ने लंबी छलांग लगाई है। बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ, दूसरे स्थान पर कोहली और तीसरे स्थान पर न्यूजीलैंड के केन विलियमसन पहले की तरह बने हुए हैं। शीर्ष 10 बल्लेबाजों में चेतेश्वर पुजारा (आठवें) और अजिंक्य रहाणे (10वें) पहले की तरह अपनी रैंकिग पर बरकरार हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम छठे जबकि इंग्लैंड के कप्तान जो रूट नौवें स्थान पर कायम हैं। बेन स्टोक्स चौथे से खिसक कर सातवें पायदान पर पहुंच गए , बाएं हाथ के बल्लेबाज मसूद 14 स्थान के सुधार के साथ करियर के सर्वश्रेष्ठ 19वीं रैंकिंग पर पहुंच गए। क्रिस वोक्स बल्लेबाजों की सूची में 18 स्थान के सुधार के साथ 78वीं रैंकिंग पर आ गए। वह हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में सातवें पायदान पर पहुंच गए। बटलर 38 और 75 रन की पारी खेल रैंकिंग में 44वें से 30वें स्थान पर आ गए। ओली पोप करियर के सर्वश्रेष्ठ 36वें पायदान पर पहुंच गए। गेंदबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के लेग स्पिनर यासिर शाह और शादाब खान अपनी स्थिति सुधारने में सफल रहे। यासिर शाह दो स्थान ऊपर चढ़कर 22वें जबकि शादाब करियर के सर्वश्रेष्ठ 69वें स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड के गेंदबाजों में स्टुअर्ट ब्रॉड तीसरे स्थान पर कायम है। उनके और दूसरे स्थान पर काबिज न्यूजीलैंड के नील वैगनर के बीच सिर्फ सात अंक का फासला रह गया है। जोफ्रा आर्चर भी दो स्थान के सुधार के साथ 37वें पायदान पर पहुंच गए। ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस शीर्ष पर बने हुए है जबकि भारत के जसप्रीत बुमराह आठवें स्थान पर है। हरफनमौला की सूची में शीर्ष पांच स्थानों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। स्टोक्स शीर्ष पर है। भारत के रविन्द्र जडेजा तीसरे और आर अश्विन पांचवें स्थान पर हैं। आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की तालिका में इंग्लैंड ने तीसरे स्थान पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। इंग्लैंड के नाम 266 अंक हो गए हैं जो दूसरे स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया से 30 अंक कम हैं। भारत 360 अंक के साथ शीर्ष पर है जबकि न्यूजीलैंड (180 अंक) चौथे और पाकिस्तान (140 अंक) पांचवें स्थान पर है।

भारत और मोहन बागान के पूर्व खिलाड़ी मनितोम्बी का 39 साल की उम्र में निधन

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व डिफेंडर और मोहन बागान के कप्तान रहे मनितोम्बी सिंह का रविवार को 39 साल की उम्र में निधन हो गया क्लब से जुड़े सूत्रों ने बताया कि उन्होंने मणिपुर के इंफाल के निकट अपने पैतृक गांव में रविवार को सुबह अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से किसी बीमारी से पीड़ित थे। परिवार ने हालांकि उनकी बीमारी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उनके परिवार में पत्नी के अलावा आठ साल का बच्चा है। क्लब ने ट्विटर पर पोस्ट किया, मोहन बागान परिवार को क्लब के पूर्व कप्तान मनितोम्बी सिंह के असामयिक निधन से गहरा दुख हुआ है। इस मुश्किल समय में हमारी संवेदना परिवार के साथ है। मनितोम्बी सिंह की आत्मा को शाांति मिले।

एनएसएफ को प्रश्नावली का जवाब देने के लिए और समय मांगना चाहिए : आईओए

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) चाहता है कि खेल मंत्रालय राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के पदाधिकारियों की उम्र और कार्यकाल संबंधित जानकारी के लिए प्रश्नावली के जवाब के लिए समयसीमा बढ़ा दे जो दिल्ली उच्च न्यायालय में एनएसएफ की मान्यता पर लंबित मामले के लिए काफी अहम है। मंत्रालय ने 57 एनएसएफ से इस प्रश्नावली का जवाब 11 अगस्त तक देने को कहा है। इन एनएसएफ की अस्थाई मान्यता राष्ट्रीय खेल संहिता के उम्र और कार्यकाल दिशानिर्देशों के उल्लघंन के लिए उच्च न्यायालय के निर्देश पर वापस ले ली गई थी। इस मामले की अगली सुनवाई 21 अगस्त को है। आईओए हालांकि चाहता है कि एनएसएफ को और समय दिया जाए क्योंकि वे कोविड-19 महामारी के कारण कम स्टाफ के साथ काम कर रहे हैं। आईओए इस मामले पर चर्चा के लिए खेल मंत्री किरेन रीजीजू के साथ बैठक करना चाहता है। यह संवेदनशील मुद्दा है और हम सभी को एकजुट रहने की जरूरत है क्योंकि प्रश्नावली में उठाए गए कई मुद्दे खेल संहिता का हिस्सा नहीं है।

सेरेना फिट, छह महीने के ब्रेक के बाद खेलने को तैयार

लेक्सिंगटन (अमेरिका)। अमेरिका की 23 बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन सेरेना विलियम्स अब पूरी तरह फिट हैं और छह महीने के ब्रेक के बाद टेनिस खेलने को तैयार हैं। वह लेक्सिंगटन के निकट सोमवार से शुरू होने वाले पहले टॉप सीड ओपन की तैयारियों में जुटी हैं। इस टूर्नामेंट को हाल में हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट में शामिल किया गया है जो इस महीने न्यूयार्क में होने वाले अमेरिकी ओपन की तैयारी का काम करेगा। मार्च के बाद अमेरिका में पहला डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट होगा जिसमें दर्शक नहीं जा सकेंगे।

साइना ने ट्रेनिंग शुरू की, साइ केंद्र में शिविर से कुछ हफ्तों में जुड़ेंगी

नई दिल्ली। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल कोरोना वायरस के कारण ब्रेक के बाद हैदराबाद में ट्रेनिंग दोबारा शुरू कर दी है और उनके कुछ हफ्तों में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) पुलेला गोपीचंद अकादमी में राष्ट्रीय बैडमिंटन शिविर से जुड़ने की उम्मीद है। साइना ओलंपिक पदक के उन आठ दावेदारों में शामिल है जिन्हें साइ ने एक अगस्त को तेलंगाना सरकार की स्वीकृति के बाद साइ पुलेला गोपीचंद अकादमी में सात अगस्त से ट्रेनिंग शुरू करने की स्वीकृति दी है। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी साइना ने हालांकि फिलहाल अपने बैडमिंटन खिलाड़ी पति पारूपल्ली कश्यप और 2014 राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता आरएमवी गुरुसाईदत्त के साथ गोपीचंद अकादमी के समीप अलग केंद्र में ट्रेनिंग करने का फैसला किया है। राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैंपियन कश्यप ने पीटीआई से कहा, हम एक हफ्ते से गोपीचंद अकादमी के समीप केंद्र में ट्रेनिंग कर रहे हैं। यह छोटा केंद्र है। हमने बेसिक्स के साथ शुरुआत की है क्योंकि हम लंबे समय के बाद कोर्ट पर उतरे हैं।

रिलायंस को एक नई ऊर्जा कंपनी में तब्दील करने के लिए 15 वर्षीय योजना

नई दिल्ली। अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने खुद को एक नई ऊर्जा कंपनी में तब्दील करने के लिए 15 साल की योजना बनाई है, जिसका मकसद कार्बन डाई ऑक्साड को पुनर्चक्रित करना और प्लास्टिक कचरे का मूल्यवर्धन करना और स्वच्छ तथा वाजिब कीमत वाले ऊर्जा साधनों को बढ़ावा देना है। बोफा सिक्योरिटीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक तेल से रसायन कारोबार करने वाली बड़ी कंपनियां हाल के दिनों में उपभोक्ता कारोबार पर खास ध्यान दे रही हैं, लेकिन रिलायंस का तेल से रसायन (ओटूसी) कारोबार लगातार मुक्त नकदी प्रवाह पैदा करने में सफल रहा है।

ओएनजीसी ने अपना कर्ज 35 प्रतिशत घटाया, मार्च अंत तक 13,949 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने अपने ऋण में करीब 35 प्रतिशत की कटौती की है। ओएनजीसी के अधिकारियों का कहना है कि इसके बावजूद तेल एवं गैस के दाम काफी नीचे आने की वजह से कंपनी के लिए योजनागत व्यय को पूरा करना एक चुनौती है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि 31 मार्च, 2019 तक उसपर बकाया कुल कर्ज 21,593 करोड़ रुपए था। यह 31 मार्च, 2020 को घटकर 13,949 करोड़ रुपए रह गया है।

अप्रैल-जुलाई के दौरान प्रमुख बंदरगाहों पर माल ढुलाई 18 प्रतिशत घटकर 19.33 करोड़ टन

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी की वजह से देश के प्रमुख बंदरगाहों पर माल ढुलाई में काफी गिरावट आई है। भारतीय बंदरगाह संघ (आईपीए) के अनुसार चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से जुलाई की अवधि के दौरान प्रमुख बंदरगाहों पर माल ढुलाई (माल चढ़ाना और उतारना) 18.06 प्रतिशत घटकर 19.33 करोड़ टन रह गई। केंद्र के नियंत्रण वाले इन 12 प्रमुख बंदरगाहों पर जुलाई में माल ढुलाई में लगातार चौथे महीने गिरावट आई है।

नई प्रौद्योगिकी से इफको किसान कॉल सेंटर में कॉल करने वाले किसानों संख्या में कई गुना वृद्धि

नई दिल्ली। कृषि मंत्रालय की ओर से किसानों को खेती व संबंधित गतिवियों के कामकाज के बारे में परामर्श और उपाय सुझाने के उद्देश्य से शुरू किए गए किसान कॉल सेंटर की क्षमता बढ़ने से उनमें कॉल करने वाले किसानों की दैनिक संख्या 10 गुना से ज्यादा बढ़ी है। केन्द्रीय कृषि मंत्रालय, प्रमुख उर्वरक कंपनी इफको की अनुषंगी कंपनी इफको किसान की मदद से किसान कॉल सेंटर का संचालन कर रहा है। इफको किसान कॉल सेंटर के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) एस एस कुकरेजा ने पीटीआई-भाषा को बताया, किसान कॉल सेंटर में नई प्रौद्योगिकी के उपयोग और कर्मचारियों की क्षमता का निर्माण किया गया है। बेहतर सेवा के कारण यहां रोज परामर्श के लिए किसानों के कॉलों की संख्या बढ़कर अब लगभग 22,000 - 25,000 कॉल तक पहुंच गई है। पहले पहले के लगभग दो हजार कॉल आते थे। हम चाहते हैं कि आने वाले दिनों में इन कॉल सेंटरों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की भी सुविधा हो ताकि किसान कृषि विशेषज्ञों से रूबरू परामर्श ले सकें।

निजी वित्तीय मामलों में बदला भारतीय लोगों का रुख: सर्वेक्षण

भाषा। नई दिल्ली

लगभग 45 फीसदी भारतीय कोविड-19 के बाद आर्थिक सुधार के बारे में अनिश्चित हैं और कम से कम एक साल के लिए धीमी गति से वृद्धि का अनुमान लगा रहे हैं। एक सर्वे में यह तथ्य सामने आया है। इससे निजी वित्तीय मामलों को लेकर उनके बदले रुख से पता चलता है। डिजिटल धन प्रबंधन सेवा प्रदाता स्क्रिपबॉक्स द्वारा जुलाई में किए गए इस सर्वेक्षण में 1,400 से अधिक वयस्क भारतीयों की राय ली गई। इनमें से 83 प्रतिशत पुरुष और 17 प्रतिशत महिलाएं रहीं। स्क्रिपबॉक्स के फाइनेंशियल फ्रीडम सर्वे-2020 के अनुसार, 50 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने गैर-जरूरी खर्च बंद करने और किसी आपात स्थिति के लिए अधिक बचत की योजना बनाई है। इसके अलावा सर्वे में कहा गया है कि 28 प्रतिशत लोग गैर-आवश्यक चीजों पर खर्च में कटौती करेंगे, 22 प्रतिशत लोग किसी आपातकालीन स्थिति के लिए अधिक बचत करेंगे और 10 प्रतिशत ईएमआई बोझ को कम करेंगे। यह वित्तीय दिक्कतों का समय है। लगभग हर दो भारतीय में से एक (45 प्रतिशत) अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर अनिश्चित है और कम से कम एक वर्ष के लिए धीमी वृद्धि का अनुमान कर रहा है। सर्वे में शामिल लगभग 44 प्रतिशत लोग मासिक आय के 15 से 30 प्रतिशत के बराबर ईएमआई भर रहे हैं, जबकि 11 प्रतिशत लोग मासिक आय के 50 प्रतिशत से अधिक ईएमआई भर रहे हैं। सर्वेक्षण में सामने आया कि कोविड-19 महामारी ने भारतीयों को अधिक बचत करने के लिए प्रेरित किया है।

कोविड-19 के बाद उबरने को लेकर भरोसे में हैं 81 प्रतिशत सूक्ष्म उद्यम

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए देश भर मे लागू लॉकडाउन के दौरान कई व्यवसायो के बंद रहने के बाद भी 81 प्रतिशत सूक्ष्म उद्यमों को इस बात का विश्वास है कि कोविड-19 के बाद वह उबर जाएंगे। एक सर्वेक्षण मे यह जानकारी सामने आई है। सर्वेक्षण मे 1,500 सूक्ष्म उद्यमों की राय ली गई है।

सेंसेक्स की शीर्ष-10 में छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 74,240 करोड़ रुपए बढ़ा

भाषा। नई दिल्ली

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 74,240 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईटीसी तथा आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में इजाफा हुआ। वहीं दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल), इन्फोसिस, एचडीएफसी तथा कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार मूल्यांकन घट गया। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 50,556.75 करोड़ रुपए बढ़कर 13,60,879.96 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसी तरह आईसीआइसीआई बैंक की बाजार हैसियत 7,092.05 करोड़ रुपए बढ़कर 2,31,751.90 करोड़ रुपए पर और एचडीएफसी बैंक की 6,241.63 करोड़ रुपए बढ़कर 5,74,119.37 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 4,690.48 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 8,61,153.53 करोड़ रुपए और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 3,136.95 करोड़ रुपए बढ़कर 3,05,838.55 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

सरकार जल्द ही ऋण गारंटी संवर्धन निगम के प्रस्ताव पर करेगी विचार

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल जल्द ही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्त पोषण के पूंजी स्रोतो को व्यापक बनाने के लिए ऋण गारंटी संवर्धन निगम के गठन के प्रस्ताव पर विचार करेगा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) पर कार्यबल के अनुसार भारत को उच्च आर्थिक वृद्धि के लक्ष्य हासिल करने के लिए अगले पांच वर्षो के दौरान बुनियादी ढांचे मे 111 लाख करोड़ रुपए का निवेश करने की जरूरत है।

जुलाई में कोयला आयात 43 प्रतिशत घटकर 1.11 करोड़ टन रहा

नई दिल्ली। देश का कोयला आयात जुलाई मे 43.2 प्रतिशत घटकर 1.11 करोड़ टन रह गया। खान के पास, संयंत्रो और बंदरगाहो पर कोयले का काफी भंडार पड़ा है, जिसकी वजह से आयात मे गिरावट आई है।

जीईएम पोर्टल के साथ एकीकरण के लिए रेलवे प्रतिबद्ध: गोयल

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भारतीय रेलवे अपने सभी खरीद के लिए सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल के साथ एकीकृत होने को प्रतिबद्ध है। गोयल ने जीईएम-सीआईआई राष्ट्रीय सार्वजनिक खरीद संगोष्ठी 2020 में कहा, मुझे यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि भारतीय रेलवे और जीईएम पोर्टल एकीकरण के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं, ताकि रेलवे की 70 हजार करोड़ रुपए की पूरी खरीद को सरकारी ई-मार्केटप्लेस पर लाया जा सके। जीईएम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) तल्लीन कुमार ने इसी कार्यक्रम में बताया कि अगले कुछ महीनों में पोर्टल का उन्नत संस्करण पेश कर दिया जाएगा, जिससे सारी सरकारी खरीद का एक मंच पर एकीकरण किया जा सकेगा।

वृहद आंकड़ों, तिमाही नतीजों, वैश्विक संकेतों से तय होगी बाजार की दिशा

भाषा। नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह वृहद आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के तिमाही नतीजों तथा वैश्विक रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा निवेशकों की निगाह कोविड-19 महामारी से संबंधित ताजा घटनाक्रमों तथा संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी पर रहेगी। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा,

अमेरिका-चीन के बीच तनाव बढ़ने और कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी की वजह से अनिश्चितता बढ़ रही है। टीके के मोर्चे पर किसी सकारात्मक घटनाक्रम से अनिश्चितता घटेगी। ऐसे में शेयर बाजारों में अभी उतार-चढ़ाव रहेगा। तिमाही नतीजों का सीजन होने की वजह से कुछ शेयरों में गतिविधियां देखने को मिलेंगी। पिछले सप्ताह रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद अब सभी की निगाहें मुद्रास्फीति और औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों पर हैं। रिजर्व बैंक ने समीक्षा में रेपो दर में बदलाव नहीं किया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मुद्रास्फीति ऊंचे स्तर पर रह सकती है, लेकिन वित्त वर्ष की दूसरी छमाही से यह नीचे आनी शुरू होगी।

PUBLIC NOTICE

My client Mr. **Narendra Babu Gautam** (Aadhar No. 5202 7954 6546) S/o Late Shri Sarman Lal Baudh, aged 53 yrs. R/o presently residing at, 10-B/115, Vasundhara, Ghaziabad UP. Also R/o House No. C-5, Gaurav Apartments, Plot No. 1, I.P. Extension, Patparganj, Delhi -92 do hereby debar his daughter Ms. Twinkle Bauddh (Aadhar No. 4516 1628 7062) aged 24 yrs R/o Flat No. 301, Plot No. B-1, in front of Kripal Apartment, Near Kamal Sweet, Joshi Colony, IP Ext, Patparganj, Delhi-92 from inheriting any property of my client's movable or immovable etc. That Twinkle Bauddh has committed utmost physical and mental harassment towards my client since 22.9.2008 till date. That my client also debars Twinkle Bauddh from cremation right etc after death of my client. My client has no relationships of any kind whatsoever with Twinkle Bauddh since 22.9.2008. Ms Twinkle Bauddh is responsible for all her acts, deed & thingss & my client has no responsibility on account of the acts, deeds & things committed by said by winkle Buddh.

Harish Chand Sharma, Advocate
Enrl No. D/460-R/1998
77, Bank Vihar, Sarswati Vihar,ND M : 9810717516
Place : Delhi | Date : 20.07.2020

महिंदा राजपक्षे ने श्रीलंका के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली

सत्ता पर परिवार की पकड़ मजबूत हुई

भाषा। कोलंबो

श्रीलंका में संसदीय चुनाव में अपनी पार्टी की जबर्दस्त जीत के बाद महिंदा राजपक्षे ने सदियों पुराने एक बौद्ध मंदिर में रविवार को देश के नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली जिसके बाद द्वीपीय देश में इस प्रभावशाली परिवार की सत्ता पर पकड़ और मजबूत हो गई है। श्रीलंका पीपुल्स पार्टी (एसएलपीपी) के 74 वर्षीय नेता महिंदा राजपक्षे को उनके छोटे भाई एवं राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने बौद्धभिक्षुओं, राजनयिकों और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में पद की शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री के तौर पर चौथी पारी शुरू करने के शीघ्र बाद उन्होंने ट्वीट किया, अपने लोगों को सेवा करने का एक बार फिर मौका पाकर मैं धन्य हूं।

महिंदा राजपक्षे ने कहा कि लोगों द्वारा उन पर प्रकट किए गए विश्वास से उन्हें देश की सेवा करते रहने की प्रेरणा मिलेगी। प्रधानमंत्री ने संकल्प लिया कि वह सुनिश्चित करेंगे कि श्रीलंका उनके कार्यकाल में प्रगति के पथ पर चले।राजमहा विहार में स्थानीय समयानुसान नौ बजकर आठ मिनट के शुभ मुहुर्त पर श्रीलंका के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में उनके शपथ लेने पर एसएलपीपी के समर्थकों ने जश्न में पटाखे छोड़े।राजमहा विहार 2500 वर्ष पुराना मंदिर है और इसे केलानिया मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। मंदिर की वेबसाइट के मुताबिक, मंदिर को अक्सर श्रीलंका के उत्थान एवं पतन से जोड़ कर देखा जाता है। ऐसी कहावत है कि जब यह मंदिर उठता है, श्रीलंका का भी उत्थान होता है और जब यह गिरता है तो देश और उसका प्रशासन भी गिरता है। इस मंदिर का देश की राजनीतिक शक्तियों के साथ गहरा नाता है।महिंदा राजपक्षे ने इस साल जुलाई में संसदीय राजनीति में 50 वर्ष पूरे किए। वह 1970 में महज 24 साल की उम्र में सांसद निर्वाचित

महिंदा राजपक्षे ने सदियों पुराने एक बौद्ध मंदिर में देश के नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने के दौरान छोटे भाई एवं राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को आशीर्वाद देते हुए

हुए थे। उसके बाद से वह दो बार राष्ट्रपति चुने गए और तीन बार प्रधानमंत्री नियुक्त किए गए।महिंदा राजपक्षे नीत एसएलपीपी ने पांच अगस्त के आम चुनाव में जबरदस्त जीत हासिल करते हुए संसद में दो तिहाई बहुमत हासिल किया। इस बहुमत के आधार पर वह संविधान में संशोधन कर पाएगी जो शक्तिशाली राजपक्षे परिवार की सत्ता पर पकड़ को और मजबूत बनाएगा। श्रीलंका के लिए भारत के उच्चायुक्त गोपाल बागले नए प्रधानमंत्री को बधाई देने वाले पहले राजदूत बने जब उन्होंने शनिवार को महिंदा राजपक्षे से मुलाकात की। बागले ने याद किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावों के सफल आयोजन पर श्रीलंका के लोगों और सरकार की सराहना की थी और एसएलपीपी के प्रभावी चुनावी प्रदर्शन को स्वीकारा था। यहां भारतीय उच्चायोग ने कहा कि उन्होंने श्रीलंका में नई सरकार और संसद के साथ करीब से काम करने की भारत सरकार की दृढ़ इच्छा एवं प्रतिबद्धता को दोहराया ताकि द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत बनाया जा सके। महिंदा को 5,00,000 से अधिक व्यक्तिगत वरीयता के मत मिले। चुनावी इतिहास में पहली बार किसी प्रत्याशी को इतने मत मिले हैं। एसएलपीपी ने 145 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत दर्ज करते हुए अपने सहयोगियों के साथ कुल 150 सीटें अपने नाम कीं जो 225 सदस्ईय सदन में दो तिहाई बहुमत के बराबर है।कैबिनेट मंत्रियों, राज्य मंत्रियों एवं उपमंत्रियों को इस हफ्ते शपथ दिलाई जा सकती है।श्रीलंकाई राजनीति में राजपक्षे परिवार का दो दशक से वर्चस्व है। इसमें एसएलपीपी के संस्थापक एवं इसके राष्ट्रीय संयोजक 69 वर्षीय बासिल राजपक्षे भी शामिल हैं जो 71 वर्षीय गोटबाया राजपक्षे और महिंदा राजपक्षे के छोटे भाई हैं। महिंदा राजपक्षे अप्रैल 2004 से नवंबर 2005 तक प्रधानमंत्री थे। उसके बाद 2018 में वह प्रधानमंत्री थे। तत्पश्चात वह नवंबर, 2019 से पांच अगस्त 2020 तक प्रधानमंत्री रहे। इससे पहले 2005 से 2015 तक करीब एक दशक तक राष्ट्रपति रहे हैं।राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने नवंबर में हुए राष्ट्रपति चुनाव में एसएलपीपी की टिकट पर जीत दर्ज की थी।संसदीय चुनाव में वह 150 सीटें प्राप्त करना चाह रहे थे जो संविधान में संशोधन के लिए आवश्यक थीं। इन बदलावों में संविधान के 19वें संशोधन को निरस्त करना शामिल था जो संसद की भूमिका को मजबूत करते हुए राष्ट्रपति की शक्तियों को प्रतिबंधित करता है। द्वीपीय देश में असहमति और आलोचना के लिए कम होती गुंजाइश से पहले से ही चिंतित कार्यकर्ताओं को भय है कि इस कदम से निरंकुशता न आ जाए। इन चुनावों में सबसे ज्यादा नुकसान पूर्व प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे की यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) को हुआ जिसे केवल एक सीट नसीब हुई। यूएनपी नेता एवं चार बार के प्रधानमंत्री रहे विक्रमसिंघे 1977 में संसद में प्रवेश करने के बाद से पहली बार अपदस्थ हुए हैं।

सिंगापुर में कोरोना वायरस के टीके का प्रारंभिक स्तर का परीक्षण शुरू

भाषा। सिंगापुर,

सिंगापुर में कोविड-19 के टीके के लिए प्रारंभिक स्तर का क्लीनिकल परीक्षण शुरू हो गया है और अगले सप्ताह ट्रायल में शामिल लोगों को पहला टीका दिया जा सकता है। एक खबर में यह दावा किया गया है। सिंगापुर में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले रविवार को 55 हजार के आंकड़े को पार कर गए। स्ट्रेट्स टाइम्स की खबर के अनुसार ड्यूक-एनयूएस मेडिकल स्कूल और अमेरिका की फार्मास्युटिकल कंपनी आर्कटरस थेरेपेटिक्स द्वारा विकसित टीके को ल्यूनर-कोव19 नाम दिया गया है। अनुसंधानकर्ता इस समय उन लोगों की स्क्रीनिंग कर रहे हैं जिन्होंने ट्रायल में भाग लेने की पेशकश की है। यह अक्टूबर तक चल सकता है।

दक्षिण कोरिया में भारी बारिश के बाद हैन नदी के पास बने पार्क व आसपास का क्षेत्र पानी से डूब गया

द. कोरिया में पिछले कई दिनों से जारी मूसलाधार बारिश में कम से कम 30 लोगों की मौत

एपी। सियोल

दक्षिण कोरिया में एक हफ्ते से ज्यादा वक्त से जारी मूसलाधार बारिश संबंधी घटनाओं में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और 12 लोग लापता हो गए। सरकार ने आगे और बारिश होने की चेतावनी देते हुए रविवार को यह जानकारी दी। गृह एवं सुरक्षा मंत्रालय ने एक रिपोर्ट में बताया कि भूस्खलन, बाढ़ एवं अन्य घटनाओं में एक हफ्ते में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और 12 लोग लापता हो गए। इनमें से पिछले दो दिन में 13 लोगों की मौत हुई और दो लोग लापता हुए।बृहस्पतिवार और शुक्रवार को हुई बारिश के बाद दक्षिणी क्षेत्र में आवासीय इलाकों, सड़कों और खेतों में बाढ़ आने से 3,700 से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं।

भारतीय-अमेरिकी शोधकर्ता की याद में समुदाय के सदस्यों ने दौड़ का आयोजन किया

भाषा। ह्यूस्टन

अमेरिका के टेक्सास राज्य के प्लानो शहर में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सैकड़ों सदस्यों ने भारतीय मूल की अमेरिकी शोधकर्ता एवं एथलीट की याद में दौड़ का आयोजन किया जिनकी इस माह की शुरुआत में हत्या कर दी गई थी। पुलिस के मुताबिक 43 वर्षीय शर्मिष्ठा सेन की एक अगस्त को हत्या कर दी गई थी जब वह प्लानो में चिसहोम ट्रेल पार्क के पास जॉगिंग कर रहीं थी। उनका शव एक राहगीर को मार्चमेन वे और लेगेसी ड्राइव के पास एक छोटी नदी वाले इलाके में पड़ा मिला था। सेन एक फार्मासिस्ट और अनुसंधानकर्ता थीं जिन्होंने मॉलिक्यूलर बायोलॉजी की पढ़ाई की थी और कैंसर मरीजों के लिए काम कर रही थीं। वह मूल रूप से झारखंड के सिंदरी की रहने वाली थीं और अरिंदम रॉय से शादी होने के बाद प्लानो आकर बस गईं थी। उनके दो बेटे हैं।शनिवार सुबह, स्थानीय समुदाय के सदस्य सेन को श्रद्धांजलि देने के लिए चिसहोम ट्रेल पार्क में एकत्र हुए। उन्होंने उसी स्थान पर स्मारक दौड़ का आयोजन किया जहां वह अक्सर आती-जाती थी और पार्क का वही रास्ता लिया जहां हत्या वाले दिन वह जॉगिंग कर रहीं थी। सेन की एक दोस्त ने कहा, वह निश्चित ही अपनी छाप छोड़ गईं हैं और इसलिए उन्हें याद करने के लिए आज हम सब यहां हैं। दोपहर के वक्त सेन और उनके परिवार के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े। पुलिस ने सेन की हत्या वाले दिन ही 29 वर्षीय युवक को उसी इलाके में चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया।पुलिस के मुताबिक, बरकरी मोनक्रिफ सेन की हत्या का संदिग्ध है लेकिन उसपर फिलहाल आरोप तय नहीं किए गए हैं।

क्विक न्यूज

लेबनान की सूचना मंत्री ने इस्तीफा दिया

बेरूत। विध्वंसक धमाके का प्रभाव झेल रहे लेबनान में सूचना मंत्री ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनका इस्तीफा ऐसे समय मे आया है जब सत्ताधीशों के प्रति जनाक्रोश बढ़ रहा है क्योंकि सत्ताधारी वर्ग को कुप्रबंधन एवं भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। माना जा रहा है कि राजधानी बेरूत में हुए धमाके के पीछे भ्रष्टाचार ही प्रमुख वजह है। सूचना मंत्री मनल अब्दुल समद ने अपने त्यागपत्र में कहा कि बदलाव संभव नही हुआ और उन्हे लेबनान की जनता की आकांक्षाएं पूरी नही कर पाने का अफसोस है। ऐसी खबर है कि पर्यावरण मंत्री भी इस्तीफा दे सकते है। इससे चुनौतियों से घिरे प्रधानमंत्री हसन दियाब की परेशानियां बढ़ सकती हैं। दियाब ने जनवरी में ही कमान संभाली थी और तभी से वह संकटों से जूझ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सैकड़ों टन विस्फोटक सामग्री में हुए विस्फोट में कम से कम 160 लोग मारे गए थे और करीब 6,000 घायल हुए थे। इस विस्फोट मे सैकड़ो इमारते भी तबाह हो गई थीं।

मंत्री एलेक्स अजार के नेतृत्व में दशकों बाद ताइवन के दौरे पर पहुंचा अमेरिकी दल

ताइपे। अमेरिका के स्वास्थ्य एवं मानव सेवा (एचएचएस) मंत्री एलेक्स अजार के नेतृत्व में रविवार को शीर्ष अमेरिकी दल ताइवान की यात्रा पर पहुंचा। अमेरिका और ताइवान के बीच 1979 में औपचारिक द्विपक्षीय संबंध समाप्त होने के बाद से किसी अमेरिकी कैबिनेट मंत्री की यह पहली यात्रा है।चीन पहले ही अजार की यात्रा के मद्देनजर अपना विरोध जता चुका है। साथ ही चीन ने इस यात्रा को ताइवान से किसी तरह का आधिकारिक संबंध नही रखने की अमेरिकी प्रतिबद्धता के प्रति विश्वासघात करार दिया। चीन ताइवान पर अपना दावा जताता रहा है। कोरोना वायरस से निपटने के लिए समन्वय स्थापित करने के मद्देनजर अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान अजार इस द्वीप की राष्ट्रपति साई इंग-वेन और स्वास्थ्य अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। वायरस का केंद्र रहे चीन से बेहद करीब स्थित होने के बावजूद इस द्वीप मे कोरोना वायरस संक्रमण के मामले 500 से भी कम रहे और इस घातक वायरस से सात लोगो की मौत हुई। ऐसे मे ताइवान सरकार की स्वास्थ्य प्रणाली को इसका श्रेय जाता है। अजार के कार्यालय ने कहा कि वह कोविड-19, वैश्विक स्वास्थ्य और चिकित्सा उपकरणो की आपूर्ति एवं प्रौद्योगिकी के संबंध मे ताइवान की भूमिका को लेकर चर्चा करेंगे।

न्यूजीलैंड में पिछले 100 दिन में घरेलू स्तर पर संक्रमण का कोई मामला नहीं आया सामने

वेलिंगटन। जब पूरी दुनिया कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से निपटने के लिए जूझ रही है और वैश्विक अर्थव्यवस्था लड़खड़ा गई है, ऐसे मे न्यूजीलैड एक मिसाल है, जहां पिछले 100 मे घरेलू स्तर पर संक्रमण का एक भी मामला सामने नही आया है। न्यूजीलैड मे मार्च के अंत मे सख्ती से लॉकडाउन लागू कर संक्रमण को पूरी तरह काबू कर लिया गया था। उस समय देश मे मात्र 100 लोग संक्रमित थे। देश मे रविवार को घरेलू स्तर पर संक्रमण का एक भी मामला सामने नही आने के 100 दिन पूरे हो गए। पिछले तीन महीने से देश मे केवल वे कुछेक लोग ही संक्रमित पाए गए है, जो विदेशो से लौट रहे है और उन्हे सीमा पर ही पृथक-वास मे भेज दिया गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ ओटागो मे महामारी विशेषज्ञ प्रोफेसर माइकल बेकर ने कहा, यह अच्छे विज्ञान एवं बेहतरीन राजनीतिक नेतृत्व का कमाल है। यदि आप दुनियाभर मे देखें, तो जिन देशो ने संक्रमण को काबू पाने मे सफलता हासिल की है, वहां आमतौर पर इन दोनो चीजो का संगम है। न्यूजीलैड की प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न के नेतृत्व की चौतरफा प्रशंसा हो रही है। उन्होंने लॉकडाउन मे लोगो को रोज स्थिति की जानकारी दी और सख्ती से लॉकडाउन का पालन कर संक्रमण से निपटने का भरोसा दिलाया। देश मे अब तक संक्रमण के करीब।,500 मामले सामने आए है और इनमे से 22 लोगो की मौत हुई है।

कोविड-19: भारतीय सेना ने नेपाली सेना को दिए 10 वेंटीलेटर

काठमांडू। भारतीय सेना ने रविवार को नेपाली सेना को कोविड-19 महामारी के खिलाफ उसके संघर्ष में सहयोग पहुंचाने के लिए 10 वेंटीलेटर भेंट किए। नेपाल में इस बीमारी से 75 लोगों की मौत हो चुकी है। नेपाल मे भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने रविवार को नेपाली सेना के मुख्यालय मे एक कार्यक्रम के दौरान वहां के सेना प्रमुख पूर्ण चंद्र थापा को वेंटीलेटर सौंपे। भारतीय मिशन ने एक बयान मे यह जानकारी दी। सघन चिकित्सा की जरूरत वाले मरीजों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने मे सहायक है। बयान मे कहा गया है कि भारतीय सेना का नेपाली सेना को सबसे पहले मानवीय सहायता और राहत प्रदान करने का पुराना रिकार्ड रहा है। ये वेंटीलेटर दोनों सेनाओ के बीच इस निरंतर सहयोग के तहत दिए गए है।

गुआनाजुआतो में सात लोगों की हत्या

एपी। मेक्सिको सिटी

मेक्सिको का सबसे हिंसक राज्य है गुआनाजुआतो

मेक्सिको के एक ड्रग माफिया की हाल में हुई गिरफ्तारी के बाद उम्मीद की जा रही थी कि देश के सबसे हिंसक राज्य गुआनाजुआतो में अब शांति स्थापित हो जाएगी, लेकिन सात लोगों के गोलियों से छलनी शव मिलने के बाद इन उम्मीदों पर पानी फिर गया। नशीली दवाएं बनाने एवं बेचने वाले एक गिरोह ने घोषणा की है कि वह इस राज्य में अपना नियंत्रण स्थापित करने वाला है। गुआनजुआतो राज्य में सांता रोजा डी लीमा गिरोह और उसके प्रतिद्वंद्वी गिरोह जेलिस्को के बीच 2017 में इस औद्योगिक राज्य को अपने-अपने कब्जे में लेने के लिए लड़ाई शुरू होने के बाद से अब तक 9,000 से ज्यादा लोगों की हत्या की जा चुकी है। ऐसी उम्मीद की जा रही थी कि सांता रोजा गिरोह के नेता जोस एंतोनियो एपेज ओर्तिज उर्फ एल मारो की दो अगस्त को हुई गिरफ्तारी के बाद हिंसा खत्म हो जाएगी, लेकिन शनिवार को गुआनजुआतो के अधिकारियों ने पुष्टि की कि राज्य की सीमा के पास सड़क के किनारे सात लोगों के गोलियों से छलनी शव पड़े मिले। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें वहां से राइफल और पिस्तौल से चलाई गई गोलियों के खोके मिले हैं जो दिखाते हैं कि सभी की हत्या उसी स्थान पर की गई। शनिवार को ही, सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में करीब 20-22 लोग राइफलों, 50 बोर की स्निपर राइफल और कम से कम दो बेल्ट वाली मशीन गन साथ में लिए सेना जैसी वर्दी पहने हुए नजर आए।वीडियो में दिख रहे व्यक्तियों ने खुद को सांता रोजा गिरोह का प्रतिद्वंद्वी जेलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल का सदस्य बताया, जो अब गुआनजुआतो में अपना नियंत्रण स्थापित करना चाहता है।

परमाणु हथियारों पर लोगों ने की प्रतिबंध की अपील

नागासाकी पर परमाणु हमले की 75वीं बरसी

एपी। तोक्यो

जापान के नागासाकी पर हुई अमेरिकी बमबारी के रविवार को 75 साल पूरे होने पर शहर के मेयर और हमले में जीवित बचे लोगों ने अपने देश समेत विश्वभर के नेताओं से परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध लगाने के लिए और कदम उठाने की अपील की है। अमेरिका के बी-9 बमवर्षक बॉकस्कार ने नौ अगस्त, 1945 को पूर्वाह्न 11 बजकर दो मिनट पर नागासाकी पर 4.5 टन का प्लूटोनियम बम फैट मैन गिराया था।

हमले में जीवित बचे लोगों समेत अन्य लोगों ने इस दौरान मारे गए 70,000 से अधिक लोगों की याद में रविवार को 11 बजकर दो मिनट पर एक मिनट का मौन रखा। कोरोना वायरस के चलते इस कार्यक्रम में कम लोगों को यहां आने की अनुमति थी। नागासाकी पर हमले से तीन दिन पहले अमेरिका ने हिरोशिमा पर पहला

नागासाकी पर अमेरिका द्वारा परमाणु हमले की 75वीं बरसी पर मृतकों को श्रद्धांजलि देते जापान के प्रधानमंत्री शिंजो अबे

परमाणु बम गिराया था, जिससे यह शहर तबाह हो गया था। इस हमले में।,40,000 लोगों की मौत हो गई थी। यह दुनिया में पहला परमाणु हमला था। जापान ने 15 अगस्त को आत्मसमर्पण कर दिया था, जिससे द्वितीय विश्वयुद्ध का अंत हुआ था। हमले में जीवित बचे कई लोगों को विकिरण के संपर्क में आने के कारण कैंसर या कोई न कोई अन्य बीमारी हो गई और उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ा। नागासाकी के मेयर तोमिहिसा ताउए ने शांति घोषणा में जापान सरकार और सांसदों से अपील की कि वे परमाणु हथियार निषेध संधि, 2017 पर जल्द हस्ताक्षर करें। मेयर ने कहा कि परमाणु हथियारों का खतरा पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है।ताउए ने चिंता जताई कि हालिया वर्षों में परमाणु सम्पन्न देश निरस्त्रीकरण के प्रयासों से पीछे हटे हैं और वे परमाणु हथियारों को उन्नत कर रहे हैं एवं उनके इस्तेमाल को सरल बनाने के लिए उनका आकार छोटा कर रहे हैं। उन्होंने मध्यम दूरी परमाणु शक्ति संधि रद्द करने से बढ़े जोखिम के लिए अमेरिका और जापान की आलोचना की।जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने समारोह में भाग लेने के बाद परमाणु हथियार निषेध संधि की आलोचना करते हुए इसे वास्तविकता से परे करार दिया।

पृथक-वास एक तरह से आशीर्वाद के जैसा है : प्रियंका चोपड़ा

भाषा। लॉस एंजिलिस

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास ने कहा कि वह पृथक-वास को आशीर्वाद के तौर पर देखती हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि वह दुनियाभर में इतने लोगों के मुकाबले अच्छी स्थिति में हैं। अपने पति निक जोनास के साथ अभी लॉस एंजिलिस में रह रहीं बेवॉच अभिनेत्री ने कहा कि वह ठीक हैं।

प्रियंका ने एंटरटेनमेंट टूनाइट से कहा, मुझे कहना होगा कि मैं दुनिया में इतने लोगों के मुकाबले अच्छी स्थिति में होने को लेकर खुशकिस्मत महसूस करती हूं। हम स्वस्थ हैं, दोस्त तथा परिवार स्वस्थ है और मेरे पास कुछ रचनात्मक करने का वक्त है, इसलिए मैं कहूंगी कि यह एक तरह से आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के दौरान एक-दूसरे की मदद करना वक्त की मांग है। अभिनेत्री ने कहा, इस समय कुछ करना महत्वपूर्ण है और कोई भी कुछ भी कर सकता है। भोजन, निवास, दान, शिक्षा को प्रायोजित करना...ए सभी चीजें महत्वपूर्ण हैं। मुझे लगता है कि हर

किसी को इस तरह सोचने की जरूरत है। इस 38 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि दुनिया बहुत निष्ठुर, मुश्किल वक्त का सामना कर रही है लेकिन यह संकट लोगों के लिए अपनी मानवता दिखाने का अवसर है। उन्होंने कहा, लगभग छह-सात महीने बीत चुके हैं। आप पीछे मुड़कर देखो कि कैसे विपरीत परिस्थितियों ने दुनिया के कई हिस्सों पर असर डाला है और दुनिया में कितने सारे लोगों को कोविड-19 से ज्यादा गरीबी, भुखमरी से निपटना पड़ा है।

शांति वार्ता के लिए तालिबानी कैदियों को रिहा करेगी अफगान परिषद

एपी। काबुल,

परिषद द्वारा जारी घोषणापत्र में तत्काल शांति वार्ता शुरू करने और संघर्ष विराम लागू करने की मांग की गई है

परंपरागत अफगान परिषद (जिरगा) की बैठक में सैकड़ों प्रतिनिधियों ने 400 तालिबानी कैदियों की रिहाई पर सहमति जताई। इसके साथ ही अफगानिस्तान की सरकार और तालिबान के बीच शीघ्र वार्ता होने का रास्ता साफ हो गया है। बैठक रविवार को समाप्त हुई। परिषद द्वारा आधिकारिक भाषा पश्तो और फारसी में जारी घोषणापत्र में तत्काल शांति वार्ता शुरू करने और संघर्ष विराम लागू करने की मांग की गई है। इस कदम के साथ अमेरिकी सैनिकों की अफगानिस्तान से वापसी और सबसे लंबे सैन्य अभियान की समाप्ति और करीब आ गई है। परिषद द्वारा काबुल के नेतृत्व और तालिबान के बीच होने वाली वार्ता की कोई तारीख घोषित नहीं की गई है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि यह अगले हफ्ते शुरू होगी और बातचीत करने का स्थान पश्चिम एशिया का देश कतर होगा जहां पर तालिबान ने अपना राजनीतिक कार्यालय खोला है। अफगान शांति वार्ता का प्रावधान इस साल फरवरी में अमेरिका और तालिबान के बीच हुए शांति समझौते में किया गया है। जब यह समझौता किया गया तो माना गया कि यह अफगानिस्तान में चल रहे युद्ध को खत्म करने का सबसे बेहतर मौका है। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने परिषद के प्रतिनिधियों द्वारा लिए गए फैसले की प्रशंसा की और तालिबान से लड़ाई रोकने की अपील की। तालिबान के राजनीतिक प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने कहा, यह फैसला अच्छा और सकारात्मक कदम है। उसने कहा कि उनके कैदियों की रिहाई के साथ वार्ता एक हफ्ते के भीतर शुरू हो सकती है।संघर्ष विराम के मुद्दे पर शाहीन ने कहा, तालिबान अमेरिका के साथ हुए करार को लेकर प्रतिबद्ध है और इस करार के तहत अंतर अफगान वार्ता में जिन मुद्दों की चर्चा होगी उनमें संघर्ष विराम एक है। हालांकि, परिषद द्वारा कैदियों को रिहा करने का फैसला स्तब्ध करने वाला नहीं है कयोंकि परिषद या जिरगा की बैठक शुरू होने से पहले ही अमेरिका ने इसमें शामिल होने वाले प्रतिनिधियों से शुक्रवार को अपील की थी कि वे ऐसा कदम उठाएं ताकि वार्ता शुरू हो और इस युद्ध का समापन हो। परिषद के सचिव अतीफा तैयब ने समापन पर घोषणापत्र जारी करते हुए कहा, बाधाओं को दूर करने, शांति वार्ता शुरू करने के लिए जिरगा ने 400 तालिबान कैदियों को रिहा करने का फैसला किया है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और तालिबान के बीच हुए समझौते के तहत अफगानिस्तान की सरकार पांच हजार तालिबान कैदियों को रिहा करेगी जबकि तालिबान करीब एक हजार सरकारी और सैन्य कर्मियों को अच्छी भावना के तहत रिहा करेगा।

परंपरागत अफगान परिषद (जिरगा) की बैठक में अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी व अन्य भाग लेते हुए

डिजीटल मार्केटिंग और डाटा विश्लेषण जैसी नवयुगीन योग्यताओं की भारी मांग है। अंकित श्यामसुख का कहना है कि व्यावसायिक शिक्षा इस शून्य को भरने में पहल कर सकती है

प्रशिक्षित श्रमशक्ति है प्रमुख

महामारी के दौरान तकनीक के हर चीज का मूल बन जाने से, हमने तकनीक की उपयोगिता व ऐसी अनेक तब्दीलियों को देखा है, जो अन्यथा स्थिति में अगले कम से कम छह सालों में हुई होतीं। कुछ ऐसा लगता है कि अपने रोजमर्रा जीवन में तकनीक के इस्तेमाल के मामले में, हमने छह सालों की छलांग लगाई है। इसीलिए उचित व्यवसायिक शिक्षा भी मांग करती है कि तकनीक को खासी तीव्रता के साथ अपनाना जाए ताकि हम कुछ उस तरह अपने विचारों को साध सकें कि एक उत्पाद को न्यूनतम संभव समय में बनाया जाए तथा तकनीक की सहायता से उपभोक्ता तक यथासंभव शीघ्रता से पहुंचाया जाए।

महामारी के आर्थिक संकट से लड़ने के लिए, व्यक्ति को पर्याप्त योग्य होना चाहिए ताकि कंपनियां उसे इसलिए काम पर रख सकें कि उसमें उनकी वितरण प्रक्रिया को तेज करने की सभी अपेक्षित योग्यताएं हैं। सरकार को भी आर्थिक मंदी से पार पाने के लिए व्यवसायिक शिक्षा पर खास ध्यान देना चाहिए। व्यवसायिक शिक्षा प्रत्येक विकसित देश की रीढ़ है। उदाहरण के लिए, चीन के पास व्यावसायिक प्रशिक्षण का विशाल मंच है। वे सुनिश्चित करते हैं कि उनका प्रशिक्षण देश के कोने कोने तक पहुंचे ताकि अति प्रशिक्षित लोग इंडस्ट्री में नियुक्त हों। इसलिए इस सेक्टर को सरकार से प्रोत्साहन की जरूरत है।

यहां कुछ तरीके हैं जिनके जरिए व्यवसायिक शिक्षा को मजबूत बनाया जा सकता है। हमारे देश में, व्यवसायिक शिक्षा को अक्सर स्कूलों, कालेजों व विश्वविद्यालयो के साथ जोड़ दिया जाता है। इसे महत्ता के अलावा विशेष पहचान दिए जाने की जरूरत है। निजी संस्थानों द्वारा प्रदत्त इस व्यवसायिक शिक्षा को संभालने की उचित संस्था की कमी दिखाती है कि इस संदर्भ में काफी गलतफहमी है।

यह उत्तम समय है जब सरकार का कोई सहयोग तथा व्यवसायिक शिक्षा में प्रोत्साहन अत्यंत कुशल भारत को सुनिश्चित कर सकता है जो आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता कदम है। यह कदम भारी निवेश को भी आकर्षित करेगा। उदाहरण के लिए, उद्योग चीन जाते हैं क्योंकि उन्हें वहां प्रशिक्षित श्रमशक्ति मिलती है और वहां, भारत जैसे अन्य देशों की तुलना में, किसी भी समय कंपनी स्थापित करना आसान है।

जमीन और अन्य के अलावा श्रमशक्ति को जुटाना केवल एक दिन का मामला बनता है। लेकिन कुशल श्रमशक्ति पाना वहां कभी भी मुद्दा नहीं है। यह अनेक अन्य देशों के लिए चुनौती है जहां व्यवसायिक शिक्षा को शिक्षा के अन्य वर्गों की तरह प्रोत्साहित नहीं किया गया है। प्रशिक्षित श्रमशक्ति की महत्ता आज आवश्यकता है।

महामारी के आर्थिक संकट से लड़ने के लिए व्यक्ति को पर्याप्त योग्य होना चाहिए ताकि कंपनियां उसे इसलिए काम पर रख सकें कि उसमें उनकी वितरण प्रक्रिया को तेज करने की सभी अपेक्षित योग्यताएं हैं। सरकार को भी आर्थिक मंदी से पार पाने के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर खास ध्यान देना चाहिए। व्यावसायिक शिक्षा प्रत्येक विकसित देश की रीढ़ है। उदाहरण के लिए, चीन के पास व्यावसायिक प्रशिक्षण का विशाल मंच है। वे सुनिश्चित करते हैं कि उनका प्रशिक्षण देश के कोने कोने तक पहुंचे ताकि अति प्रशिक्षित लोग इंडस्ट्री में नियुक्त हों।

जिस तरह कोरोना वायरस के कारण नौकरियां खत्म होती गयी हैं, यह दिखाता है कि प्रशिक्षण की आवश्यकता इस समय एकमात्र मूलभूत चीज बन गयी है।

महामारी ने प्रत्येक संगठन एवं प्रशिक्षित श्रमशक्ति में प्रशिक्षण की महत्ता को रेखांकित किया है। यह देखा गया है कि योग्यता ने हमारे देश में हमेशा अनेक अवसरों के दरवाजे खोले हैं। हमें महामारी से बाहर निकलने के लिए बड़े प्रोत्साहन की जरूरत है। सिलाई, मेहमानवाजी व नर्सिंग जैसे अनेक व्यवसाय हैं जिन्हें आनलाइन प्रशिक्षित नहीं किया जा सकता।

इसलिए, सरकार को ऐसे किसी व्यवसाय को शुरू करने की अनुमति देनी चाहिए। सभी उद्योगों व संस्थानों को बदलाव को गले लगाना चाहिए। हमारे यहां जिस प्रकार का बाजार है, हर किसी के पास नकदी की समस्या है।

हमारे देश में, व्यवसायिक शिक्षा की दखल दुनिया में सबसे कम है। समूचा समुदाय, खासतौर पर युवा, जो 21 से 35 साल के आयुवर्ग में आते हैं, उन्हें पुराना भूलने व नया सीखने की जरूरत है। अनेक दरवाजों के बंद होने के साथ, हजार नए अवसर भी है जो उत्पन्न हो रहे हैं। लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास उन रोजगारों के लिए आवश्यक योग्यताएं नहीं होती हैं।

उदाहरण के लिए महामारी के दौरान, पिछले तीन महीनों में बनी वेबसाइटों की संख्या साल भर में बनी वेबसाइटों के लगभग बराबर है। अनेक नयी योग्यताएं व क्षेत्र खुले हैं। डिजीटल मार्केटिंग, डाटा विश्लेषण जैसी नवयुगीन योग्यताओं की भारी मांग है।

सुरक्षा कारणों से या नौकरियां छूटने के कारण लोग अपने मूल शहरों की ओर गए हैं। अब उन्हें उन योग्यताओं के बारे में जानने की जरूरत है जिनकी उनके अपने शहर में मांग है। यदि आप बैंगलुरू में हैं, तो आपको आईटी योग्यताओं की आवश्यकता है लेकिन जब आप गुजरात में हैं तो आपको नौकरी पाने के लिए औद्योगिक योग्यताएं हासिल करने की जरूरत है। लोगों को अपने लिए आवश्यक योग्यताएं पहचाननी और उसी प्रकार उत्तम लोग या कंपनी ढूंढ़नी चाहिए ताकि उसके लिए उत्तम योग्यताएं हासिल कर सकें। भारत में विशेषज्ञता की बात की जाती है लेकिन बिरले ही उसका आचरण किया जाता है। उदाहरण: आप ईएनटी विशेषज्ञ के पास जाते हैं जब आपको गले/नाक/कान की समस्या होती है लेकिन क्या आप आर्थोपेडिक डाक्टर के पास जाते हैं? इसी तरह, अपने करियर के लिए विशेषज्ञ के पास क्यों नहीं जाते हैं? क्या करियर और योग्यताएं अगर ज्यादा महत्वपूर्ण नही तो समान दर्जे की हकदार नहीं होती?

-लेखक आईसीए एडू स्किल्स के सीईओ हैं।

इंटरनेट से बदल रही है शिक्षा व्यवस्था

भारत में इंटरनेट शिक्षा व्यवस्था को आमूलचूल परिवर्तित कर रहा है। नोवल कोरोना वायरस फैलने से जिसने समूचे देश को तालांबद हो जाने के लिए बाध्य कर दिया, ई-लर्निंग और अन्य कामों के साथ, घर से काम करना, एक नयी सामान्य स्थिति बन गया है। स्मार्ट कक्षाएं और मोबाइल तकनीक न केवल महंगे निजी स्कूलों में शिक्षा को बदल रहे हैं, बल्कि यह धीरे धीरे सरकारी स्कूलों में भी अपनी पैठ बना रहे हैं।

प्रत्येक सेक्टर अप्रत्याशित स्थिति से निपटने में व्यस्त है। हालांकि कार्पोरेट घरानों के लिए घर से काम करना और सामान्य की तरह बिजनेस चालू रखना थोड़ा आसान हुआ है, मगर शिक्षा व्यवस्था के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण बन गयी है क्योंकि यह बदलावों को अपनाने में सुस्त है। हर कहीं होने वाली बाधाओं से, विभिन्न संबंधित शिक्षक, राजनेता, विद्वान और नौकरशाह शिक्षा व्यवस्था के परिष्करण की जरूरत का समर्थन करते हैं।

डिजीटल लहर भारत में पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था को बदल रही है। हालांकि संकट भयावह है, मगर यह हमारे शैक्षणिक संस्थानों को तकनीकी रूप से उन्नत तथा नवयुगीन उपकरणों व तकनीकों से सुसज्जित बना रहा है। हालांकि, छात्रों और शिक्षकों ने भारी तालमेल बैठाया है जैसा कि पढ़ाई हमेशा से कक्षाओं में होती आई हैं और उनमें से अनेक सुदूर रहकर पढ़ाई करने के लिए तकनीक से बहुत ज्यादा लैस नहीं हैं।

माइंड इट

लंबी तालाबंदी के बाद के संकट ने शैक्षणिक संस्थानों द्वारा डिजीटल तकनीक को अपनाने में तेजी लाई है और आनलाइन शिक्षा मंचों व डाटा प्रबंधन तरीकों को एक के बाद एक काम में लाना शुरू कर दिया गया है। अनेक शैक्षणिक संस्थान प्रयोग के अवसर के रूप में स्थिति का फायदा उठा रहे हैं और संकट में शिक्षा को संभव व अर्थपूर्ण प्रसार करने के लिए स्मार्ट उपकरणों का उपयोग कर रहे हैं।

हालांकि यह अनिश्चित है कि स्कूल और कालेज कब दुबारा खुलेंगे, मगर वे लगातार कोशिश कर रहे हैं कि संकट से कैरीकुलम प्रभावित न हो। डिजीटल रूपांतरण से, हालांकि आनलाइन शिक्षण व मूल्यांकन के जरिए उन्नत व नवोन्मेषी पेशेवर योग्यता विकसित करते हुए जोर ज्यादा उत्पादक व प्रभावी होने पर है।

हालांकि हम शिक्षक केन्द्रित शिक्षा से छात्र केन्द्रित शिक्षा की ओर बदलाव देखते हैं, मगर वर्चुअल कक्षाएं शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच भागीदारी बरकरार रखने और बढ़ाने में सहायता कर रही हैं, लगभग क्लासरूम टाइप अनुभव की तरह। इसके अलावा, स्मार्ट क्लासरूम शिक्षक-अभिभावक बैठकों से लेकर स्टाफ-प्रबंधन बैठकों तक हर चीज का प्रावधान करते हैं। शिक्षा व्यवस्था की सहायता की पहल में जब कालेज और स्कूल बंद हैं, सरकार हर स्तरों पर, केन्द्र व राज्य, समेत प्राइवेट संस्थान छात्रों की सहायता व लाभ के लिए विभिन्न कदम उठा रहे हैं। साथ ही, सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए तमाम प्रयास किए हैं कि शिक्षा पर संकट का असर कम से कम हो।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र स्कूल बंद रहने के दौरान अपनी पढ़ाई करते रहें, विभिन्न ई-लर्निंग पोर्टल्स और ई-पाठशाला, स्वयं जैसे एप्प, दीक्षा पोर्टल और स्टेम आधारित खेलों को सरकार व शिक्षा निकायों द्वारा आरंभ किया गया है। आनलाइन पढ़ाई धीरे धीरे शिक्षा व्यवस्था में एक क्रांतिकारी अनुभव के रूप में दिखी है। प्रमुख विश्व परिवर्तनकारी घटनाएं अक्सर, सार्स के उपरांत ई-कामर्स की तरह, तीव्र नवोन्मेषन का एक परिवर्तनकारी बिन्दु बन जाते हैं। यद्यपि भविष्यवाणी करने का यह उचित समय नहीं है, मगर कोविड-19 उपरांत ई-लर्निंग का अप्रत्याशित उभार हो सकता है जिसमें छात्रों को समूची दुनिया से सर्वोत्तम सुविधा उपलब्ध होगी।

संकट से राहत के रूप में जो सामने आया, वो उन्नत उपस्थिति, प्रतिस्पर्धा आधारित पढ़ाई, भविष्य के लिए उच्च क्षमता वाले शिक्षण तरीके बनना, ट्रेक करने योग्य शिक्षण, अधिक भागीदारी, कम भटकाव और त्वरित मूल्यांकन के कारण लोकप्रिय हो रहा है। आनलाइन मूल्यांकन मंच सिमित बैंडविड्थ को देखते हुए अपने उत्पाद सुधारने के लगातार प्रयास कर रहे हैं। काफी कुछ तो योजनाबद्ध व क्रियान्वयन हो गया है और अधिक सुधार होना जारी है। गुणवान शिक्षको और उन्नत आईटी संचना के साथ मिलकर उनका डिजीटल तकनीकों का अभ्यस्त होना वे महत्वपूर्ण पैमाने हैं जिन्हें भविष्य में देखा जाना बाकी है।

- लेखक किरण घाम, ग्लोबस इंफोकॉम लि की सीईओ हैं।

स्कॉलरशिप

द न्यू युनिवर्सिटी आफ एडीलेड हायर एजूकेशन स्कालरशिप का प्रस्ताव अब छात्रों के लिए उपलब्ध है। यह स्कालरशिप ट्यूशन फीस में 25 प्रतिशत की रियायत प्रदान करती है। यह स्कालरशिप आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को छोड़कर, हर देश के नागरिकों के लिए उपलब्ध है।

योग्यता: आवेदक अनिवार्यतया या तो आस्ट्रेलियन हायर एजूकेशन इंस्टीट्यूशन से मान्यता प्राप्त एक्यूएफ का अलूम्नी(ग्रेंजुएट) हो या उसने युनिवर्सिटी आफ एडीलेड में अपनी डिग्री की शुरूआत करने से पहले हाल में एक्यूएफ-मान्यताप्राप्त हायर एजूकेशन इंस्टीट्यूशन से अपनी पढ़ाई सफ्लतापूर्वक संपन्न की है। आवेदक के पास पूर्ण शुल्क भुगतान वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्र के रूप में युनिवर्सिटी आफ एडीलेड का प्रवेश संबंधी प्रस्ताव पत्र होना चाहिए। आवेदक ने अपने प्रवेश प्रस्ताव में दर्ज होने के बतौर स्वीकार्यता प्रक्रिया पूरी की हो।

युनिवर्सिटी की प्राथमिक प्रतिष्ठित अंग्रेजी भाषा परीक्षाए हैं: आईईएलटीएस, टीओईएफ्एल, पीयर्सन टेस्ट आफ इंगलिश। अंग्रेजी का अपेक्षित स्तर न रखने वाले छात्रों को प्रवेश पाने से पहले अंग्रेजी भाषा में गहन कोर्स की पढ़ाई को संतोषजनक स्तर पर पूरा करना होगा। युनिवर्सिटी उपयुक्त अंग्रेजी भाषा कोर्स, एकेडमिक इंगलिश (पीईपी पाथवे) की व्यवस्था करेगी।

आवेदन कैसे करें: जो उम्मीदवार मानकों पर खरे उतरते हैं वे स्वत: विचार कर लिए जाएंगे।

आवेदन की अंतिम तिथि: स्कालरशिप साल भर खुली हैं।

यूके में युनिवर्सिटी आफ एसेक्स के एमबीए डिग्री प्रोग्राम के लिए अर्ली बर्ड डिस्काऊंट इंटरनेशनल अवार्ड के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। यह शैक्षणिक अवार्ड विश्व के हर देश के छात्रों के लिए उपलब्ध है।

योग्यता: वे छात्र जो पूर्णकालिक एमबीए प्रोग्राम के लिए आवेदन कर रहे हैं। यह स्कालरशिप पार्ट टाइम या डिग्री एप्रेंटिसशिप प्रोग्राम के लिए आवेदन करने वाले छात्रों के लिए उपलब्ध नहीं है। इस स्कालरशिप को ऐसेक्स एमबीए डीन्स अवार्ड के साथ जोड़ा जा सकता है जिसमें सिर्फ कोर्स फीस का पचास फीसदी से कम रियायत का प्रस्ताव है।

इसे कोर्स फीस के पचास फीसदी या अधिक की धनराशि की ऐसेक्स एमबीए डींस अवार्ड के साथ जोड़ा नहीं जा सकता। इस स्कालरशिप को अलूम्नी लाएलिटी डिस्काऊंट समेत अन्य युनिवर्सिटी आफ ऐसेक्स स्कालरशिप्स के साथ जोड़ा नहीं जा सकता है। आवेदक को भेजे गए प्रस्ताव को दो सप्ताह के भीतर प्रस्ताव संबंधी स्वीकृति देनी होगी।

भाषा शर्त : यदि अंग्रेजी आपकी प्रथम भाषा नहीं है, तो आपको आईईएलटीएस, टीओईएफएल का या अन्य स्वीकृत अग्रेजी भाषा योग्यता का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

आवेदन कैसे करें: युनिवर्सिटी में मास्टर डिग्री प्रोग्राम में प्रवेश लेने वाले आवेदकों पर स्वत: विचार कर लिया जाएगा।

आवेदन की अंतिम तिथि: 31 अक्टूबर, 2020।

डॉ. प्रतिमा शोरी का कहना है कि छात्र समझने लगे हैं कि एचआर में जन विश्लेषण किस तरह कर्मचारी आचरण को समझने के अलावा डाटा आधारिक फैसले लेने में उनकी सहायता करेगा।

अपनी विश्लेषणकारी योग्यताएं निखारें

इस तेजी से बदलती दुनिया में व्यापार रूपांतरण एक अनिवार्यता बन गया है। बहुआयामी संचार चैनलों के जरिए कर्मचारी की भागीदारी व सशक्तीकरण लाजिमी हो गया है। बीते कुछ सालों में, हमने स्थिरता, तयशुदा सोच और अन्य डिजीटल केन्द्रित गतिविधियों की स्वीकार्यता में तीव्र वृद्धि देखी है।

अतीत में, वित्तीय एवं कामकाजी प्रदर्शनों का आंकलन करने के लिए मात्रात्मक तरीके लागू किए जाते थे, लेकिन लोगों का मूल्यांकन करने के लिए गुणात्मक तरीके लागू करना हमेशा कठिन हुआ है। इसीलिए, जन विश्लेषण निश्चित रूप से खेल परिवर्तक बना रहा है। इसने आचरणगत डाटा का मूल्यांकन करने में सहायता की, मसलन जिस पर कर्मचारी कार्यरत हैं, आचरणगत बदलाव किस प्रकार कंपनी के आर्थिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं, कौन सी चीज संगठन में कर्मचारी आचरण को प्रभावित कर सकती है।

मानव संसाधन मैनेजरों की अपनी भूमिका में, एमबीए छात्रों ने अपने करियर में जन विश्लेषण की महत्ता को सीखना शुरू कर दिया है। छात्र समझने लगे हैं कि किस प्रकार एचआर में यह विशिष्ट क्षेत्र कर्मचारी आचरण को समझते हुए, डाटा संचालित फैसले लेने में उनकी सहायता करेगा। यह आधार जन विश्लेषण के तीव्र गति से उभरते क्षेत्र के साथ आता है जिसे संस्थान अपना रहे हैं क्योंकि वे वे डाटा का संस्थान में कर्मचारी की रोजगार यात्रा का मूल्यांकन करने में उपयोग करते हैं।

निम्न ऐसे तरीके हैं जो बताते हैं कि किस प्रकार यह कोर्स एच आर पेशेवरों को इंडस्ट्री के लिए तैयार कर रहा है:

कर्मचारी आचरण को प्रभावी ढंग से विश्लेषण: एक महत्वपूर्ण पक्ष, जिसे एक एचआर पेशेवर को सुनिश्चित करना चाहिए कि गहन स्तरों पर कर्मचारी आचरण पर नजर रखे। बेहतर मुआवजों के साथ कर्मचारी के प्रयासों की पहचानना कर्मचारी की खुशी और संतुष्टि से सीधे संबंधित होता है। जन विश्लेषण समस्त स्तरों पर कर्मचारियों के साथ भागीदारी की नयी तकनीकों के साथ चलने में एचआर पेशेवरों की सहायता करता है।

पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया: एचआर के लिए सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण कायों में से एक होता है विभाग विशेष की आवश्यकताओं के अनुकूल प्रतिभा का उचित भंडार तलाशना और पहचान करना कि किस विभाग में अपेक्षित योग्यताओं के संदर्भ में कमियां हैं। ऐसे मामलों में, जन विश्लेषण प्रतिभा में अपेक्षित योग्यताओं, प्रोफाइलों में से चुनना, पारदर्शी प्रोफाइलिंग गणना तथा प्रतिभा विकास पर समझ प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब ऐसे डाटा आधारित फैसले लिए जाते हैं तो इससे कंपनी को अपने प्रतिभा भंडार के साथ अपने लक्ष्यों को संयोजित करने में सहायता होती है।

संभावित बिजनेस प्रभाव का पूर्वानुमान: वर्तमान रूझान और ऐतिहासिक डाटा कर्मचारी प्रदर्शन मापने तथा बिजनेस के लिए मुनाफा बनाने में उपयोगी होते हैं। संस्थान समय के साथ बिजनेस रूझानों पर प्रभाव को समझ सकता है। कारक में असंगत प्रभाव भी संभव होता है। यह सब उचित जन प्रयासों का अनुपालन का पूर्वानुमान करने में सहायता कर सकता है ताकि सुनिश्चित हो कि बिजनेस सकारात्मक रूप में प्रभावित है।

संगठन में विविधता बढ़ाएं: विविधता किसी भी व्यापार के लिए एक प्रबल कारक है। कंपनी के सभी कर्मचारियो की जीवनशैली में, जन विश्लेषण विविधता की स्थिति का आंकलन करने में प्रमुख भूमिका निभाता है। यह अवांछित पूर्वाग्रहों के क्षेत्र पहचानने और समस्या क्षेत्रों का प्रभावी समाधान करने में भी सहायता करता है।

जन विश्लेषण एचआर क्षेत्र में प्रमुख उपादान बनकर उभरा है और कोई भी, जो ज्यादा रणनीतिक वर्क प्रोफाइल चाहता है, वह निश्चित रूप से इस क्षेत्र में विशेषज्ञता के लिए जा सकता है। आपको विशेषज्ञ बनाने के अलावा, विश्लेषण योग्यता निखार में तथा संस्थान की उन्नति व सुधार के लिए प्रमाण आधारित फैसले लेने में निश्चित रूप से आपकी सहायता करेगा।

-लेखक एससीएमएचआरडी, पुणे के निर्देशक हैं।